{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 25 अक्टूबर 2026
अश्विन शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 34
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	73,249.39
निफ्टी	-	22,687.65
सोना	-	1,52,679
चांदी	-	2,25,000
डॉलर	-	94.72

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एयरपोर्ट पर 1.56 करोड़ की विदेशी करेंसी जब्त

हैदराबाद। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डीआरआई ने करीब 1.56 करोड़ रूपए की विदेशी करेंसी जब्त की है। इस मामले में एक पुरुष और एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया गया है। दोनों 22 अक्टूबर को हैदराबाद से मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर जाने वाली फ्लाइट से यात्रा करने वाले थे। डीआरई की हैदराबाद जोनल यूनिट ने खुफिया जानकारी के आधार पर पहले पुरुष यात्री को रोका। उसके ट्रॉली बैग में कपड़ों के बीच काले प्लास्टिक कवर में छिपाए गए अमेरिकी डॉलर और मलेशियाई रिंगिट मिले। इनकी कीमत करीब 63.62 लाख रूपए थी। पूछताछ के दौरान अधिकारियों को पता चला कि उसी फ्लाइट में एक महिला यात्री भी अलग पीएनआर पर सफर कर रही थी।

छात्रों की 13वें दिन भी भूख हड़ताल

नई दिल्ली। जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के पांच छात्रों की भूख हड़ताल शनिवार को 13वें दिन भी जारी है। छात्र जामिया में स्टूडेंट्स यूनियन बहाल करने और चीफ प्रॉक्टर को हटाने की मांग कर रहे हैं। जामिया की छात्र यूनियन को मार्च 2006 में भंग कर दिया गया था। इस बीच मैनेजमेंट ने सभी कोर्स की कक्षाएं ऑनलाइन करने का ऐलान कर दिया है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक लागू रहेगी। यूनिवर्सिटी ने नोटिस में सभी डीन, विभागाध्यक्ष, निदेशकों, शिक्षकों और नियमित छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस के शेड्यूल का पालन करने को कहा है। नोटिस में शिक्षकों से ऑनलाइन क्लासेस की व्यवस्था करने को कहा गया है। साथ ही, छात्रों को जरूरी मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर के नए मुख्य सचिव होंगे सज्जन सिंह यादव

श्रीनगर। केंद्र सरकार ने 1995 बैच के एजीएमयूटी कैडर के

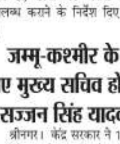

आईएएस अधिकारी सज्जन सिंह यादव को जम्मू-कश्मीर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, वह 1 नवंबर से यह जिम्मेदारी संभालेंगे। यादव, अटल डुल्लू की जगह लेंगे। डुल्लू 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे 31 अक्टूबर को रिटायर होने वाले हैं।

फारूक बोले-

हमारी रक्षा कर रहा पाकिस्तान

दिल्ली की नीयत ठीक नहीं; हक के लिए लड़ो, वरना मिट जाओगे

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने शनिवार को बारामूला में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली के इरादों पर सवाल उठाए। उन्होंने पाकिस्तान को लेकर भी बयान दिया, जिसमें कहा कि पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उठा रहा है और वह उनकी रक्षा कर रहा है।

रैली में पूर्व सीएम फारूख अब्दुल्ला ने कहा, आप दिल्ली से क्या उम्मीद कर सकते हैं? क्या आपको लगता है कि वे आपको न्याय दिलाएंगे? उन्होंने कार्यकर्ताओं से संघर्ष जारी रखने का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें लड़ने का साहस रखना होगा, अन्यथा उनकी पहचान मिट सकती है। उन्होंने आगे कहा कि भारत आज दुनिया के दबाव के कारण चुप है और पड़ोसी देश लगातार कश्मीर के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उठा रहा है। अब्दुल्ला के मुताबिक, पाकिस्तान विभिन्न मंचों पर यह कहता है कि कश्मीर का मुद्दा अब तक हल नहीं हुआ है। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा कि पाकिस्तान उनकी रक्षा कर रहा है, जबकि दिल्ली के इरादे अच्छे नहीं हैं।

370 बहाली के लिए संकल्प

फारूख अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए संघर्ष जारी रखेगी और भरोसा जताया कि एक दिन प्रदेश को उसका विशेष दर्जा वापस मिलेगा। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त कर दिया था। इसके साथ ही तत्कालीन राज्य का पुनर्गठन कर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस लंबे समय से विशेष दर्जे की बहाली की मांग करती रही है।

अब्दुल्ला ने कहा- जुल्म के खिलाफ एकजुट हों, 4 बड़ी बातें

सम्मान पाने के लिए पैरों पर खड़ा होना होगा- जब तक आप अपने पैरों पर खड़े नहीं होते, तब तक आपको कभी सम्मान नहीं मिलेगा, मेरी यह बात याद रखना। अगर आप अपने पैरों पर खड़े होना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने रब को याद करें और उनके दिखाए रास्ते पर चलें।

एकजुट होंगे तभी बच पाएंगे- बहुत से लोग आए और चले गए। हमने राजनीति में ऐसे बड़े-बड़े दिग्गजों को देखा है जिन्होंने हम पर जुल्म किए। याद रखें, जब तक आप एकजुट नहीं होंगे, तब तक आप कुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे।

हमारे बच्चे इतिहास को नहीं जानते- आज हमारे बच्चे मोबाइल लेकर घूम रहे हैं लेकिन मां-बाप को पता नहीं कि वह क्या कर रहे हैं। जम्मू में नेशनल-कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और भाजपा जबकि कश्मीर में कितनी पार्टियां खड़ी की गईं? हर घर में पार्टी खड़ी की गई। बस पैसा आता है और वह अपना ईमान बेचने के लिए तैयार हैं।

भाजपा शासित राज्यों में बुलडोजर चल रहा- भारत के बाकी हिस्सों में जहां भाजपा की सरकार है, क्या आप देख रहे हैं कि कैसे लोगों की बस्तियां उजाड़ी जा रही हैं, उनके घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं और उनकी दुकानें तोड़ी जा रही हैं? क्या आपसे कुछ छिपा है।

जामिया में छात्र संघ चुनाव की मांग पर आंदोलन तेज

13 दिन से जारी है भूख हड़ताल, प्रशासन ने दो महीने का समय मांगा, छात्र बोले—चुनाव की तारीख भी घोषित हो

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन तेज हो गया है। कई दिनों से जारी प्रदर्शन के बीच कुछ छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। आंदोलन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर कथित आपत्तिजनक और विवादित नारे लिखे जाने का मामला सामने आने के बाद विवाद ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है। जामिया में आखिरी बार वर्ष 2005 में छात्र संघ चुनाव हुए थे। वर्ष 2006 में निर्वाचित छात्र संघ इकाई को भंग कर दिया गया था। इसके बाद से ही छात्र संगठन की बहाली की मांग उठती रही है। अब छात्र 'यूनाइटेड स्टूडेंट्स ऑफ जामिया' के बैनर तले एकजुट होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों की तीन प्रमुख मांगें हैं। वे मौजूदा शैक्षणिक सत्र में छात्र संघ चुनाव की तारीख तत्काल घोषित करने, प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई सभी अनुशासनात्मक कार्रवाइयां वापस लेने और विश्वविद्यालय के सुरक्षा सलाहकार तथा चीफ प्रॉक्टर को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि छात्र संघ उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने का माध्यम है।

दो महीने में बनेगा संविधान का मसौदा

छात्रों की मांगों पर विश्वविद्यालय की उच्चस्तरीय समिति ने बताया है कि छात्र संघ का संविधान तैयार करने के लिए ड्राफ्ट कमेटी गठित की गई है। समिति को मसौदा तैयार करने में दो महीने लगेंगे। प्रशासन ने छात्रों से प्रदर्शन समाप्त कर प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही 12 अक्टूबर के बाद की गई अनुशासनात्मक कार्रवाइयों की समीक्षा का आश्वासन दिया है। हालांकि, छात्र प्रशासन के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। भूख हड़ताल पर बैठे छात्र जासिम अली खान के मुताबिक, वह 13 दिनों से हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा कि दो महीने की समयसीमा केवल संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए है, चुनाव कराने के लिए नहीं। छात्रों की मांग है कि प्रशासन चुनाव की स्पष्ट समयसीमा घोषित करे। एक अन्य छात्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और शिक्षा मंत्रालय से हस्तक्षेप कर चुनाव प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की। इस बीच विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर कथित आपत्तिजनक और विवादित नारे लिखे जाने की तस्वीरें सामने आने के बाद मामला और गरमा गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने घटना की निंदा करते हुए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने की बात कही।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह का कार्यकाल एक साल बढ़ा, 31 अक्टूबर 2027 तक संभालेंगे पद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 24 अक्टूबर को इस संबंध में फैसला लिया। इसके बाद राजेश कुमार सिंह अब 31 अक्टूबर 2027 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, रक्षा सचिव के पद पर बने रहेंगे। उनका मौजूदा कार्यकाल 31 अक्टूबर 2026 को समाप्त होने वाला था।

राजेश कुमार सिंह 1989 बैच के केरल कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। उन्होंने 1 नवंबर 2024 को देश के 40वें रक्षा सचिव के रूप में कार्यभार

संभाला था। उन्होंने गिरिधर अरमाने का स्थान लिया था। नियुक्ति के समय भी उन्हें सेवानिवृत्ति की निर्धारित आयु के बाद सेवा जारी रखने की अनुमति दी गई थी।

रक्षा सचिव बनने से पहले सिंह उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले वह पशुपालन एवं डेयरी विभाग में भी सचिव की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। केरल सरकार में उन्होंने शहरी विकास सचिव और वित्त सचिव सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

मई 2026 में उन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था। उनका कार्यकाल बढ़ाने का फैसला ऐसे समय में आया है, जब सरकार रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, अनुसंधान और सैन्य सुधारों को आगे बढ़ाने पर जोर दे रही है।

महाराष्ट्र में रैपिडो चला रहा था जैश का संदिग्ध आतंकी, एटीएस ने दबोचा

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक 33 वर्षीय संदिग्ध आतंकी मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को मुंबई से गिरफ्तार किया है। एटीएस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर आरोपी को माहिम मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा गया। एटीएस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि मोहम्मद हसन रैपिडो राइडर और इत्र विक्रेता के तौर पर काम करने की आड़ में कथित तौर पर कट्टरपंथी विचारों का प्रचार कर रहा था। जानकारी के अनुसार, एटीएस ने संदिग्ध को हिरासत में लेकर मुंबई पुलिस के हवाले किया था, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, माहिम पुलिस थाने में संदिग्ध के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। आरोपी के पाकिस्तान के एक खुफिया अधिकारी (पीआईओ) के संपर्क में होने का भी आरोप है। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किए हैं। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गहन जांच की जा रही है ताकि संदिग्ध के संपर्कों और गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा सके। महाराष्ट्र एटीएस और मुंबई पुलिस संयुक्त रूप से आरोपी की गतिविधियों और जैश-ए-मोहम्मद से उसके कथित संबंधों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। यह गिरफ्तारी भारत में जैश-ए-मोहम्मद के बढ़ते नेटवर्क और उसके मॉड्यूल के सक्रिय होने का संकेत देती है। इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों से जैश से जुड़े संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है। जुलाई में गुजरात एटीएस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 लोगों को गुजरात और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से गिरफ्तार किया था। गुजरात एटीएस ने बताया था कि ये आरोपी भी पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे और गुजरात में जैश का नेटवर्क स्थापित करने, आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा जैश की विचारधारा का गुजराती में अनुवाद व प्रसार करने का काम कर रहे थे। उस जांच में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन से फंडिंग का भी खुलासा हुआ था।

इसी कड़ी में, पंजाब पुलिस ने भी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करके जम्मू-कश्मीर से जैश के लिए काम करने वाले दो भाईयों, साहिल बशीर और ऐजाज अहमद, को उनके एक साथी के साथ गिरफ्तार किया था। ये तीनों चंडीगढ़ के मोहाली में एक वाहन चालक के अपहरण और हत्या के एक पुराने मामले में शामिल थे। साहिल बशीर जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा के कलामाबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में वांछित था, जबकि उसके भाई ऐजाज अहमद को पहले भी हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार किया जा चुका था।

एक नवंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस की बड़ी रैली

-प्रियंका गांधी ने पार्टी नेताओं के साथ तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैली आयोजित करने की घोषणा की है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि यह रैली चुनाव आयोग की कथित गड़बड़ियों के विरोध में आयोजित की जाएगी। रैली के साथ मार्च भी निकाला जाएगा। कांग्रेस ने इसे देश की सबसे बड़ी रैलियों में से एक बनाने का दावा किया है। वहीं सांसद प्रियंका गांधी ने पार्टी नेताओं के साथ मिलकर तैयारियों की समीक्षा की है।

वेणुगोपाल ने बातचीत के दौरान कहा कि एक नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली के जरिए चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पद का दुरुपयोग कर चुनाव से जुड़े मामलों में गड़बड़ियां कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि कैबिनेट सचिव के एक नोट से पार्टी के इन आरोपों की पुष्टि हुई है।

रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को

नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की थी। बैठक में रैली की तैयारियों की समीक्षा की गई और आयोजन को लेकर चर्चा हुई। कांग्रेस की रणनीति इस रैली के जरिए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने और चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने की है। पार्टी का कहना है कि चुनाव से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना जरूरी है।

एक नवंबर को होने वाली रैली के साथ प्रस्तावित मार्च को भी कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन का अहम हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी की ओर से इसे बड़े स्तर पर आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। हालांकि, रैली में शामिल होने वाले लोगों की संभावित संख्या और मार्च के विस्तृत कार्यक्रम के बारे में वेणुगोपाल ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

250 पूर्व नौसैनिकों को बिना परीक्षा मिलेगी पुलिस में नौकरी

मुंबई,। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय नौसेना के 250 से अधिक पूर्व अग्निवीरों को राज्य के तटीय पुलिस बल में शामिल किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में यह जानकारी देते हुए बताया कि इन अग्निवीरों को उनकी सैन्य ट्रेनिंग और उत्कृष्ट सेवा को देखते हुए सीधी भर्ती के तहत लिया गया है। उन्हें किसी भी नई भर्ती परीक्षा से छूट दी गई है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि सरकार ने यह फैसला लिया है कि सशस्त्र बलों में अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीर यदि चाहें तो महाराष्ट्र पुलिस सहित राज्य सरकार के अन्य बलों में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, इन युवाओं ने गहन ट्रेनिंग ली है और सीमाओं पर अपनी सेवाएं भी दी हैं। इनके पास बेहतरीन क्षमताएं हैं, जिससे ये पुलिस बल के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे।

पहले बैच में शामिल ये सभी नौसेना के जवान समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे। फडणवीस ने बताया कि इस कदम से तटीय पुलिस बल की क्षमता में वृद्धि होगी, क्योंकि राज्य की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे कहा, उन्हें शामिल करने के लिए हमें नियमों में कुछ बदलाव करने पड़े, और हमने सफलतापूर्वक ऐसा किया। भर्ती प्रक्रिया के बारे में फडणवीस ने बताया कि ये नियुक्तियां बिना किसी नई परीक्षा के सीधे की गई हैं। उन्होंने तर्क दिया, सशस्त्र बलों में जाने के लिए वे पहले ही एक बहुत कठिन चयन प्रक्रिया से गुजर चुके हैं। इसलिए उन्हें किसी और परीक्षा से गुजरने की जरूरत नहीं थी। सभी को सीधे नियुक्ति पत्र जारी कर दिए गए हैं। यह फैसला महाराष्ट्र सरकार की उस पूर्व घोषणा का हिस्सा है, जिसके तहत चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों को महाराष्ट्र पुलिस और राज्य सरकार के अन्य बलों में बिना किसी नई परीक्षा या दोबारा प्रशिक्षण के शामिल किया जाएगा।

कुछ ना कहना

जम्मू-कश्मीर में 2-3 दिन में कैबिनेट विस्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि अगले दो-तीन दिनों में उनके मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंत्रियों की सूची नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला से सलाह-मशविरा करने के बाद फाइनल कर ली गई है। साथ ही उन्होंने अपने सहयोगियों से कहा कि फोन कॉल और व्हट्सएप न करें जो कुछ होना होगा, 2-3 दिन में हो जाएगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के लोक भवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात के बाद यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि उन्होंने उपराज्यपाल से अगले हफ्ते की शुरुआत में इस प्रक्रिया के लिए समय तय करने का अनुरोध किया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मैंने उपराज्यपाल के साथ मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा की और उनसे अगले हफ्ते के शुरुआती दो-तीन दिनों में कोई समय तय करने का आग्रह किया। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं कुछ बदलाव करूंगा और अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करूंगा। उपराज्यपाल समय तय करेंगे और फिर विस्तार होगा। उमर ने यह कहते हुए कि मंत्रियों की चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, कहा कि मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले लोगों के नाम फारूक अब्दुल्ला से चर्चा करके पहले ही तय कर लिए गए हैं। उन्होंने मंत्री पद के इच्छुक पार्टी सहयोगियों से यह भी कहा कि वे पदों के लिए लॉबिंग करना बंद कर दें।

एंटीबायोटिक, बच्चों के सिरप सहित कई दवाएं जांच में फेल

सोलन। सीडीएससीओ की ओर से सितंबर के ड्रग अलर्ट में देशभर के 331 दवा एवं कास्मेटिक के सैंपल गुणवत्ता में खरे नहीं उतरे। इनमें 228 सैंपल राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा 42 केंद्रीय प्रयोगशालाओं में असफल रहे। जांच में एंटीबायोटिक, हृदय रोग, दर्द एवं बुखार, बच्चों के सिरप, खांसी, पेट सहित आंखों की दवाओं सहित इंजेक्शन तथा विटामिन उत्पादों के सैंपल फेल पाए गए हैं। अधिकांश दवाएं डिसाल्यूशन, कंटेंट, एस्से, स्टेरिलिटी, पीएच, पार्टिकुलेट मैटर तथा एपीआइ की निर्धारित मात्रा जैसे महत्वपूर्ण गुणवत्ता मानकों पर असफल रहीं।

हिमाचल की 95, उत्तराखंड की 69, महाराष्ट्र की 23, मध्य प्रदेश की 22, हरियाणा की 21, गुजरात की 15, राजस्थान की 17, तमिलनाडु की 15, पंजाब की 13, सिक्किम की 12, उत्तर प्रदेश की 10, जम्मू की चार, पुडुचेरी की तीन, बंगाल की दो, बिहार, केरलम, न्यू दिल्ली, आंध्र प्रदेश, दमन, गोवा की एक-एक दवा का सैंपल फेल हुआ।

पाकिस्तान में बनी चार दवाएं भी शामिल

विदेश में निर्मित 12 उत्पादों के सैंपल भी फेल मिले हैं। इनमें इटली के छह, पाकिस्तान के चार और थाईलैंड के दो सैंपल शामिल हैं।

इन उद्योगों की ये प्रमुख दवाएं निकली खराब

सोलन के फार्मारूट्स हेल्थकेयर उद्योग में बनी एलर्जी में राहत की दवा सिट्राजिन हाइड्रोक्लोराइड प्लस एंब्रोक्सोल हाइड्रोक्लोराइड सिरप (बैच नंबर पीओ126002एल), गुजरात के विमसन डेरमा उद्योग में निर्मित त्वचा के फंगल, दाद व खुजली में इस्तेमाल होने वाला केटोकोनाजोल मेडिकेटिड साबुन, सिरमौर के ग्नोसिस फार्मास्युटिकल्स में निर्मित मिर्गी के दौरे नियंत्रित करने वाली सोडियम वेल्पोरेट गेस्ट्रो रजिस्टेंट 200 एमजी दवा (बैच नंबर जीटी501554ए), महाराष्ट्र के हिंदुस्तान लैबोरेट्री उद्योग में निर्मित खून में प्लेटलेट्स को आपस में चिपकने से रोकने की दवा एस्प्रिन 150 एमजी (बैच नंबर टीएएस25011एएल) का सैंपल फेल हुआ। लुधियाना के उद्योग सोलर फार्मास्यूटिकल्स में निर्मित सूजन वाले त्वचा रोगों की बीएस-टॉप क्रीम (बैच नंबर 689), हरियाणा के आरके लाइफ केयर उद्योग में निर्मित फेफड़ों के बैक्टीरियल संक्रमण के कैफ्टन 1000 एमजी इंजेक्शन (बैच नंबर आरकेसीएक्सबीपी003) का सैंपल फेल हुआ है। सिरमौर जिले के एमएमजी हेल्थकेयर उद्योग में निर्मित मलेरिया के उपचार का आउसनेट इंजेक्शन (बैच नंबर 25जीएफ23एम), सोलन के टीएंडजी मेडिकेयर उद्योग में निर्मित बच्चों के कान के बैक्टीरियल संक्रमण का सिरप पोडोनेक्स 100 ड्राई (बैच नंबर टीजीडी05250017) मानकों पर खरा नहीं उतरा।

भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। 2022 में हरियाणा में 24 घंटे में तीन हत्याओं के बाद हिमांशु चर्चा में आया था। हिमांशु भाऊ की गैंग ने ही 2025 में यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। हिमांशु की लॉरेंस और गोल्डी बराड़ गैंग से दुश्मनी मानी जाती है। इसी मामले में एक अन्य भगोड़े नीरज फरीदपुरिया को भी पकड़ा गया। बताया गया है कि वह इस साल जमानत पर रिहा होने के बाद अपने टखने में लगा निगरानी ट्रैकर हटाकर गिरफ्तारी से बच रहा था।

7 साल के इंतेजार के बाद, वॉलीबॉल के मैदान में उतरेंगी 30 टीमें

30 अक्टूबर से उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में होंगे तीन दिवसीय जिला स्तरीय मुकाबले, डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी की पहल से फिर लौटेगी वॉलीबॉल की रौनक, गांवों की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच, 2019 के बाद जिले में प्रतियोगिता शुरू करने की तैयारी,खेल प्रेमियों में उत्साह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कभी युवाओं के पसंदीदा खेलों में शामिल रही वॉलीबॉल को फिर से नई पहचान दिलाने की तैयारी शुरू हो गई है। लंबे समय से जिला स्तरीय प्रतियोगिता के अभाव में इस खेल की गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं, लेकिन अब मैदान में एक बार फिर खिलाड़ियों का दमखम देखने को मिलेगा। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के तत्वावधान में 30 अक्टूबर से 01 नवंबर तक 03 दिवसीय जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में होने वाले इस आयोजन में जिले की करीब 30 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल जीत-हार तय करना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाना और वॉलीबॉल के प्रति युवाओं का आकर्षण बढ़ाना है।अब सबकी निगाहें प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां तीन दिनों तक मुकाबलों के बीच यह देखने को मिलेगा कि जिले की कौन-सी टीम अपने खेल से बाजी मारती है।शनिवार को आयोजन को लेकर आयोजित पत्रकारवार्ता में आयोजकों ने प्रतियोगिता की तैयारियों और उद्देश्यों की जानकारी साझा की। आयोजन समिति का कहना है कि जिले में वॉलीबॉल को फिर से सक्रिय करने के लिए खिलाड़ियों को नियमित मुकाबले और बेहतर मंच उपलब्ध कराना जरूरी है। इसी सोच के साथ एकेडमी ने तीन दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया है।

तीन दिन तक खेल का रोमांच

30 अक्टूबर से एक नवंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में जिले की 30 टीमें मैदान पर उतरेंगी। उत्कृष्ट विद्यालय का मैदान खिलाड़ियों के कौशल, टीमवर्क और प्रतिस्पर्धा का गवाह बनेगा। आयोजकों को उम्मीद है कि यह प्रतियोगिता जिले में वॉलीबॉल के पुनर्जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी और आने वाले समय में खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिलेंगे।बताया गया कि राजेश पाठक खेल आयोजनों के अनुभव के साथ इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में जुटे हैं। वे नेहरू स्पोर्टिंग क्लब और जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष के रूप में हॉकी के अखिल भारतीय आयोजन तथा लगभग सात बार प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन करा चुके हैं।

मैदान पर दिखेगा खिलाड़ियों का दम-पाठक

आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि वर्ष 2019 के बाद जिले में वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं की गतिविधियां लगभग थम गई थीं। इससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर कम मिल रहे थे। इस स्थिति को बदलने और खेल को नई गति देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय आयोजन की पहल की गई है।उन्होंने बताया कि वॉलीबॉल ऐसा खेल है, जिसे सीमित संसाधनों में भी खेला जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस खेल के प्रति रुचि और प्रतिभा मौजूद है, जरूरत केवल उन्हें उचित मंच देने की है। 30 टीमों की सहभागिता से खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा और जिले में खेल का माहौल मजबूत होगा।

गांव से शहर तक पहुंचेगी खेल प्रतिभा-अनुराग

आयोजन समिति के सचिव अनुराग चतुरमोहता ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है, लेकिन बड़े आयोजनों तक पहुंचने के अवसर सीमित रहते हैं। जब गांवों के खिलाड़ी शहर में आयोजित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं, तो उन्हें बेहतर प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है और अपनी क्षमता पहचानने का अवसर भी मिलता है।उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मंच उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी की यह पहल जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी।

23 साल से खेलों को बढ़ावा दे रही एकेडमी-तपेश

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी ने बताया कि एकेडमी पिछले 23 वर्षों से जिले में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। वॉलीबॉल प्रतियोगिता इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण प्रयास है। वहीं आयोजन समिति के उपाध्यक्ष अजय मिश्रा ने कहा कि जिले में वॉलीबॉल की घटती गतिविधियों को देखते हुए इस तरह का आयोजन समय की जरूरत है। प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को नया उत्साह मिलेगा और इस खेल को दोबारा मजबूत आधार प्रदान करने में मदद मिलेगी।पत्रकारवार्ता के दौरान आयोजन समिति के उपाध्यक्ष श्रेयांस वैध तथा वॉलीबॉल खिलाड़ी एवं कोच सुधीर तोमर भी उपस्थित रहे।

तबादला आदेश 30 अक्टूबर 2025 का, फिर भी दीपक लिल्हारे पर मेहरबानी क्यों?

चार दिन में कार्रवाई का आश्वासन भी बेअसर, जिला सहकारी बैंक में नियमों की दोहरी व्यवस्था?

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक में स्थानांतरण आदेशों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बैहर शाखा से बिरसा शाखा में दीपक कुमार लिल्हारे के स्थानांतरण का आदेश 30 अक्टूबर 2025 को जारी होने की जानकारी सामने आई थी, लेकिन लगभग एक वर्ष बीतने के बावजूद आदेश पर अमल नहीं होने का मामला अब प्रबंधन की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है।मामले में बैंक के महाप्रबंधक अभिनव बघेल द्वारा चार दिन के भीतर कार्रवाई कर स्थानांतरण सुनिश्चित करने की बात कहे जाने का दावा किया गया था। इसके बावजूद आज तक कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से सवाल उठ रहा है कि आखिर आश्वासन के बाद भी फाइल आगे क्यों नहीं बढ़ी वहीं, प्रशासक दीनदयाल ठाकरे ने पूछे जाने पर कथित तौर पर कहा कि लेटर पोस्टपोन हो गया है। यदि स्थानांतरण आदेश स्थगित किया गया था, तो उसका लिखित आदेश कहां है? किस सक्षम अधिकारी ने स्थगन दिया और उसके पीछे क्या प्रशासनिक कारण थे? इन सवालों का स्पष्ट जवाब अब तक सामने आना चाहिए।

किसके संरक्षण में अटका आदेश?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब स्थानांतरण आदेश जारी हुआ और कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया, तो फिर उसका पालन कराने में देरी क्यों हो रही है? क्या बैंक प्रबंधन के लिए स्थानांतरण आदेशों के पालन के अलग-अलग मापदंड हैं? यदि आदेश स्थगित है, तो संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जाती?यह मामला किसी कर्मचारी के पक्ष या विपक्ष का नहीं, बल्कि बैंक के नियमों, प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही का है। यदि आदेश विधिवत जारी हुआ था, तो उसके पालन अथवा स्थगन की स्थिति दस्तावेजों के आधार पर स्पष्ट होनी चाहिए।

नियम समान हैं या प्रभावशाली लोगों के लिए अलग व्यवस्था?

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के महाप्रबंधक अभिनव बघेल और संबंधित प्रबंधन को स्पष्ट करना चाहिए कि 30 अक्टूबर 2025 के स्थानांतरण आदेश की वर्तमान स्थिति क्या है, चार दिन में कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद क्या कदम उठाए गए और आदेश पर अमल नहीं होने का वास्तविक कारण क्या है?आखिर दीपक कुमार लिल्हारे के स्थानांतरण में ऐसी कौन-सी बाधा है, जो महीनों से दूर नहीं हो रही? क्या यह केवल प्रशासनिक देरी है या किसी स्तर पर विशेष संरक्षण की भूमिका है?इन सवालों का जवाब आरोपों से नहीं, बल्कि लिखित आदेशों और आधिकारिक दस्तावेजों से मिलना चाहिए। अब देखना यह है कि बैंक प्रबंधन स्थिति स्पष्ट कर नियमों के अनुरूप कार्रवाई करता है या यह मामला आश्वासनों और फाइलों के बीच ही उलझा रहता है।

अधिकारी से नही हो सका सम्पर्क

उधर इस पूरे मामले को लेकर हमने दो बार जिला सहकारी बैंक सीईओ अभिनव बघेल से संपर्क करने का प्रयास किया। लेकिन शनिवार अवकाश के चलते उनसे संपर्क नहीं हो सका। तो वही उनसे 2 बार दूरभाष पर भी संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन कॉल रिसीव नहीं की।जिसके चलते इस पूरे मामले में सहकारी बैंक सीईओ का फिलहाल बयान सामने नहीं आ पाया है।

श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर में भव्य कलश यात्रा आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मॉयल नगरी भरवेली समीप स्थित ग्राम पंचायत हीरापुर के श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर ट्रस्ट द्वारा हनुमान जी महाराज की विश्व की सबसे ऊंची 205 फीट प्रतिमा स्थापना व भव्य मंदिर निर्माण के महासंकल्प हेतु धार्मिक एवं सामाजिक चेतना से जुड़े विभिन्न भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 25 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक श्री हनुमंत कथा का भव्य आयोजन किया गया है। इस अवसर पर रविवार को सुबह 10 बजे से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। जो ग्राम के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए कथा स्थल विष्णुधाम मंदिर पहुंच संपन्न होगी। शाम 7 बजे से संगीतमयी सुंदरकाण्ड का आयोजन किया गया है। 25 अक्टूबर को ही आयोजन समिति द्वारा शारदेय नवरात्रि के अवसर पर भव्य नवरात्रि मां दुर्गा पंडाल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। प्रतियोगिता में निर्णायकों के अनुसार जिन दुर्गा समितियों का प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान लगा है। उन समितियों को पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा।

विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन- त्रिवेदी

इस संबंध में श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक हनुमान कथा का वाचन हर दिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक श्री बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेन्द्र शास्त्री के कृपा पात्र आचार्य रोहित रिछारिया जी द्वारा किया जाएगा। श्री हनुमंत कथा का शुभारंभ 25अक्टूबर की सुबह 10 बजे कलश यात्रा निकालकर पूजा अर्चना कर किया जाएगा। तत्पश्चात धार्मिक संगोष्ठी, दोपहर 1 बजे से मां दुर्गा पंडाल प्रतियोगिता के विजेता दुर्गा समितियों को पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह एवं शाम 7 बजे सुंदरकाण्ड, रात में शरद पूर्णिमा पर विशेष अमृत खीर प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर को हनुमान जन्मोत्सव लीला का बखान किया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सनातन संस्कृति के संरक्षण, धार्मिक चेतना के विस्तार, भक्ति एवं सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाने व जिले की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाने का है। उन्होंने कहा कि श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर में हनुमान जी की 205 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने देश की प्रमुख नदियों का जल व रज भी लाया गया है। सावन में विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। अखंड श्री रामचरित मानस पाठ का पूरे श्रावण मास में आयोजन किया गया। मां नर्मदा के अनन्य उपासक पूज्य दादा गुरु का भी श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर में आगमन हुआ। जिनके द्वारा आध्यात्मिक प्रवचन भी दिया गया। उन्होंने इस अवसर पर सभी धर्मप्रेमी व सनातनी बंधुओं से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

योगासनों में दम दिखा रहे 350 खिलाड़ी, राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की जंग तेज

राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता में आर्टिस्टिक और पारंपरिक योग का प्रदर्शन, आज पेयर मुकाबलों के बाद होगा प्रदेश की टीम का चयन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। योगासनों में संतुलन, लय, लचक और शारीरिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेशभर के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाने के लिए जोर लगा रहे हैं। बालाघाट में आयोजित तीन दिवसीय राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को 10 संभागों से आए 350 से अधिक स्कूली खिलाड़ियों ने आर्टिस्टिक और पारंपरिक योग विधाओं में अपनी एकल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अब रविवार को रिदमिक और आर्टिस्टिक पेयर प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिसके बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राज्यस्तरीय टीम के लिए किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

योग के कठिन आसनों में दिखाया कौशल

प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने योग के विभिन्न आसनों के माध्यम से अपनी शारीरिक क्षमता, संतुलन और अभ्यास का परिचय दिया। अलग-अलग संभागों से पहुंचे प्रतिभागियों के बीच बेहतर प्रदर्शन करने की प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। शनिवार को आयोजित व्यक्तिगत मुकाबलों के बाद अब सभी की निगाहें रविवार को होने वाली टीम स्पर्धाओं पर टिकी हैं,जहां जोड़ी में खिलाड़ियों को अपनी योग प्रतिभा प्रदर्शित करनी होगी। शनिवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी राजेश पाठक, योग आयोग अध्यक्ष तपेश असाटी, समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

आज पेयर मुकाबलों पर रहेंगी निगाहें

प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को रिदमिक और आर्टिस्टिक पेयर स्पर्धाएं आयोजित होंगी। इसमें खिलाड़ी जोड़ी के रूप में योगासनों का प्रदर्शन करेंगे। इन मुकाबलों के बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन कर राज्यस्तरीय टीम के लिए चयन किया जाएगा।चयनित खिलाड़ियों को आगे राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

बालाघाट के आठ खिलाड़ी भी मैदान में

प्रतियोगिता में प्रत्येक संभाग से करीब 36 खिलाड़ी शामिल हैं।जबलपुर संभाग की ओर से बालाघाट के आठ खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आयोजन की जिम्मेदारी जिला योग प्रभारी कृष्ण कुमार कुशवाहा के साथ स्टेट ऑफिशियल टीम के अश्विन कुमार दीक्षित, शिववीरसिंह तोमर, दुर्गा राहंगडाले, कंचनबाला फूलबांधे, शिव कुमार गुप्ता, श्रुति जैन और आकाश अग्रवाल संभाल रहे हैं।

10 संभागों के साढ़े तीन सौ से अधिक खिलाड़ी शामिल-गोस्वामी

जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी ने बताया कि प्रतियोगिता में भोपाल, रीवा, जबलपुर, इंदौर, नर्मदापुरम, सागर, शहडोल, ग्वालियर, उज्जैन और जनजातीय स्कूल संभाग के 350 से अधिक स्कूली खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग में आयोजित की जा रही है। तीनों आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राज्यस्तरीय टीम के लिए किया जाएगा।

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बूढी में देवी जागरण आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बूढ़ी में शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस संदर्भ में पूर्व पार्षद रामलाल बिसेन ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवरात्रि पर्व के समापन के बाद आने वाले शरद पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष भी सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बूढ़ी वार्ड नं.11 शिव मंदिर के सामने 25 अक्टुबर 2026 को शरद पूर्णिमा के अवसर पर नागपुर का भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया है। जिसमें सिंगर आदित्य खजांची, सपना चौहान तथा कोमल नीनावे अपनी मधुर आवाज से भक्तिमय गीतो से देवी जागरण को आयोजित करेगें। वही रात्रि में प्रसादी वितरण भी किया जायेगा। इस अवसर पर समस्त नगरवासियों से उपस्थिति की अपील अध्यक्ष रामलाल बिसेन, उपाध्यक्षगण गोविंद बोरीकर, दीपक मातरे, आलोक खैरवार, हेमराज साव, सुभाष पांजरे, कमलेश मलघाटे, सचिव विजय राऊत, संदीप पांचे, मुकेश नागरे, कोषाध्यक्ष मुकुल मातरे, ललित बाहे, गोविंद हरदे सहित संरक्षक मंडल के पदाधिकारी रूपराम पांजरे, चिरोंजी चौरागडे, अशोक नगपुरे, दीपक नगपुरे, श्रीमती सरिता सोनेकर पार्षद, श्रीमती अनिता पांजरे, श्रीमती सारिका रामलाल बिसेन, सुनील मलघाटे, नंदु सोनेकर सहित समस्त पदाधिकारियों ने की है।

मां से 500 रुपये लेकर घर से निकला युवक लापता

अपहरण की आशंका में मामला दर्ज, खैरलांजी के मोहाड़ी गांव का मामला, नागपुर से घर आया था 23 वर्षीय अंकित सोलंकी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम मोहाड़ी में मां से 500 रुपये लेकर काम के सिलसिले में बाहर जाने की बात कहकर घर से निकला 23 वर्षीय युवक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने उसकी गांव सहित आसपास के क्षेत्रों और रिश्तेदारों के यहां तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। युवक के लापता होने पर परिजनों ने उसके अपहरण की आशंका जताई है। शिकायत के आधार पर खैरलांजी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नागपुर से घर आया था अंकित

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मोहाड़ी निवासी झाम सिंह सोलंकी 45 वर्ष खेती-किसानी करते हैं। उनके तीन बेटे हैं। दूसरा बेटा अंकित सोलंकी 23 वर्ष पिछले एक वर्ष से नागपुर में रहकर सेंटिंग का काम कर रहा था। वह 20 अक्टूबर को नागपुर से अपने गांव मोहाड़ी आया था।22 अक्टूबर को झाम सिंह सोलंकी अपने खेत चले गए थे जबकि घर पर उनकी पत्नी शांताबाई मौजूद थीं। दोपहर करीब 2 बजे अंकित ने अपनी मां से 500 रुपये मांगे और काम के सिलसिले में बाहर जाने की बात कहते हुए कुछ देर में लौटने की बात कही। इसके बाद वह घर से निकल गया, लेकिन वापस नहीं लौटा।

रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में की तलाश

शाम करीब 4 बजे झाम सिंह सोलंकी घर पहुंचे तो अंकित घर मे नहीं था। पत्नी शांताबाई से पूछने पर उन्हें पता चला कि अंकित 500 रुपये लेकर काम से बाहर जाने की बात कहकर निकला है। इसके बाद परिजनों ने अंकित से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन वह अपना मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ गया था।अंकित के नहीं मिलने पर झाम सिंह ने अपने बड़े बेटे गोविंद के साथ उसकी तलाश शुरू की। परिजनों ने खैरलांजी, गोंदिया और धापेवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों पर पूछताछ की तथा रिश्तेदारों के यहां भी पता लगाया। नागपुर में भी उसकी तलाश की गई, लेकिन कहीं से कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

सफेद शर्ट और काली पैंट पहने था युवक

लापता अंकित की उम्र 23 वर्ष रंग गोरा, चेहरा गोल और कद करीब 5 फीट 2 इंच बताया गया है। घर से निकलते समय उसने सफेद शर्ट और काली पैंट पहन रखी थी।काफी तलाश के बाद भी अंकित का पता नहीं चलने पर उसके पिता झाम सिंह सोलंकी ने खैरलांजी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने अंकित का अपहरण कर उसे कहीं छिपाकर या बंधक बनाकर रखा हो सकता है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल अंकित का पता नहीं चल पाया है।

भटेरा चौकी में आज सजेगी शरद पूर्णिमा की महफिल, 26 को होगा गरबा महोत्सव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सम्राट भोज पंवार क्षत्रिय संगठन भटेरा चौकी द्वारा इस वर्ष भी सामाजिक एकता और पारंपरिक उल्लास के साथ शरद पूर्णिमा महोत्सव (कोजागिरी) एवं गरबा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय उत्सव की शुरुआत 25 अक्टूबर, रविवार को शरद पूर्णिमा महोत्सव के साथ होगी, जबकि 26 अक्टूबर, सोमवार को गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। दोनों कार्यक्रम भटेरा चौकी स्थित गोविंद पैलेस, नेमा लॉन में संपन्न होंगे। आयोजन का उद्देश्य समाजजनों को एक मंच पर लाकर आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। शरद पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर चांदनी रात में समाजजन पारंपरिक उत्साह के साथ उत्सव मनाएंगे। वहीं अगले दिन गरबा महोत्सव में पारंपरिक नृत्य और उल्लास के बीच समाज की सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी। संगठन द्वारा आयोजन को लेकर समाजजनों को आमंत्रित किया गया है, ताकि सभी मिलकर इस सामाजिक उत्सव को यादगार बना सकें। संगठन के अध्यक्ष मनोज भैरम ने समस्त समाजजनों से सपरिवार उपस्थित होकर दोनों आयोजनों की शोभा बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक बंधुत्व, प्रेम और आपसी समन्वय को बढ़ावा देने का अवसर होते हैं। कार्यक्रम के निमंत्रक के रूप में अध्यक्ष मनोज भैरम के साथ संगठन की प्रबंध कार्यकारिणी, समस्त प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं पदाधिकारी समाजजनों के स्वागत और आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं।

आंचलिक
छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
चुनभुनिया
आकर्षक झांकी के साथ
दामाद बाबू
राजनांदगांव के द्वारा
अनुपम प्रस्तुती
8085493332
7440787959

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 25 अक्टूबर 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पटेलों को दिए जाए उनके हक अधिकार,नही तो होंगा बड़ा आंदोलन

ग्रामीण पटेल कल्याण संघ की बैठक सम्पन्न,मांगे पूरी न होने पर जताई नाराजगी, कहा-वर्षो से उपेक्षा का दंश झेल रहे ग्रामीण पटेल, स्थाई पटेलों को नही मिल रहे अधिकार, सरकार पर सुनवाई नही करने का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। समय बदला,सरकारें बदल गई लेकिन ग्रामीण पटेलों को हालात अब तक नही बदले,जो पिछले कई वर्षों से शासन की उपेक्षा का दंश झेल रहे है।लाख मिन्नतों के बावजूद भी सरकार द्वारा उनकी कोई सुनवाई नही की जा रही है।जिससे जहा एक ओर स्थाई पटेल, परेशान है तो वही दूसरी ओर वर्षो से लंबित उनकी मांग पूरी ना होने पर,उनका सरकार के खिलाफ आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है।वर्षो से उपेक्षा का दंश झेल रहे ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ने ग्रामीण पटेलो के अधिकार समाप्त करने और उन्हें मानदेय सहित अन्य सेवाओं से मुक्त करने पर अपनी नाराजगी जताते हुए प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। जिन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के बैनर तले शनिवार को नगर के बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में एक बैठक का आयोजन कर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा सहित देश के अन्य राज्यों की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी पटेलों को उनके अधिकार देने, पटेलो को पूर्व में दिया गया मान सम्मान वापस दिलाने और पटेलों के महत्व को बरकरार रखते हुए उनकी समस्त मांगे जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने सरकार को 1 माह का अल्टीमेटम देते हुए,मांग पूरी ना होने पर सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

साजिश के तहत समाप्त किए गए पटेलों के अधिकार

धर्मशाला में आयोजित इस बैठक के दौरान ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के पदाधिकारियो में सरकार के खिलाफ खासी नाराजगी देखी गई, बैठक में बारी-बारी से अपने विचार व्यक्त करते हुए पदाधिकारियो ने बताया कि एक साजिश के तहत गांवों से पटेलो के अधिकार समाप्त किए गए हैं ताकि पटेलो का अस्तित्व ही समाप्त हो जाए, जबकि देश के अन्य राज्यों में पटेलो को न सिर्फ वहां की सरकार मानदेय दे रही है बल्कि उनका पद, उनकी जिम्मेदारी और उनकी अहमियत भी बरकरार रखी गई है, जबकि मध्य प्रदेश में पटेलो का अस्तित्व ही खत्म करने का काम किया गया है। पदाधिकारियो ने वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को दोहराते हुए, अब अपनी इन्ही मांगो को लेकर बड़ा आंदोलन किए जाने की रणनीति बनाई है।

कुछ गांवों को छोड़कर,बाकी किसी भी पंचायत में नही लगी पटेले के नाम की नेमप्लेट

पदाधिकारियो ने बताया कि इसके पूर्व कमिश्नर ने आदेश जारी करते हुए सभी ग्राम पंचायत में पटेलो के नाम की नेम प्लेट लगाने,व सभी बैठको में पटेलो को स्थान देने के आदेश दिए थे। लेकिन उन आदेशों का पालन भी जिले की सभी पंचायत में नहीं किया जा रहा है महज कुछ गांव को छोड़कर बाकी अन्य पंचायत में पटेलो के

नाम की नेम प्लेट अब तक नहीं लगाई गई है।कमिश्नर के आदेश के बावजूद भी सभी पंचायत की बैठक में शामिल न करने, उनके लिए पंचायत में बैठक व्यवस्था न बनाने ,उनका नाम व मोबाइल नंबर पंचायत सूचना पटल पर दर्ज न करने पर ऐतराज जताते हुए पटेलों ने जल्द से जल्द मांग पूरी ना होने पर आंदोलन की रणनीति बनाने की बात कही है।आयोजित बैठक के दौरान ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्य प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत, जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे,कोषाध्यक्ष चुड़ामन सिंह शिवहरे, तहसील अध्यक्ष उदेलाल डहारे,सुरेंद्र सिंह चौहान, रामप्रसाद बघेले,रजनीकांत चौधरी,हुकुमचंद पटले, रणधीर बिसेन,टेकचंद बोपचे,भागचंद ठाकरे, धर्मेंद्र सिह बैस, और मूलचंद चौधरी सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी सदस्य व विभिन्न स्थानों से आए पटेल, महिला पटेल व मुकद्दम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगों पर की चर्चा

राजस्व की वसूली करने के पटेल को अधिकार दिए जाने, किस्त बंदी के कार्य प्रतिवर्ष पटेलों को देने, जिन ग्रामों में ग्रामीण पटेल के पद रिक्त है, उनको यथाशीघ्र भरे जाने, ग्रामीण पटेल जो पूर्व में थे, उनको यथावत रखने, भू-राजस्व संहिता की धारा 222 से 229 की अधिकार की जिम्मेदारी पटेलों को दी जाने। ग्राम पंचायत के मनोनीत पंच एवं आम सभा में पटेलो को प्रतिनिधि बनाने, कोई भी जांच पटेल के समक्ष करने, ग्रामीण पटेल को प्रतिवर्ष मानदेय के रूप में उचित पारिश्रमिक देने, ग्रामीण पटेल को वर्तमान में छत्तीसगढ़ / महाराष्ट्र / हरियाणा एवं अन्य प्रांतों में जिस प्रकार से प्रतिमाह मानदेय दिया जाता, उसी प्रकार म.प्र. के समस्त ग्राम पटेलों को मानदेय देने, संगठन में महिला एवं पुरुष कार्यकारिणी में पद अधिकारी है,जिनकी मिटिंग 2-2 माह में राजधानी भोपाल में की जाती है। संगठन के पदाधिकारियों को रूकने का साधन नहीं है, इसलिए संगठन के नाम से एक आवास मकान कार्यालय हेतु स्वीकृत कराने, सहित बैठक के दौरान अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमे सबसे प्रमुख मुद्दा सचिवो द्वारा ग्राम पंचायत में बैठक व्यवस्था ना बनाना और पटेलों को बैठक आमसभा में आमंत्रित नही करने का रहा, जिस पर पटेलों में भारी आक्रोश देखा गया है।

महज कागजों में सिमट कर रहे गए कमिश्नर के आदेश- अध्यक्ष

पटेल संघ जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे ने बताया कि शासन ने हम पटेलों को हमारे अधिकार से वंचित कर दिया है। सरकार से हमारी प्रमुख मांग है कि पूर्व की भांति पटेलो को जो अधिकार प्राप्त थे वह उन्हें वापस किए जाएं। भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 222, 224 के तहत जो अधिकार दिए गए थे उन्हें पुनः लागू किया जाए। उन्होंने बताया कि शासन की तरफ से 21/11/2021 को एक आदेश दिया गया था जिसने पटेलो का नाम,व मोबाईल नम्बर पंचायत पटल में दर्ज किया जाए और पटेलो की बैठक व्यवस्था के लिए कुर्सी लगाई जाने के आदेश दिए गए थे। उसका पालन कई पंचायतो में आज तक नहीं हुआ है उसको लेकर पटेलो में नाराजगी है। जानबूझकर हमारे हक अधिकार से हमें वंचित रखा जा रहा है शासन ने हमारे अधिकारों को निष्क्रीय कर दिया है उसे ही सक्रिय करने के लिए हम प्रयासरत हैं।मानदेय के हम भूखे नहीं है हम पटेल हैं, लेकिन वह आदेश भी महज कागजों में सिमट कर रह गया है।

बड़े स्तर पर किया जाएगा आंदोलन- मोहनलाल

पटेल संघ प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हमें आश्वासन दिया था कि पटेलो को उनका अधिकार वापस दिया जाएगा। उन्होंने हमसे निवेदन किया था कि सरकार बनाने में सहयोग करें हमने एक बार नहीं बल्कि तीन बार सरकार बनाने में उनका सहयोग किया है। फिर भी उन्होंने और उनकी पार्टी ने हमारी मांगों की अनदेखी की है कई गांव में पटेलों के रिक्त पद अबतक नहीं भरे गए हैं तो वही हमारी मांगों को पूरा भी नहीं किया जा रहा है। हमारी मुख्यमंत्री से मांग है कि पटेलो के हक अधिकार के लिए राजपत्र जारी किया जाए इसके लिए हमने एक माह का अल्टीमेटम दिया हुआ है यदि एक माह के भीतर समस्त मांगे पूरी नहीं होती तो फिर पटेलो द्वारा बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

स्वामित्व योजना के तहत 1.43 लाख लोगों को मिलेगी आबादी भूमि की नि:शुल्क रजिस्ट्री

25 से 31 अक्टूबर तक जिले की 12 तहसीलों के 1104 गांवों में विशेष शिविर लगाकर पूरी की जाएगी कार्यवाही

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि के अधिकार अभिलेखों के नि:शुल्क निष्पादन एवं पंजीयन की कार्यवाही जिले में 25 से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाकर पूरी की जाएगी। इस अभियान के तहत बालाघाट जिले की 12 तहसीलों के 1104 गांवों में 01 लाख 43 हजार 488 व्यक्तियों को आबादी भूमि की नि:शुल्क रजिस्ट्री का लाभ दिया जाना है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में निवासरत लोगों के निजी स्वामित्व संबंधी अधिकार अभिलेख तैयार किए गए हैं। इन अधिकार अभिलेखों के नि:शुल्क निष्पादन एवं पंजीयन की कार्यवाही 17 सितंबर 2026 से प्रारंभ की गई है। राज्य शासन के निर्देशानुसार अब इस कार्यवाही को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए 25 से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को अपने-अपने अनुभाग में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को शिविरों के आयोजन से पहले व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार मजरे-टोलों एवं ग्राम पंचायतों में रोस्टर बनाकर शिविर आयोजित करने के लिए कहा गया है। विशेष शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों के स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के निष्पादन एवं पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। निर्धारित एक सप्ताह की अवधि में अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने और संपूर्ण कार्यवाही समय-सीमा में पूर्ण कराने पर जोर दिया गया है। स्वामित्व योजना के तहत आबादी भूमि की नि:शुल्क रजिस्ट्री होने से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज प्राप्त होंगे। इससे संपत्ति पर उनके अधिकारों का अभिलेखीकरण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। स्वामित्व योजना अंतर्गत तैयार किये गए अधिकार अभिलेख के द्वारा भूमिस्वामी को बैंक से ऋण प्राप्त करने एवं शासन की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा दिनांक 02 जून, 2026 को स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन (रजिस्ट्री) 2026 के क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया है 7 हितग्राहियों को उक्त संपत्ति दस्तावेजो के आधार पर बैंकिंग संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने एवं शासन की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी 7 योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले के 1106 ग्रामो के कुल 01 लाख 44 हजार 488 भू-अधिकार पत्रधारको के पंजीयन (रजिस्ट्री) की कार्यवाही की जावेगी। जिसके लिए पंचायत उपकर, अतिरिक्त स्टाम्प इयूटी में छूट का प्रावधान किया गया है शासन द्वारा आवेदक से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। सम्पूर्ण प्रक्रिया शासन द्वारा निशुल्क कराई जा रही है।

25 अक्टूबर को कुरई में होगा डहरवाल कलार समाज की प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन

सिवनी जिले में जुटेंगे प्रदेशभर के सामाजिक कार्यकर्ता, अध्यक्ष सहित 29 पदाधिकारियों का होगा मनोनयन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। डहरवाल कलार समाज की प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन 25 अक्टूबर को सिवनी जिले की कुरई तहसील में आयोजित कार्यक्रम में किया जाएगा। इस आयोजन में प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से समाज की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक गतिविधियों को गति देने की दिशा में पहल की जाएगी ।समाज के प्रदेश संयोजक शिवाजी बाविसताले बालाघाट के अनुसार, प्रदेश कार्यकारिणी के पुनर्गठन के लिए कुरई में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा हैं। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से डहरवाल कलार समाज के कार्यकर्ता एकत्रित होंगे। समाज की गतिविधियों और संगठनात्मक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति के आधार पर नई कार्यकारिणी गठित करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान अध्यक्ष सहित कुल 29 पदाधिकारियों का मनोनयन किया जाएगा ।कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी सिवनी जिला इकाई को सौंपी गई है। सिवनी जिलाध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम आयोजन की तैयारियों में जुटी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डहरवाल कलार समाज मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष करेंगे ।आयोजन में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों और विभिन्न जिला इकाइयों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी ।प्रदेश संयोजक शिवाजी बाविसताले, बालाघाट जिला समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र साकरे, सिवनी जिला समिति के अध्यक्ष वाय. के. डहरवाल, छिंदवाड़ा जिला समिति के अध्यक्ष राजू लोनारे तथा पांढुर्णा जिला समिति के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रदेशभर के समाजजनों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की हैं। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए संगठन का मजबूत होना आवश्यक है। प्रदेश कार्यकारिणी के पुनर्गठन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सभी समाजजन अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। संगठन की एकजुटता से सामाजिक समस्याओं के समाधान, समाज के लोगों को जोड़ने और विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पंवार समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, शरद पूर्णिमा महोत्सव में दिखी सामाजिक एकजुटता

स्व. मदनलाल चौधरी की स्मृति में आयोजित हुआ जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह, 10वीं-12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों सहित आईआईटी, नीट और खेल प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन पंवार समाज बालाघाट के तत्वावधान में 24 अक्टूबर को जिला मुख्यालय स्थित पंवार छात्रावास परिसर में जिला स्तरीय शरद पूर्णिमा महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन उत्साह और सामाजिक एकजुटता के वातावरण में किया गया। दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। आयोजन के दौरान जहां शिक्षा, खेल और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया, वहीं शाम को पवारी बोली में नाटक और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांधा। इस वर्ष का प्रतिभा सम्मान समारोह पंवार समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय मदनलाल चौधरी की स्मृति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चौधरी परिवार के परिजनों का सम्मान किया गया, वहीं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों और प्रतिभाओं को भी मंच से सम्मानित किया गया। आयोजन में समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद, अन्य जिलों के जिला अध्यक्ष तथा जिले के सामाजिक पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कक्षा 10वीं और 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आईआईटी, नीट जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों तथा खेलकूद और अन्य क्षेत्रों में

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया। आयोजन का उद्देश्य केवल उपलब्धियों का अभिनंदन करना ही नहीं, बल्कि समाज के अन्य विद्यार्थियों को भी मेहनत, लगन और शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित करना रहा। समाज के मंच से प्रतिभाओं को सम्मान मिलने से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में उत्साह दिखाई दिया। वहीं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर पहुंचकर उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान कर उनकी उपलब्धियों को भी रेखांकित किया गया। स्वर्गीय मदनलाल चौधरी की स्मृति में आयोजित यह कार्यक्रम समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के लिए प्रोत्साहित करने का माध्यम बना। आयोजन के जरिए यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि विद्यार्थियों की सफलता केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है। पंवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन लगातार दूसरे वर्ष किया जा रहा है। इसके माध्यम से समाज के उन विद्यार्थियों और लोगों को प्रोत्साहित किया जाता है, जिन्होंने शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, खेलकूद तथा अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज के लोगों को एक मंच पर लाने के साथ ही युवाओं को शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशाल बिसेन के अनुसार, कार्यक्रम में समाज की महिलाओं को भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाता है। शाम होते ही महिलाओं ने पवारी बोली में गीत गायन, एकल गीत, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया। पवारी बोली में नाटक के आयोजन ने समाज की पारंपरिक भाषा, संस्कृति और लोककलाओं को मंच प्रदान किया। दिनभर प्रतिभाओं के सम्मान और शाम को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच आयोजित शरद पूर्णिमा महोत्सव ने सामाजिक मेल-मिलाप और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। आयोजन के माध्यम से पंवार समाज ने शिक्षा, प्रतिभा प्रोत्साहन, महिला सहभागिता और सामाजिक एकता को मजबूत करने की दिशा में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाया।

कैट जिला इकाई की नई कार्यकारिणी गठित, भवानीशंकर टेकडीवाल बने अध्यक्ष

कहा-व्यापारियों के हितों की रक्षा और स्थानीय कारोबार को बढ़ावा देना रहेगी प्राथमिकता, संगठन की मजबूती पर दिया जोर

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की बालाघाट जिला इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें भवानीशंकर टेकडीवाल को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी के माध्यम से जिले के व्यापारियों को संगठित करने, उनकी समस्याओं के समाधान और

स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा।कैट की यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया, राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल और मध्य प्रदेश प्रभारी संजय पटवारी के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन के नेतृत्व में की गई।नियुक्ति प्रक्रिया में प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष गोविंद दास असाटी, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र पचौरी, जबलपुर संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी, संभागीय महामंत्री राजा सराफ, प्रदेश संरक्षक संदेश जैन और प्रदेश मंत्री रोहित खटवानी की अनुशंसा एवं सहमति रही।नई कार्यकारिणी में सचिन अग्रवाल और गौरव जैन को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। गणेश अग्रवाल को जिला महामंत्री, दीपक गुप्ता को जिला सह सचिव, सुभाष छाबड़ा को जिला कोषाध्यक्ष तथा दिलीप कारडा को जिला संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

व्यापारियों के हितों की रक्षा करना पहली प्राथमिकता-टेकडीवाल

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष भवानीशंकर टेकडीवाल ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा करना, उनकी समस्याओं को उचित मंच पर उठाना और स्थानीय कारोबार को प्रोत्साहित करना संगठन की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने व्यापारियों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने की अपील की।कैट पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी व्यापारियों के बीच समन्वय बढ़ाने और जिले में व्यापारिक गतिविधियों को सशक्त बनाने की दिशा में काम करेगी।

शरद पूर्णिमा पर कायदी में होगा भव्य हवन एवं विशाल भंडारा

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 25 अक्टूबर को धार्मिक आयोजन के तहत हवन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। डोंगरगढ़ पदयात्रा समिति एवं बब्बर सेना के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम स्थानीय शीतला माता मंदिर परिसर में संपन्न होगा।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 3 बजे विधि-विधान से हवन-पूजन किया जाएगा, वहीं शाम 5 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन होगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।बब्बर सेना कायदी के अध्यक्ष रुद्र सिंह लिल्हारे ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों, भक्तजनों, श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने सभी से हवन-पूजन में सहभागिता कर धर्मलाभ लेने तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है।

पेंशनर्स की मांगों पर मंथन, 27 अक्टूबर को बालाघाट में जुटेंगे प्रदेशभर के प्रतिनिधि

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। प्रदेश के करीब 4.5 लाख पेंशनर्स के हितों को लेकर प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रांतीय सम्मेलन 27 अक्टूबर को बालाघाट में आयोजित किया जाएगा। स्थानीय वैद्य लॉन के विशाल सभागृह में होने वाले इस सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से संगठन पदाधिकारी और पेंशनर्स शामिल होंगे। सम्मेलन में लंबित मांगों के निराकरण और पेंशनभोगियों की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में सांसद श्रीमती भारती पारधी मुख्य अतिथि तथा विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष ओपी बुधौलिया करेंगे। आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के अध्यक्षों, प्रांतीय पदाधिकारियों और जिलेभर के पेंशनर्स की सहभागिता रहेगी। संगठन का प्रयास है कि पेंशनर्स की मांगों को एकजुटता के साथ शासन के सामने रखा जाए। सम्मेलन में पेंशनर्स के स्वास्थ्य बीमा के नाम पर की जा रही 4 प्रतिशत कटौती समाप्त करने और सभी पेंशनर्स को स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने की मांग उठाई जाएगी। इसके साथ ही 65 वर्ष की आयु पर पेंशन में 5 प्रतिशत, 70 वर्ष पर 10 प्रतिशत और 75 वर्ष की आयु पर 15 प्रतिशत वृद्धि देने की मांग भी रखी जाएगी। संगठन इन मांगों सहित अन्य लंबित मुद्दों पर चर्चा कर प्रदेश के मुखिया को मांग पत्र सौंपेगा। सम्मेलन की जानकारी देने के लिए आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला अध्यक्ष एवं उप प्रांताध्यक्ष एएल मोहारे, संभागीय उपाध्यक्ष डॉ. शेर सिंह बिसेन, संरक्षक सुभाष पटेल एवं रविन्द्र सिंह बैस, जिला उपाध्यक्ष जीएस पटले, वरिष्ठ जिला सचिव पीआर देशमुख, जिला सचिव अमर सिंह ठाकुर, कोषाध्यक्ष पीएल मोहारे तथा सह कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय सचिव सरजू नखाते उपस्थित रहे। संगठन पदाधिकारियों ने पेंशनर्स से सम्मेलन में शामिल होकर अपनी मांगों को मजबूती से उठाने की अपील की।

कंजई क्षेत्र में मादा तेंदुआ शावक की मौत

आपसी वर्चस्व की लड़ाई में तेंदुए की मौत होने की आशंका, एसओपी के तहत हुआ अंतिम संस्कार, जांच में जुटा वन विभाग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लिमिटेड लामता परियोजना मंडल बालाघाट के अंतर्गत परियोजना परिक्षेत्र लालबर्रा के राजस्व क्षेत्र कंजई स्थित नहर के समीप खेत के पास उस समय सनसनी फैल गई। जब ग्रामीणों और वन अमले ने नहर के समीप स्थित खेत के पास एक मादा तेंदुए का शव को शुक्रवार को देखा। इस तरह शुक्रवार की शाम में तेंदुए का शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। जिसके बाद शव को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर २४ अक्टूबर को वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम द्वारा उसका विधिवत पोस्टमार्टम किया गया। तत्पश्चात उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन और शासकीय प्रोटोकॉल का पालन करते हुए शावक के शव का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं प्रारंभिक जांच और मादा तेंदुए के शव की स्थिति को देखकर आशंका जताई जा रही है कि तेंदुए के इस शावक की मौत या तो वर्चस्व की लड़ाई में हुई है अथवा किसी अन्य बड़े वन्यप्राणी द्वारा किये गये हमले से उसकी जान गई है। वन विभाग मामले की जांच में जुट गया है।

कंजई सहित अन्य ग्रामों में दहशत का माहौल

प्राप्त जानकारी के अनुसार म.प्र. राज्य वन विकास निगम लिमिटेड लामता परियोजना मंडल बालाघाट के अंतर्गत परियोजना परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत बीट दक्षिण कंजई के वन भूमि कक्ष क्रमांक ७५० से लगे राजस्व क्षेत्र में २३ अक्टूबर को मादा तेंदुआ शावक की मृत्यु की घटना प्रकाश में आई। जिसकी सूचना मिलते ही वन विभाग के द्वारा एनटीसीए नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्वरित कार्यवाही की गई। वहीं वन विभाग की टीम ने तत्काल घटनास्थल को सुरक्षित कर डॉग स्काड की मदद से आसपास के खेतों और नहर के किनारों की बारीकी से छानबीन की गई। वहीं अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर मौत के सभी संभावित कारणों जैसे आपसी वर्चस्व की लड़ाई, बीमारी, करंट अथवा किसी अन्य साजिश की गहनता से पड़ताल की जा रही है। कंजई से लगे नहर के समीप खेत के पास मादा तेंदुए का शव मिलने से वन विभाग की सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे है। वहीं तेंदुए का शव मिलने के बाद कंजई टोला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अंग सुरक्षित मिले, चिकित्सकों की टीम ने किया पोस्टमार्टम

पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी के वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश मिश्रा एवं लालबर्रा की पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिल्पा साहू द्वारा मृत तेंदुआ शावक का पोस्टमार्टम किया गया। चिकित्सकों की जांच में शावक के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाये गये। वहीं पोस्टमार्टम होने के बाद वन विभाग के द्वारा निर्धारित मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए अधिकारियों की मौजूदगी में मृत मादा तेंदुए शावक का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं वन विभाग ने वन्यजीव अपराध प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। कंजई नहर के समीप खेत के पास तेंदुआ का शव मिलने के संबंध में वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच और शव की स्थिति को देखकर यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि तेंदुए के इस शावक की मौत या तो आपसी संघर्ष के कारण हुई है अथवा किसी अन्य बड़े वन्यप्राणी द्वारा किये गये हमले में उसकी मौत हुई है। फिलहाल विसरा रिपोर्ट और विशेषज्ञों की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पूरी तरह खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद से स्थानीय ग्रामीणों में जहां एक ओर कौतूहल का विषय बना हुआ है, वहीं वन विभाग की टीम भी क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चौकस हो गई है। इस कार्यवाही के दौरान वन संरक्षक (वनवृत्त बालाघाट) गौरव चौधरी, संभागीय प्रबंधक (लामटा परियोजना मंडल) सुन्दर निवेदन एम., नायब तहसीलदार विनोदकुमार कोर्राम, ग्राम पंचायत कंजई के सरपंच आनंद बिसेन, सहायक वन संरक्षक ओमप्रकाश भलावी (एनटीसीए द्वारा नामांकित वन्यजीव विशेषज्ञ) सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चर्चा में लामता परियोजना मंडल बालाघाट के संभागीय प्रबंधक सुंदर निवेदन ने बताया कि कंजई बीट कक्ष क्रमांक ७५० के समीप नहर के पास राजस्व क्षेत्र में शुक्रवार की शाम को तेंदुए के शावक का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही शुरू की एवं दुसरे दिन शनिवार को पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी के वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश मिश्रा एवं लालबर्रा की पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिल्पा साहू के द्वारा मृत मादा तेंदुआ शावक का पोस्टमार्टम किया गया तत्पश्चात उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन में अंतिम संस्कार किया गया। श्री निवेदन ने बताया कि पशु चिकित्सकों द्वारा किये गये परीक्षण के बाद प्राथमिक रूप से यह बात सामने आई है कि यह मामला इन्फैंटिसाइड का हो सकता है। किसी बड़े जंगली जानवर द्वारा गर्दन से दबोचे जाने के कारण शावक को गंभीर हेमरेज (आंतरिक रक्तस्राव) हुआ, जिससे उसकी मौत हुई होगी, मामले की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है।

प्रियांशु ने छेड़ी बांसुरी की सुरमयी तान, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर २३ अक्टूबर को लालबर्रा में रायपुर के किशोर बांसुरी वादक प्रियांशु कुसुम ने अपनी सुरमयी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रियांशु के लिए यह प्रस्तुति इसलिए भी खास रही, क्योंकि उन्होंने अपने नाना-नानी के गांव की धरती पर पहली बार माँ सरस्वती के चरणों में अपनी बांसुरी की तान प्रस्तुत की है। प्रियांशु कुसुम अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल रायपुर के अध्यक्ष नरेंद्रचंद्र कुसुम एवं श्रध्दा कुसुम के सुपुत्र हैं। वर्तमान में कक्षा १० वीं में अध्ययनरत प्रियांशु कम उम्र में ही बांसुरी एवं तबला वादन के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने देश-प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां दी हैं तथा अनेक पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किये है। वहीं प्रियांशु को गंधर्व संगीत महोत्सव २०२५ रींवा में द्वितीय स्थान, विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन में वेणुनाद अलंकरण अवार्ड, ग्राम शिल्प महोत्सव नैनी-प्रयागराज में विशेष पुरस्कार तथा रेवा महोत्सव जबलपुर में प्रथम स्थान सहित अनेक सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इसके अलावा वे कला केंद्र रायपुर में वर्ष २०२४, २०२५ एवं २०२६ में कलेक्टर द्वारा सम्मानित किये जा चुके हैं। साथ ही मुख्यमंत्री निवास रायपुर में मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर विशेष प्रस्तुति देने के साथ ही तिरंगा फेस्ट २०२६, शहीद स्मारक ऑडिटोरियम रायपुर सहित अनेक प्रमुख आयोजनों में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है। वहीं शुक्रवार को लालबर्रा में आयोजित माँ सरस्वती महोत्सव में जब प्रियांशु ने बांसुरी पर सुर छेड़े तो पूरा वातावरण संगीत की मधुर धुनों से गूंज उठा। अपने नाना-नानी के गांव में प्रस्तुति देना उनके लिए भावनात्मक रूप से भी विशेष अवसर रहा। प्रियांशु का नौनिहाल छोटी पनबिहरी है तथा ग्राम पंचायत पनबिहरी के सरपंच वीरेंद्र बनवाले उनके मामा हैं। इतने कम उम्र में प्रियांशु की प्रस्तुति पर आयोजन समिति सहित क्षेत्रवासियों ने उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। प्रियांशु के पिता नरेन्द्रचन्द्र कुसुम ने इस अवसर के लिए माँ सरस्वती महोत्सव आयोजन समिति, लालबर्रा सहित समिति संरक्षक रामेश्वर बसेने, सरपंच वीरेंद्र बनवाले, मार्गदर्शक डामेंद्र धानेश्वर, नाना-नानी किशोरचंद एवं निर्मला बनवाले, वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र बनवाले, समाजसेवी देवेंद्र बनवाले, शरद धानेश्वर सहित लालबर्रा क्षेत्र के समस्त स्वजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीय ईश्वरीय विवि. सेवा केंद्र की जीवंत चैतन्य झांकी बनी आर्कषण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में माँ सरस्वती महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और गहरी आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन पहुंच रहे हैं। इस महोत्सव के तहत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के सामने स्थित सामुदायिक भवन परिसर में गत दिवस प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र लालबर्रा द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जीवंत चैतन्य झांकियों का शुभारंभ किया गया। सेवा केंद्र की बहनों द्वारा प्रतिदिन रात ८ बजे के बाद माँ दुर्गा, माँ महालक्ष्मी, माँ सरस्वती, गंगा मैया और अन्य देवियों के स्वरूप में जीवंत चैतन्य झांकियों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जो दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

पलक झपकाएं बिना दर्शन दे रहीं देवियाँ

प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र लालबर्रा की इन जीवंत चैतन्य झांकियों को देखकर क्षेत्रीयजन आश्चर्यचकित हैं। झांकी में बैठी बहनें देवियों के दिव्य स्वरूप में नजर आती हैं और प्रदर्शन के दौरान उनकी आँखें व पलकें पूरी तरह स्थिर (बिना झपके) रहती हैं। वहीं शुक्रवार को समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता और पंवार समाज के जिलाध्यक्ष विशाल बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने झांकी स्थल पहुंचकर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों व पदाधिकारियों ने कहा कि ब्रम्हाकुमारी बहनों द्वारा प्रस्तुत यह जीवंत झांकी अद्भुत है। माँ के स्वरूप के दर्शन कर हम स्वयं को सुखी, संतोषी और सौभाग्यशाली मान रहे हैं। यह हमारी समृध्द संस्कृति का प्रतीक है, जो हमारी धार्मिक भावनाओं को और अधिक प्रबल करती है।

मातृशक्ति के सम्मान का संदेश

प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विवि. सेवा केंद्र लालबर्रा द्वारा प्रतिवर्ष समाज को मातृशक्ति की आराधना का अनूठा संदेश दिया जाता है। सेवा केंद्र की बहनों ने चर्चा के दौरान बताया कि इस चैतन्य झांकी प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य समाज को यह संदेश देना है कि हम शारदीय नवरात्र पर्व के दौरान नौ दिनों तक तो माता-रानी की आराधना करते हैं, लेकिन घर-परिवार और समाज में विराजमान हमारी जीवित मातृशक्ति (बहनों व माताओं) का यथोचित सम्मान नहीं करते, जो कि अनुचित है। इसलिए इन चैतन्य झांकियों के माध्यम से यह प्रेरणा दी जाती है कि सभी लोग अपने जीवन में मातृशक्तियों का सम्मान करें। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीय ईश्वरी विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र लालबर्रा की बहन-भाई व श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नेवरगांव ला. में शक्ति सृजन और क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दुर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. के पंचायत भवन में शुक्रवार को म.प्र. जन अभियान परिषद के तत्वाधान में सेक्टर स्तरीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के लिए एक दिवसीय 'शक्ति सृजन व क्षमता वर्धन' प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस शक्ति सृजन व क्षमता वर्धन प्रशिक्षण के दौरान मुख्य वक्ताओं द्वारा चार सत्रों मे महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता ब्लॉक समन्वयक अनिल चौरे ने प्रस्तावना रखते हुए म.प्र. जन अभियान परिषद के उद्देश्यों, लक्ष्यों और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिषद की मूल अवधारणा सामूहिकता, स्वावलंबन, जनभागीदारी और स्वैच्छिकता को बढ़ावा देना है। जिसमें परिषद की प्रमुख योजनाओं जैसे-प्रस्फुटन योजना, नवांकुर योजना, सृजन, दृष्टि, संवाद, विस्तार और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण, कृषि सुपोषण, महिला सशक्तिकरण, सौर ऊर्जा संरक्षण तथा शासकीय योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीतियों पर चर्चा की। वहीं द्वितीय और तृतीय सत्र में चैनलाल चौधरी ने समितियों के सुचारू संचालन हेतु रिकॉर्ड संधारण और दस्तावेजी करण के महत्व को समझाया। उन्होंने प्रस्फुटन समितियों को एक मजबूत स्वयंसेवी संगठन के रूप में विकसित व उन्नत करने की प्रक्रिया से अवगत करवाया। चौथे सत्र में परामर्शदाता सुश्री प्रेमवती उईके ने प्रतिभागियों को प्रभावी संवाद कौशल इसकी व्यावहारिक आवश्यकता और तकनीकों के विषय में विस्तार से प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रतिनिधियों और नवांकुर सखियों को अतिथि सरपंच संतोष पंचेश्वर नेवरगांव ला., सरपंच श्यामलाल मानेश्वर रमपुरी एवं ब्लॉक समन्वयक अनिल चौरे के हस्ते सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेवकराम तुरकर, प्रकाश हनवत, विजेंद्र रामटेके, महिमा बिसेन, शारदा हनवत, पुरनलाल गौतम, हंसराज मानेश्वर, दिनेश टेकाम, दिलीप बिसेन सहित बड़ी संख्या में परिषद के सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

घोटी में दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में शांति शॉ बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता के तत्वाधान में स्व. महारू जी तितरमारे की स्मृति में गत २२ अक्टूबर से जारी दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का २३ अक्टूबर को फाइनल दौड़ के साथ समारोहपूर्वक समापन किया गया। इस दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता में आधा सैकड़ा से अधिक बैलजोड़ियों को दौड़ाया गया। जिसमें हीरो-मोती कान्हीवाड़ा की बैलजोडी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिन्हे अतिथियों के हस्ते २० हजार रूपये का प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह रोशनभाऊ, संगम भाऊ साल्हे कटंगटोला की बैलजोड़ी ने द्वितीय स्थान, ललित लिल्हारे सिंगम पतंगखैरी की बैलजोड़ी ने तृतीय स्थान, चंदा चमचम स्व कालू बीडीसी कुम्हारी नेवरगांव की बैलजोड़ी ने चौथा स्थान एवं जय बीजा कोड बाबा पदमा करन काला पानीवाला ठगली की बैलजोड़ी ने पांचवा स्थान प्राप्त किया है। इस तरह ३० नंबर तक की बैलजोड़ी पट मैदान में विजयी हुई। वहीं विजेता बैलजोड़ी मालिकों को द्वितीय पुरस्कार १६ हजार रूपये, तृतीय पुरस्कार १३ हजार रूपये, चौथा पुरस्कार ११ हजार रूपये, पांचवा पुरस्कार १० हजार रूपये, छटवां पुरस्कार ८ हजार रूपये, सातवां पुरस्कार ७ हजार रूपये, आठवां पुरस्कार ६ हजार रूपये, नौवां-दसवां पुरस्कार ५ हजार रूपये, ११ से १५ नंबर तक ४५०० रूपये, १६ से २० नंबर तक ४००० रूपये, २१ से २५ नंबर तक ३५०० रूपये, २६ नंबर से ३० नंबर तक ३००० रूपये देकर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन होने से पशुपालकों में पशु पालन के जागरूकता बढ़ती है और उनका मनोरंजन भी होता है। इस अवसर पर जनपद सदस्य देवेश गौतम, सरपंच तीरथसिंह बिसेन, समिति अध्यक्ष कपूरचंद माने, उपाध्यक्ष चंद्रकुमार सहारे, सचिव केशव देशमुख, हेमराज तितरमारे, कोषाध्यक्ष बस्ताराम बोरकर, लखन नेवारे, संरक्षक तानसेन देशमुख, मानिकराम चौधरी, चेतन गौतम, चंदनलाल बोपचे, नरेन्द्र सार्वे, लक्ष्मण बोमचेर, संतोष बघेल, सीताराम गजबे, कोमल तितरमारे, नारायण बोपचे, अरूण जोंगेकर, उदेलाल लांजेवार, सुदामी बोरकर सहित अन्य सदस्य एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

टूटी नहर की जर्जर पुलिया बनी हादसों का खतरा,चौड़ीकरण की मांग अनसुनी

वाहनों की आवाजाही से राहगीर परेशान,टूटी सेफ्टीवाल के कारण नहर में गिरने का बना रहता है खतरा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मेहंदीवाड़ा से खापा मार्ग पर टूटी नहर के ऊपर बनी जर्जर और संकरी पुलिया राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। पुलिया की हालत इतनी खराब है कि यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों, विद्यार्थियों और ग्रामीणों को हर दिन दुर्घटना की आशंका के बीच आवागमन करना पड़ता है। पुलिया के दोनों ओर सुरक्षा के लिए बनाई गई सेफ्टीवाल के कई हिस्से टूट चुके हैं जिससे नहर में गिरने का खतरा बना हुआ है। इसके बावजूद लंबे समय से पुलिया की मरम्मत, चौड़ीकरण और नए निर्माण की मांग पर ध्यान नहीं दिए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है।

जर्जर पुलिया पर भारी वाहनों का दबाव

जानकारी के अनुसार मेहंदीवाड़ा से खापा मार्ग पर वारासिवनी से खैरलांजी की ओर जाने वाली टूटी नहर के ऊपर वर्षों पहले पुलिया का निर्माण कराया गया था।इसके बाद से समुचित देखरेख और मरम्मत के अभाव में पुलिया की स्थिति लगातार खराब होती गई। वर्तमान में पुलिया काफी संकरी है और इसके चारों कोनों पर बनी सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त होकर टूट चुकी है। पुलिया के आसपास गहरी नहर होने के कारण यहां से गुजरने वाले लोगों के लिए जोखिम बना रहता है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे बड़े वाहनों के साथ १२ से १४ चक्कों वाले भारी ट्रकों की आवाजाही होती है। मध्य प्रदेश शासन के कैप में धान भंडारण एवं परिवहन से जुड़े कार्यों के लिए भी इन ट्रकों का आवागमन बना रहता है। भारी वाहनों के लगातार दबाव के बीच संकरी पुलिया पर यातायात संचालित करना राहगीरों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। पुलिया की चौड़ाई कम होने के कारण दो भारी वाहन एक साथ यहां से नहीं निकल सकते। जब कोई ट्रक पुलिया पर पहुंचता है तब मोटरसाइकिल चालकों,साइकिल सवारों और पैदल राहगीरों को दूसरे वाहन के निकलने तक रुकना पड़ता है। पुलिया के दोनों ओर महज एक से डेढ़ फीट जगह बचने की स्थिति में छोटे वाहनों के लिए निकलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दिन में कई बार जाम जैसी स्थिति निर्मित होती है। जल्दबाजी या असावधानी की स्थिति में वाहन अनियंत्रित होकर नहर में गिरने की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया की संकीर्णता और क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवारों के कारण यहां से गुजरना हमेशा जोखिम भरा रहता है। पुलिया की खराब स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गत वर्ष पुलिया के समीप रहने वाले एक परिवार की बकरी टूटी हुई सेफ्टीवाल के पास से गुजरते समय नहर में गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई। यह मार्ग मेहंदीवाड़ा से खापा, बोदलकसा, बांसी और अंसेरा होते हुए कटंगी की ओर जाता है। इसके चलते आसपास के आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आवागमन के लिए इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। ग्रामीणों के साथ साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी प्रतिदिन सुबह और शाम नगर मुख्यालय वारासिवनी में शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते जाते हैं। ऐसे में पुलिया की खराब स्थिति विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए भी चिंता का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों एवं राहगीरों के द्वारा लंबे समय से पुलिया का नए सिरे से निर्माण कराने चौड़ीकरण करने और नहर के दोनों ओर पर्याप्त दूरी तक सुरक्षित रेलिंग लगाए जाने की मांग की जा रही है। जिस पर अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है ग्रामीणों ने शासन प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि पुलिया का निरीक्षण कराकर आवश्यक सुधार कार्य जल्द शुरू किया जाए। साथ ही दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवारों की मरम्मत और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि किसी बड़े हादसे से पहले समस्या का निराकरण हो सके।

सबसे बड़ी समस्या स्कूल के बच्चों को होती है कई बार चोटिल हो जाते हैं- प्रेम कुमार मेश्राम

प्रेम कुमार मेश्राम ने बताया कि यहां से १४ चक्का ट्रक मतलब बहुत ज्यादा भारी ट्रक शासन के कैंप के लिए आते जाते हैं। इसमें सबसे बड़ी समस्या स्कूल के बच्चों को होती है वह कई बार चोटिल भी हो जाते हैं। यहां जो सुरक्षा के नाम पर वाल हैं वह टूट चुकी है इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। यहां आने.जाने की बहुत दिक्कत है। पुलिया में सबसे ज्यादा समस्या है कई बार लोग नीचे गिर जाते हैं ट्रक आने पर मोटरसाइकिल नहीं निकाल पाती है। दो.तीन अधिकारियों को हमारे द्वारा और ग्रामीणों के द्वारा भी बताया गया है पर उनके द्वारा बस यही कहा गया कि बन जाएगा पर आज तक हुआ कुछ नहीं है। हम यहीं पर रहते हैं रोज सुबह शाम देखते हैं कि किस प्रकार दुर्घटनाएं होती है। लोग समस्या का सामना करते हैं कई बार मोटरसाइकिल नहर में उतर गई है ट्रक पलट गए हैं इसे बनाना चाहिए। क्योंकि रात भर यह मार्ग चलता रहता है।

पुलिया की हालत बहुत जर्जर है सेफ्टीवाल टूट चुकी है यहां खतरा बना हुआ है-अभिषेक गौतम

ग्रामीण अभिषेक गौतम ने बताया कि यह ग्रामीण क्षेत्र का मार्ग है इस रोड पर खापा में शासन का कैंप बना हुआ है। जहां करोड़ों क्विंटल धान जमा होता है हजारों ट्रक आते जाते हैं इसी रोड़ पर नहर का पुलिया है। यह बहुत जर्जर हो गया है इसकी सेफ्टीवाल टूट चुकी है अधिकतर यहां खतरा बना हुआ है। ट्रक बाइक यहां पलट सकते हैं एक ट्रक आने पर दोनों तरफ जाम लग जाता है। शासन प्रशासन को इसकी रिपेयरिंग करने पर ध्यान देना चाहिए या नया निर्माण करना चाहिए। कोई भी गिरा तो जनधन की हानि हो सकती है। आज हमारे यहां बाजू में बब्लू रहते हैं उनकी बकरी गिरी तो मर गई आदमी का सोचो वह भी मर जायेगा। यह पुलिया को गंभीरता से लेकर आवश्यक सुधार कार्य नये का निर्माण होना चाहिए। बहुत सकरा पुलिया है इसका चौड़ीकरण होना चाहिए आने जाने पर सभी को दिक्कत है और गिरने का हमेशा डर लगा रहता है। यह सड़क सीधे बोदलकसा, बांसी ,नारवांजपार ,गटापायली को जाता है। नगर मुख्यालय के लिए ग्रामीण सहित स्कूल के बच्चे प्रतिदिन आते जाते हैं।

बीईओ कार्यालय में परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

शिक्षकों के एरियर भुगतान क्रमोन्नति और एनपीएस पासबुक संधारण पर बनी सहमति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में २३ अक्टूबर को विकासखण्ड स्तरीय परामर्शदात्री समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक बीईओ विरेन्द्र कुमार बनोटे, विधायक प्रतिनिधि राकेश वर्मा एवं रतनलाल बिरनवार सहित विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में शिक्षक संगठनों ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए अपना अपना एजेंडा प्रस्तुत किया। जिसमें डीए एरियर की बकाया राशि के शीघ्र भुगतान तथा १२,२४ एवं ३० वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर मिलने वाली क्रमोन्नति समयमान वेतनमान के तत्काल अनुमोदन और एरियर भुगतान की मांग की गई। एनपीएस पासबुक का नियमित संधारण करने तथा कर्मचारियों की सर्विस बुक का प्रतिमाह अनिवार्य रूप से अपडेशन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अर्जित अवकाश, ग्रेच्युटी एवं अन्य सभी प्रकार के देयकों का बिना किसी विलंब के शीघ्रता से निराकरण करने की बात रखी गई। विभिन्न संगठनों के द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा के बाद विकासखंड शिक्षा अधिकारी विरेन्द्र कुमार बनोटे ने आश्वस्त किया कि बैठक में जिन विषयों पर सहमति बनी है उन पर शीघ्र अति शीघ्र कार्यवाही की जाएगी। शिक्षक संगठनों ने आग्रह किया कि किए गए कार्यों की प्रगति से संगठनों को समय समय पर अवगत भी कराया जाए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बॉलीवुड के सुरों से सजेगी वारासिवनी की शाम-संजय सिंह कछवाहा

बॉलीवुड के दिग्गज गायक विनोद राठौड़,चांदनी मुखर्जी और अब्दुल शेख की तिकड़ी मचाएगी धूम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। धार्मिक आस्था,सांस्कृतिक उत्साह और भव्य आयोजनों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब वारासिवनी एक बार फिर नगरवासियों के लिए यादगार संगीतमय शाम लेकर आ रही है। गरबा महोत्सव की उमंग के बाद २५ अक्टूबर को सिविल क्लब ग्राउंड में बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक विनोद राठौड़, गायिका चांदनी मुखर्जी और सा रे गा मा पा २०२३ से लोकप्रियता हासिल करने वाले गायक अब्दुल शेख अपनी प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों का मनोरंजन करेंगे। सदाबहार फिल्मी गीतों, रोमांटिक नगमों और सुरीली गायकी से सजी इस शाम में श्रोताओं को संगीत के विविध रंग देखने सुनने का अवसर मिलेगा।

सदाबहार गीतों के लोकप्रिय गायक विनोद राठौड़

हिंदी फिल्म संगीत में अपनी दमदार और ऊर्जावान आवाज से पहचान बनाने वाले विनोद राठौड़ ९० के दशक के लोकप्रिय पार्श्व गायकों में शामिल हैं। दीवाना का ऐसी दीवानगी खलनायक का नायक नहीं खलनायक हूं मैं,हम दिल दे चुके सनम का ढोली तारो ढोल बाजे, देवदास का छलक छलक और मुन्ना भाई एमबीबीएस का एम बोले तो उनके चर्चित गीतों में शामिल हैं। उनकी आवाज में जोश और गायकी की विविधता ने उन्हें संगीत प्रेमियों के बीच खास पहचान दिलाई है। वारासिवनी में उनकी प्रस्तुति के दौरान लोकप्रिय फिल्मी गीतों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

चांदनी मुखर्जी के साथ मंच पर सजेगी सुरों की जुगलबंदी

लाइव स्टेज परफॉर्मिंस के लिए पहचानी जाने वाली गायिका चांदनी मुखर्जी भी इस संगीत संध्या का प्रमुख आकर्षण रहेंगी। वे विनोद राठौड़ के साथ विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों में प्रस्तुति दे चुकी हैं। दोनों कलाकारों की प्रस्तुतियों में ऐसी दीवानगी और ऐ मेरे हमसफर जैसे लोकप्रिय रोमांटिक गीतों का आकर्षण देखने को मिलता है। चांदनी मुखर्जी हिंदी फिल्म संगीत के सदाबहार गीतों को अपनी आवाज में प्रस्तुत करती हैं। वारासिवनी के मंच पर उनकी मौजूदगी से संगीत संध्या में पुराने दौर के लोकप्रिय गीतों की मिठास और रोमॉटिक संगीत का रंग देखने को मिलेगा।

सा रे गा मा पा फेम अब्दुल शेख भी दिखाएंगे गायकी का हुनर

गायक अब्दुल शेख ने जी टीवी के लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो सा रे गा मा पा २०२३ के माध्यम से देशभर में पहचान बनाई। शो में उनकी गायकी,विशेषकर दिवंगत गायक के गीतों की प्रस्तुतियों को पसंद किया गया। शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त अब्दुल शेख ने बॉलीवुड में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। फिल्म तुमको मेरी कसम में उनके गाए बेरंग और इश्क इश्क उल्लेखनीय गीत हैं। इश्क इश्क में उन्होंने गायिका नीति मोहन के साथ युगल गायन किया है। उनकी भावपूर्ण आवाज और मंचीय प्रस्तुति कार्यक्रम में युवा संगीत प्रेमियों के लिए खास आकर्षण रहेगी।

ऐसे आयोजनों से नगर में अलग पहचान बना रही नवदुर्गा उत्सव समिति- संजय सिंह कछुवाह

नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब वारासिवनी के अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि समिति का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों के साथ नगर में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और नागरिकों को बेहतर मनोरंजन उपलब्ध कराना है। समिति के मंच पर पूर्व में चंकी पांडे, गुलशन ग्रोवर, राजपाल यादव, अल्ताफ राजा, मोहम्मद अजीज और सलमान अली जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुतियां दे चुके हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी संगीत जगत के लोकप्रिय कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। श्री कछवाहा ने कहा कि समिति के सदस्य मिलकर प्रत्येक आयोजन को सफल बनाने का प्रयास करते हैं। नगरवासियों और आसपास के क्षेत्र के लोगों का सहयोग ही समिति की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी संगीत प्रेमियों से २५ अक्टूबर को सिविल क्लब ग्राउंड पहुंचकर इस भव्य संगीत संध्या का आनंद लेने की अपील की। नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब वारासिवनी के द्वारा आयोजित संगीत संध्या में विनोद राठौड़ के सदाबहार गीत, चांदनी मुखर्जी की सुरीली प्रस्तुतियां और अब्दुल शेख की भावपूर्ण गायकी का संगम देखने को मिलेगा। गरबा महोत्सव के बाद आयोजित यह विशेष कार्यक्रम वारासिवनी सहित आसपास के क्षेत्र के संगीत प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। समिति का प्रयास है कि नगरवासियों को अपने ही शहर में मनोरंजन और संगीत से भरपूर यादगार शाम का अनुभव मिले।

किसानों की सिंचाई समस्या दूर करने राजीव सागर और भीमगढ़ बांध से पहुंचने लगा पानी

सिंचाई व्यवस्था की समीक्षा अधिकारियों और किसानों के साथ विधायक गौरव सिंह पारधी ने ली बैठक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खेती किसानी में सिंचाई के पानी का समय पर मिलना किसानों की मेहनत और फसल की बेहतर पैदावार के लिए बेहद जरूरी है। ऐसे में जब खैरलांजी क्षेत्र के किसानों को पिछले एक सप्ताह से सिंचाई के लिए पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। तब इस समस्या के समाधान के लिए विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा लगातार प्रयास किए गए। किसानों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय कर राजीव सागर एवं भीमगढ़ बांध से क्षेत्र में सिंचाई का पानी पहुंचाने की दिशा में पहल की,जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजीव सागर और भीमगढ़ बांध का पानी अब क्षेत्र में पहुंचने लगा है। उम्मीद है कि आज के दिन तक खैरलांजी क्षेत्र के किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सिंचाई का पानी मिलने लगेगा। यह क्षेत्र के उन किसानों के लिए राहत भरी खबर है जो पिछले कई दिनों से अपनी फसलों की सिंचाई को लेकर चिंतित थे। सिंचाई व्यवस्था की स्थिति जानने और किसानों की समस्याओं को समझने के लिए विधायक गौरव सिंह पारधी ने अंसेरा, कचेखनी, किन्ही, कटोरी एवं बैजू मोहगांव में सिंचाई विभाग के अधिकारियों और किसानों के साथ बैठक की। इस दौरान पानी की उपलब्धता,वितरण व्यवस्था और प्रभावित क्षेत्रों में आ रही दिक्कतों पर चर्चा कर आवश्यक समन्वय बनाने पर जोर दिया गया। विधायक पारधी ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बांधों से पानी पहुंचने के साथ ही उसका वितरण भी व्यवस्थित हो। ताकि जरूरतमंद किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी मिल सके। विशेष रूप से नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने और स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान दिया गया। खेती के इस महत्वपूर्ण समय में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद जरूरी है। राजीव सागर और भीमगढ़ बांध से आपूर्ति शुरू होने से खैरलांजी क्षेत्र के किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। अब प्रयास है कि पानी जरूरत के अनुरूप संबंधित गांवों और किसानों के खेतों तक पहुंचे।

सांदीपनि विद्यालय खैरलांजी में एआई तकनीक पर मार्गदर्शन आयोजित

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। सांदीपनि विद्यालय खैरलांजी में सुनील मेश्राम राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक एवं जिला अकादमिक सदस्य बालाघाट का विद्यालय अवलोकनार्थ आगमन हुआ। जिनकी उपस्थिति में लीड्स फाउंडेशन बालाघाट के टीम द्वारा कक्षा १२ वीं के छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई तकनीक के महत्व एवं उपयोग की जानकारी देकर प्रेरित किया गया। उन्होंने विद्यालय में एआई तकनीक की शुरुआत को शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय नवाचार बताया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य शैलेंद्र सहारे एवं समस्त स्टाफ ने सुनील मेश्राम का पुष्पगुच्छ श्रीफल एवं शाल देकर सम्मानित कर हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

सऊदी-हूती संघर्ष और भारत

सऊदी अरब के दम्माम हवाई अड्डे पर हूतियों के हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत इस बात की चिंताजनक याद दिलाती है कि यमन के शिया लड़ाकों और रियाद के बीच बढ़ते संघर्ष के दौरान सऊदी में रहने वाला भारतीय समुदाय किस खतरे का सामना कर रहा है। जुलाई में सऊदी अरब और हूतियों के बीच लड़ाई दोबारा छिड़ने के बाद से, कम से कम दो भारतीयों की मौत हुई है और 14 अन्य जख्मी हुए हैं। गुरुवार को हूतियों ने दावा किया कि लाल सागर में यमन के जुकार द्वीप के पास सऊदी बलों द्वारा 14 भारतीयों वाले एक यॉट को निशाना बनाया गया है और बचाव अभियान चल रहा है। उत्तरी यमन के कई हिस्सों और उसके पूरे लाल सागर तट पर नियंत्रण रखने वाले हूती जब तेल सुविधाओं और हवाई अड्डों समेत सऊदी बुनियादी ढांचे पर हमले तेज कर रहे हैं, तब सऊदी के सबसे बड़े प्रवासी समुदाय भारतीयों के दो पाटों के बीच पिसने का खतरा बढ़ गया है। उड़ानें बाधित होने के कारण हजारों भारतीय तीर्थयात्री फंसे हुए हैं। भारत ने हूती हमलों की निंदा की है और कहा है कि वह सऊदी अरब के साथ एकजुटता में खड़ा है। लड़ाई खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे हैं और इस बात की काफी संभावना है कि इजराइल व अमेरिका ईरान पर हमले दोबारा शुरू कर सकते हैं। इसे देखते हुए, पश्चिम एशिया में और ज्यादा हिंसा व अस्थिरता भारत के लिए विकल्पों को ज्यादा मुश्किल बना सकती हैं।

सऊदी-हूती संघर्ष की शुरुआत साल 2014 में हुई, जब हूतियों ने यमन की राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। एक साल बाद, सऊदी अरब ने हूतियों को खदेड़कर बाहर करने के लिए यमन पर बमबारी शुरू की। लेकिन सबसे गरीब अरब देशों में से एक पर सालों की सऊदी बमबारी का उलटा नतीजा निकला; हूतियों ने उत्तरी यमन के कबीलों के बीच अपना समर्थन मजबूत किया और एक शक्तिशाली क्षेत्रीय सेना व नौसैनिक बल का निर्माण किया। सऊदी अरब और हूतियों के बीच हुआ साल 2022 का संघर्ष-विराम जुलाई 2026 में उस वक्त टूट गया, जब सऊदी अरब ने हूती प्रतिनिधिमंडल वाले एक ईरानी विमान को उतरने से रोकने के लिए सना हवाई अड्डे पर बेपरवाह ढंग से बमबारी कर दी। इसके बाद हूतियों ने सऊदी अरब के बेहद अहम बुनियादी ढांचे पर हमला शुरू कर दिया और यमन में सऊदी-समर्थित बलों के खिलाफ जमीनी लड़ाई छेड़ दी। हूती हमले सऊदी अरब के युवराज और यमन युद्ध के मुख्य सूत्रधार मोहम्मद बिन सलमान के सामने पिछले कुछ दशकों की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती पेश कर रहे हैं। भीषण सऊदी हवाई हमलों से न तो हूतियों की हार हुई है और न ही सऊदी राज्य का वह दबदबा बहाल हुआ है कि कोई हमला करने से डरे। अपनी दौलत, प्राकृतिक संसाधनों, बुनियादी ढांचे और राजमहल की नाजुक राजनीति के साथ, यह राज्य हूती मिसाइल और ड्रोन हमलों की जद में बना हुआ है और इससे बाहर निकलने के कुछ ही अच्छे विकल्प मौजूद हैं। भारत को सबसे खराब स्थितियों के लिए एक आकस्मिक योजना तैयार करनी चाहिए। उसकी फौरी प्राथमिकता फंसे हुए भारतीय तीर्थयात्रियों को निकालना होना चाहिए। इसके अलावा, उसे स्थिरता के लिए एक ज्यादा मजबूत नजरिया पेश करना चाहिए और ईरान संकट के कूटनीतिक समाधान पर जोर देने के लिए अरब देशों व तेहरान के साथ मिलकर काम करना चाहिए। फारस की खाड़ी में शांति कायम करने के लिए, सबसे पहले ईरान की ओर तनी हुई बंदूकें हटनी चाहिए।

कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतम की संवेदनाओं, अनुभूतियों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पत्थर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने, चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्षों से घिरा हुआ है, तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकी है? यदि नहीं, तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय चेतना की ओर लौटना होगा, जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है।

वर्तमान विश्व की विडंबना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, संचार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्रों को परस्पर निर्भर बनाया है; दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास, घृणा और संघर्ष की दीवारें भी ऊँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरते परिवार, आतंकवाद की भेंट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन की पीड़ा झेलते बच्चे और वर्चस्व की राजनीति में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या

विकास केवल ऊँची इमारतों, आधुनिक हथियारों, विशाल बाजारों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है, अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुंदर, स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं, बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए।

राजनीति और कूटनीति जहाँ कई बार हितों, सीमाओं और शक्ति-संतुलन के गणित में उलझ जाती हैं, वहीं कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुख और साझा आनंद को सामने लाती है। एक चित्रकार युद्ध से उजड़े घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का दर्द दिखाई देता है। एक संगीतकार जब करुणा से भरी धुन छेड़ता है, तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम, किसी नर्तकी की भाव-भंगिमा में झलकती पीड़ा और किसी मूर्तिकार की रचना में उभरती मानवीय गरिमा भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर हृदयों को जोड़ती है। यही कला की वह शक्ति है, जो शत्रुता के बीच संवाद, निराशा के बीच आशा और विभाजन के बीच आत्मीयता के पुल बना सकती है। कला और युद्ध के बीच का अंतर भी गहरे चिंतन का विषय है। युद्ध की मानसिकता दूसरे को पराजित करने में अपनी विजय खोजती है, जबकि कला दूसरे के अनुभव को समझने की दृष्टि प्रदान करती है। युद्ध सीमाओं पर दीवारें खड़ी करता है, कला उन दीवारों के पार झाँकना सिखाती है। हथियार शरीर को घायल करते हैं, किंतु घृणा मनुष्य की आत्मा को भी आहत करती है; कला उस आत्मा के घावों को भरने का प्रयास करती है। जहाँ हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है, वहीं सच्चा कलात्मक सृजन सहानुभूति और आत्ममंथन की प्रेरणा देता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कला अकेले युद्ध रोक सकती है अथवा कलाकारों की अभिव्यक्ति मात्र से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। युद्धों को रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, न्यायपूर्ण नीतियाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी संस्थाएँ आवश्यक हैं। लेकिन इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए ऐसी मानवीय चेतना चाहिए, जो हिंसा को गौरव और शांति को कमजोरी न समझे। कला इसी चेतना के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कला का संबंध केवल मनोरंजन से नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता से भी रहा है। यहाँ संगीत साधना है, नृत्य भावों की अभिव्यक्ति है, साहित्य लोकमंगल की चेतना है और लोककला समुदायों की स्मृति एवं पहचान का जीवंत दस्तावेज है। जैन दर्शन का अहिंसा और अनेकांत का संदेश भी हमें सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दृष्टियों की विविधता का सम्मान आवश्यक है। अनेकांत की भावना कला की प्रकृति से मेल खाती है, क्योंकि एक ही दृश्य, घटना अथवा अनुभूति को अलग-अलग कलाकार भिन्न दृष्टिकोणों से अभिव्यक्त कर सकते हैं। इन विविध अभिव्यक्तियों को स्थान देना संवाद, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को मजबूत करता है। इसके बावजूद आज कलाकारों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। बाजार का दबाव कई बार कला को केवल लाभ और लोकप्रियता की कसौटी पर परखता है। त्वरित प्रसिद्धि की चाह, अभिव्यक्ति पर अनुचित प्रतिबंध, सांस्कृतिक असहिष्णुता और रचनात्मक स्वतंत्रता के प्रति संदेह कलाकार की संभावनाओं को सीमित कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों ने सृजन के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन सतही लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा ने गंभीर कलात्मक अभिव्यक्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। कलाकार का सम्मान केवल पुरस्कार देकर या उसकी रचना की प्रशंसा करके पूरा नहीं होता; उसे स्वतंत्र अभिव्यक्ति, गरिमापूर्ण आजीविका, उचित पारिश्रमिक और सुरक्षित रचनात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। साथ ही कलाकारों का दायित्व है कि वे अपनी स्वतंत्रता का उपयोग समाज में घृणा फैलाने के बजाय विवेक, संवेदना और संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए करें।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस हमें इस दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का अवसर देता है। विशेष रूप से नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सृजनशीलता का सर्वोच्च उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज को अधिक न्यायपूर्ण, सुंदर और मानवीय बनाने में है। वास्तव में कला मनुष्य को यह विश्वास दिलाती है कि विनाश के अंधकार के बीच भी सृजन का दीप जलाया जा सकता है। वह हमें सिखाती है कि जीवन का सौंदर्य दूसरों को पराजित करने में नहीं, उनके साथ मिलकर जीने में है; मित्रता का अर्थ केवल समान विचारों वालों से निकटता नहीं, बल्कि भिन्नताओं के बावजूद सम्मान बनाए रखना है; और शांति का अर्थ केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, करुणा और परस्पर विश्वास की उपस्थिति भी है। कलाकार अपने रंगों, स्वरों, शब्दों, मुद्राओं और कल्पनाओं से ऐसे विश्व की तस्वीर रच सकते हैं, जिसमें मनुष्य की पहचान उसकी जाति, भाषा, धर्म या राष्ट्रीयता से पहले उसकी मानवीय गरिमा से हो।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि जहाँ हथियार भय पैदा करते हैं, वहाँ कला विश्वास जगाती है; जहाँ घृणा मनुष्यों को बाँटती है, वहाँ सृजन उन्हें जोड़ता है; और जहाँ युद्ध जीवन को उजाड़ते हैं, वहाँ कला जीवन को फिर से सुंदर बनाने का स्वप्न देती है। आज विश्व को केवल शक्तिशाली सेनाओं, समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं और आधुनिक तकनीकों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील कलाकार हृदयों की भी आवश्यकता है, जो शांति को जीवन का आदर्श बना सकें। कलाकार मानवता के ऐसे ही स्वप्नद्रष्टा और भविष्य के शिल्पी हैं। उनके सृजन को सम्मान देना वस्तुतः मनुष्यता के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान करना है। जब कला जीवन का उत्सव बनेगी, संवेदना सामाजिक संस्कार बनेगी और सह-अस्तित्व वैश्विक जीवन-दृष्टि बनेगा, तभी पृथ्वी युद्धों की आशंकाओं से मुक्त होकर शांति, मैत्री, अहिंसा और सौंदर्य की साझा धरती बन सकेगी।

-ललित गर्ग

जब कठपुतली के धागों से समाज के सवाल बोलने लगें

मंच पर हल्की-सी रोशनी पड़ती है। रंग-बिरंगे कपड़ों में सजी कठपुतलियां स्थिर खड़ी हैं। तभी धागे तनते हैं और उनके हाथ-पैर हिलने लगते हैं। कुछ क्षण पहले तक निर्जीव दिखने वाले पात्र अब बोलने लगते हैं। एक कठपुतली पेड़ बनकर पर्यावरण की चिंता करती है, दूसरी पानी की जरूरत बताती है और तीसरी बाल विवाह पर सवाल उठाती है। बच्चे पहले हंसते हैं, फिर कहानी में छिपे सवालों पर गंभीर हो जाते हैं। मनोरंजन कब सामाजिक संवाद में बदल गया, उन्हें पता भी नहीं चलता।

मंच के पीछे खड़ा कलाकार इस बदलाव को देखता है। उसके लिए शायद यही सबसे बड़ा पुरस्कार है। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस पर मुजफ्फरपुर के मालीघाट के लोक कलाकार सुनील कुमार की यात्रा को याद करना इसलिए जरूरी है कि उन्होंने कठपुतली के पारंपरिक धागों में अपने समय के सवाल पिरोए हैं। उनकी कला केवल दर्शकों का मनोरंजन नहीं करती, बल्कि उन्हें सोचने, समझने और अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करती है।

कला की सार्थकता केवल उसकी सुंदरता या लोकप्रियता में नहीं, बल्कि जीवन से उसके जुड़ाव में भी होती है। कलाकार समाज की स्मृतियों, संघर्षों और आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति देता है। सुनील कुमार ने कठपुतली को इसी सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ा है। उनके कार्यक्रमों में हिंसा, बाल विवाह, बाल श्रम, नशा, पर्यावरण, जल संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक संवेदनशीलता और डिजिटल बैंकिंग जैसे विषय शामिल होते हैं। वे जानते हैं कि कठिन संदेश भी लोकभाषा, गीत, संगीत और कहानी के सहारे सहजता से लोगों तक पहुंच सकते हैं।

सुनील कुमार की कला-यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष बच्चों के साथ उनका संवाद है। उनका मानना है कि पढ़ाई से दूर भागने वाले बच्चों को केवल किताबों और परीक्षाओं के दबाव से कक्षा तक नहीं लाया जा सकता। शिक्षा में रचनात्मकता, सहभागिता और संवाद की जगह बनानी होगी। कठपुतली बच्चों को इसी अवसर से जोड़ती है। जब कोई पात्र उनकी आंखों के सामने चलता, बोलता और सवाल करता है, तो बच्चा केवल दर्शक नहीं रहता। वह कहानी से जुड़ता है, सवाल पूछता है और कई बार स्वयं भी अपनी बात रखने लगता है।

इसी सोच के साथ सुनील कुमार बच्चों और शिक्षकों को कठपुतली निर्माण तथा संचालन का प्रशिक्षण देते हैं। ह्यूमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया, किलकारी, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रामबाग, मुजफ्फरपुर सहित विभिन्न संस्थानों में उन्होंने प्रशिक्षण दिया है। शिवहर के तरियानी, पूर्वी चंपारण के बंजरिया, पश्चिमी चंपारण के चनपटिया, सीतामढ़ी के धुम्मा और रुन्नीसैदपुर, पटना के विक्रम, मोतिहारी के छतौनी तथा भोजपुर के पीरोता तक उनकी प्रशिक्षण-यात्रा पहुंची है।

इन प्रयासों में उनकी भूमिका केवल कलाकार की नहीं, बल्कि कला को साझा करने वाले प्रशिक्षक की भी है। वे बच्चों को तैयार कठपुतलियां दिखाकर ही नहीं लौटते, बल्कि उन्हें स्वयं कठपुतली बनाने और उसके माध्यम से अपनी बात कहने का अवसर देते हैं। यह तरीका बच्चों में रचनात्मकता विकसित करने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ा सकता है। कला जब कुछ लोगों की विशेषज्ञता तक सीमित न रहकर दूसरों के हाथों में पहुंचती है, तभी उसका सामाजिक विस्तार होता है।

सुनील कुमार की कठपुतलियों की दुनिया में प्रकृति भी एक जीवंत पात्र है। पीपल, नीम और तुलसी जैसे पेड़-पौधे उनके कार्यक्रमों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं। जल-जीवन-हरियाली और पानी बचाने की जरूरत को वे गीत, संगीत और लोककथाओं से जोड़ते हैं। उनके यहां पेड़ केवल वनस्पति नहीं, बल्कि गांव, आंगन, स्मृति और आने वाली पीढ़ियों की चिंता का प्रतीक बन जाता है। पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं रहता, बल्कि जीवन की निरंतरता का प्रश्न बन जाता है।

पर्यावरण पर संवाद करते समय लोककला की यह विशेषता महत्वपूर्ण हो जाती है। आंकड़े और वैज्ञानिक चेतावनियां जरूरी हैं, लेकिन उनका अर्थ तभी व्यापक समाज तक पहुंचता है जब लोग उन्हें अपने जीवन से जोड़ सकें। लोकभाषा और स्थानीय प्रतीकों के सहारे कही गई बात परिचित लगती है। सुनील कुमार इसी सांस्कृतिक निकटता के माध्यम से पर्यावरण संबंधी जागरूकता पैदा करने की कोशिश करते हैं। उनके लिए प्रकृति की रक्षा का संदेश लोकजीवन की स्मृतियों और परंपराओं को बचाने से भी जुड़ा है।

उनकी कला का एक उल्लेखनीय प्रयोग 'पपेट जर्नलिज्म' यानी कठपुतली के माध्यम से सूचना और जनसंचार का है। सीजीनेट के सहयोग से महाराष्ट्र के सालेकसा, गोंदिया में कठपुतली का प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने इस माध्यम को सामाजिक सूचना के प्रसार से जोड़ा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को वैकल्पिक मीडिया के उपयोग का प्रशिक्षण देने का अनुभव भी उनकी यात्रा का हिस्सा रहा है। यह प्रयास बताता है कि जहां सूचना के औपचारिक माध्यमों की पहुंच सीमित हो, वहां स्थानीय भाषा और लोककला संवाद का प्रभावी रास्ता बन सकती है।

यहां कलाकार मंच पर खड़े होकर केवल संदेश देने वाला व्यक्ति नहीं रह जाता। वह समुदाय के बीच पहुंचता है और लोगों की अपनी भाषा में संवाद की संभावना तलाशता है। कठपुतली की सहजता जटिल सामाजिक सवालों को बातचीत का विषय बना सकती है। इस तरह लोककला सूचना को एकतरफा प्रसारण के बजाय सहभागिता और समझ का माध्यम बनाने में मदद करती है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सुनील कुमार ने इस कला का उपयोग किया है। जन औषधि परियोजना के बारे में लोगों को जानकारी देना, सस्ती दवाओं की उपलब्धता समझाना और जन औषधि केंद्रों की उपयोगिता बताना उनके कार्यक्रमों में शामिल रहा है। इस काम के लिए बिहार के जन औषधि नोडल अधिकारी कुमार पाठक ने उन्हें सम्मानित किया। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सरल संवाद में बदलना खास तौर पर उन समुदायों के लिए उपयोगी हो सकता है, जहां तकनीकी शब्दावली या औपचारिक भाषण लोगों से दूरी पैदा करती हैं।

माहवारी शिक्षा, गुड टच-बैड टच और लैंगिक संवेदनशीलता जैसे विषयों पर कठपुतली के माध्यम से संवाद करना एक अलग तरह की सामाजिक प्रतिबद्धता मांगता है। जिन विषयों पर परिवारों और समुदायों में खुलकर बातचीत करने में झिझक होती है, उन्हें कहानी के पात्रों के जरिए सामने लाया जा सकता है। इससे बच्चों और किशोरियों को सवाल पूछने तथा अपनी शंकाएं व्यक्त करने के लिए अपेक्षाकृत सहज वातावरण मिल सकता है। बचत और डिजिटल बैंकिंग जैसे व्यावहारिक विषयों को भी वे गीत और संवाद से जोड़ते हैं। उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, उसे समझने योग्य बनाना है।

सुनील कुमार की यात्रा में परिवार का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है। लोक कलाकार की दुनिया मंच पर दिखाई देने वाली प्रस्तुति तक सीमित नहीं होती। उसके पीछे कठपुतलियां तैयार करने, सामग्री जुटाने, संवाद लिखने, अभ्यास करने, यात्रा करने और अलग-अलग समुदायों की जरूरत के अनुसार प्रस्तुति ढालने की लंबी प्रक्रिया होती है। कला के प्रति समर्पण का अर्थ केवल मंच पर उपस्थित होना नहीं, बल्कि मंच के पीछे होने वाली अनगिनत मेहनत को भी स्वीकार करना है।

- कुमार कृष्णन

एशियन पैरा गेम्स-2026 में भारत का गौरवशाली प्रदर्शन

सनातन संस्कृति में मनुष्य की महानता का आधार उसकी शारीरिक संरचना नहीं बल्कि उसके गुण, कर्म और आत्मबल को माना गया है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने संदेश दिया है कि- उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत् अर्थात मनुष्य को अपने प्रयास और पुरुषार्थ से अपना उत्थान करना चाहिए और स्वयं को कभी भी निराशा में नहीं डूबने देना चाहिए। भारतीय पैरा खिलाड़ियों का जीवन इसी शाश्वत संदेश का सजीव उदाहरण है, जहाँ चुनौतियाँ बाधा नहीं बल्कि अपनी क्षमता सिद्ध करने का अवसर बन जाती हैं। प्रकृति ने हर व्यक्ति को एक समान शारीरिक क्षमताएँ नहीं दी हैं। किसी के जीवन में जन्मजात शारीरिक चुनौतियाँ हैं, तो किसी को दुर्घटना या बीमारी के कारण कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद जब कोई व्यक्ति अपने भीतर के साहस को पहचानता है, निरंतर साधना करता है और अपनी कमजोरियों को अपनी शक्ति में बदलने का संकल्प लेता है, तो उसकी उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं रह जाती बल्कि वह समूचे समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा बन जाती है।

इसी प्रेरणादायी भावना को भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स-2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से वैश्विक पहचान दी है। भारत के पैरा खिलाड़ियों ने कुल 114 पदक जिसमें 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य जीतकर अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पदक तालिका में देश को शीर्ष चार में स्थान हासिल करने का गौरव दिलाया है।

इन खिलाड़ियों ने दुनिया को बताया है कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति की पहचान का संपूर्ण परिचय नहीं है और न ही उसकी संभावनाओं का अंतिम निर्धारण होता है। उनकी पहचान उनका परिश्रम, उनका अनुशासन, उनका साहस और अपने देश के लिए कुछ असाधारण कर गुजरने का उनका संकल्प है। वे केवल खेल के मैदान में प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती नहीं देते बल्कि समाज में व्याप्त उन धारणाओं को भी चुनौती देते हैं, जो किसी व्यक्ति की क्षमताओं का आकलन उसकी शारीरिक सीमाओं के आधार पर करती हैं।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दिव्यांगजनों के प्रति समाज की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने और उनके सामर्थ्य को नई पहचान दिलाने की दिशा में कई सार्थक प्रयास किए हैं। उन्होंने 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग कर यह संदेश दिया कि किसी व्यक्ति की पहचान उसकी शारीरिक सीमाओं से नहीं बल्कि उसकी अंतर्निहित क्षमताओं, प्रतिभा और संकल्प से होनी चाहिए। यह पहल केवल शब्द परिवर्तन नहीं बल्कि सम्मान, संवेदनशीलता और समावेशी सोच को प्रोत्साहित करने का एक सार्थक प्रयास रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनाते हुए खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया है। उनके नेतृत्व में खेलो इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (ञ्ञ्ञ) जैसी पहलों के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान, प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पैरा खिलाड़ियों के लिए भी समान अवसर, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएँ, उपयुक्त खेल उपकरण और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना खेल व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। सरकार के प्रयासों, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन, परिवारों के सहयोग और खिलाड़ियों के अथक परिश्रम के समन्वय से भारतीय पैरा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत ने 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ कुल 114 पदक अपने नाम किए। यह प्रदर्शन भारतीय पैरा खेलों में बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और खिलाड़ियों के निरंतर प्रयासों का परिचायक है। इस उपलब्धि का सबसे उल्लेखनीय पहलू विभिन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रभावशाली प्रदर्शन रहा है। पैरा एथलेटिक्स ने भारत की पदक तालिका में सबसे बड़ा योगदान दिया है। खिलाड़ियों ने दौड़, जंप, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो और क्लब थ्रो जैसी स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। वहीं पैरा शूटिंग, पैरा आर्चरी, पैरा बैडमिंटन, पैरा पावरलिफ्टिंग और पैरा जूडो में भी भारतीय खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है।

भारत के पदक अभियान की शुरुआत महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग र॥ स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन के साथ हुई। जिसमें मोना अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अवनि लेखरा ने रजत पदक अपने नाम किया। एक ही स्पर्धा में पहले और दूसरे स्थान पर भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा देश की बेटियों की प्रतिभा, एकाग्रता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रमाण है।

निशानेबाजी ऐसा खेल है, जिसमें एकाग्रता, धैर्य, मानसिक संतुलन और तकनीकी दक्षता की निर्णायक भूमिका होती है। मोना अग्रवाल और अवनि लेखरा ने अपने प्रदर्शन से दिखाया कि दृढ़ संकल्प और अनुशासित अभ्यास के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है। मोना अग्रवाल ने आगे भी अपनी सफलता का सिलसिला जारी रखते हुए 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस प्रकार उन्होंने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उनकी उपलब्धि निरंतरता, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रेरक उदाहरण है।

भारत की ऐतिहासिक सफलता में पैरा एथलेटिक्स का योगदान सबसे अधिक रहा है। इस स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 65 पदक जीते, जिनमें 22 स्वर्ण पदक शामिल थे। यह प्रदर्शन बताता है कि भारतीय पैरा एथलेटिक्स में प्रतिभा, प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का स्तर लगातार आगे बढ़ रहा है। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में अपना खिताब बरकरार रखते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया और उनकी सफलता के साथ महेंद्र गुर्जर ने रजत और संदीप संजय सरगर ने कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रकार भारतीय खिलाड़ियों ने इस स्पर्धा में तीनों पदक अपने नाम कर ऐतिहासिक क्लीन स्वीप का रिकॉर्ड भी बनाया है। एक ही स्पर्धा में तीनों पदकों पर भारत का कब्जा खिलाड़ियों की व्यक्तिगत प्रतिभा के साथ-साथ भारतीय पैरा एथलेटिक्स की व्यापक क्षमता का प्रमाण है। सुमित अंतिल की निरंतरता, महेंद्र गुर्जर का उत्कृष्ट प्रदर्शन और संदीप संजय सरगर की उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है।

वहीं प्रणव सूरमा ने डिस्कस थ्रो और क्लब थ्रो में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। सिमरन ने महिलाओं की ञ12 श्रेणी में 100 मीटर और 200 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किए। दिलीप महादु गावित ने 100 मीटर और 400 मीटर की ञ47 स्पर्धाओं में जीत दर्ज की, जबकि निषाद कुमार ने लॉन्ग जंप और हाई जंप में स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं।

इन खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ बताती हैं कि पैरा खेलों में उत्कृष्टता किसी एक स्पर्धा या श्रेणी तक सीमित नहीं है। ट्रैक से लेकर फील्ड तक, हर जगह भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और क्षमता का परिचय दिया है।

भारतीय पैरा आर्चरी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी शीतल देवी ने आइची-नागोया में अपने प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड और मिक्स्ड कंपाउंड स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते हैं। वे प्रतियोगिता में एक से अधिक स्वर्ण पदक जीतने वाले छह भारतीय खिलाड़ियों में शामिल रहीं हैं। महिलाओं की कंपाउंड डबल्स स्पर्धा में शीतल देवी और पायल नाग ने रजत पदक हासिल किया है। इन उपलब्धियों ने भारतीय पैरा आर्चरी की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को नई पहचान दी है।

शीतल देवी की यह सफलता प्रमाण है कि किसी खिलाड़ी की असली ताकत केवल उसकी शारीरिक क्षमता में नहीं बल्कि उसकी तकनीक, एकाग्रता, अभ्यास और स्वयं पर विश्वास में निहित होती है। उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह संदेश दिया कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर मेहनत से असाधारण उपलब्धियाँ हासिल होती हैं। पायल नाग की सफलता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है उन्होंने रजत पदक जीतकर यह साबित किया कि भारतीय पैरा खेलों में नई प्रतिभाएँ लगातार उभर रही हैं और देश का भविष्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के हाथों में सुरक्षित है।

एशियन पैरा गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने कई खेलों में अपनी छाप छोड़ी है। पैरा पावरलिफ्टिंग में कस्तूरी राजामणि ने रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। पैरा शूटिंग में खिलाड़ियों ने सटीक निशाने और मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया है। पैरा बैडमिंटन और पैरा आर्चरी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के पैरा जूडो खिलाड़ी कपिल परमार ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के छ1-70 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत और मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। कपिल ने प्लेऑफ मुकाबले में इंडोनेशिया के खिलाड़ी को पराजित कर यह उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश में पैरा खेलों को प्रोत्साहित करने, खिलाड़ियों तक आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने और प्रतिभाओं को नए अवसर देने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

एशियन पैरा गेम्स 2026 में 114 पदकों की ऐतिहासिक उपलब्धि इन खिलाड़ियों के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और असाधारण सामर्थ्य का प्रमाण है। यह सफलता देश में पैरा खेलों को और अधिक प्रोत्साहित करने, प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने तथा भारत को वैश्विक खेल जगत में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की प्रेरणा देती है।

- विश्वास कैलाश सारंग

(सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री, म.प्र. शासन)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। छुटपुट लेवाली के बीच शनिवार को तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। सरसो व रायडे में बाजार बने रहे। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर बना रहा। अन्य दलहनों में बाजार मजबूती के रहे। किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती कायम रही।

व्यापारिक सूत्रों केअ नुसार सोयाबीन में छुटपुट माँग के बीच बाजार मजबूत नज़र आये। सरसो व रायडे में सुर्खी बनी। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर कमजोर रहा। अन्य दलहनों में तुअर, उड़द व मूंग में बाजार मजबूती बनाये रहे। शक्कर में अतिरिक्त कोटे के बाद बाजार में नरमी बनी हुई है। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 5100-5250, खोपरा गोला 360-425, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारी?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडि?यम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल - सींगदाना 1820-1840, मुम्बई 1840, राजकोट तेलिया 2840, सोया साल्वेंट 1370-1380, सोया रिफाइंड 1435-1450, कपास्या 1505-1510, धूलिया 1510, कड़ी 1515,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1775, मुम्बई पाम 1440, मुम्बई सोया 1485,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्वि?टल)

तिलहन - सरसो 9100, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 6900-7100, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 7400-7450, विशाल 7200-7350, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9100-9200, एवरेज 8900-9000, हल्की 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल - चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडि?यम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडि?यम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर । शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। चाँदी में गिरते बाजार संभले। वहीं, सोना पूर्व स्तर पर देखा गया। भाव इस प्रकार रहे :-

चाँदी (9999) 199500, चाँदी (99) 199200, टंच 198700, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 144000,

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में श?निवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार 1 अक्टूबर को बढ़ोतरी हुई थी। उस समय अलग-अलग शहरों में इसके दाम करीब 62 रुपये से 72 रुपये तक बढ़ाए गए थे। इसके बाद से कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में आखिरी बार जून 2026 में बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में शहर के हिसाब से अंतर देखने को मिलता है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर का भाव 942 रुपये है, जबकि कोलकाता में इसके लिए 968 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। इस तरह दिल्ली में घरेलू सिलेंडर कोलकाता के मुकाबले 26 रुपये सस्ता है।

शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सप्ताह के पहले ?दिन शुरुआती गिरावट से उबरने की कोशिश करने वाले सेंसेक्स और निफ्टी पर बाद में निजी बैंकिंग शेयरों में कमजोरी, कंपनियों के निराशाजनक नतीजों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव का दबाव हावी रहा। सप्ताह के अंत में आई रिकवरी भी बाजार को नुकसान से नहीं बचा सकी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। सप्ताह की शुरुआत में सेंसेक्स एक समय 470 अंक से अधिक टूट गया, जबकि निफ्टी भी 23,000 के स्तर से नीचे आ गया। हालांकि, भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से बाजार को कुछ सहारा मिला। इसके बावजूद निजी बैंकिंग शेयरों में कमजोरी और कंपनी आय से जुड़ी चिंताओं के कारण सेंसेक्स 876.37 अंक गिरकर 73,852.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 257.20 अंक टूटकर 22,888.95 पर आ गया। मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर बाजार बंद रहा। बुधवार को कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 650 अंक से अधिक चढ़ा, जबकि निफ्टी ने 23,000 का स्तर पार किया। रुपये में मजबूती और अल्ट्राटेक सीमेंट तथा आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में खरीदारी से सकारात्मक माहौल बना। हालांकि, यह तेजी टिक नहीं सकी। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 143.21 अंक गिरकर 73,709.69 और निफ्टी 77.60 अंक टूटकर 22,811.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी से बिकवाली तेज हुई। सेंसेक्स 460.30 अंक गिरकर 73,249.39 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 123.70 अंक टूटकर 22,687.65 पर आ गया। शुक्रवार को टेक्नोलॉजी शेयरों की खरीदारी से बाजार ने मजबूत शुरुआत की, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव और ब्रेंट क्रूड के 114 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से दबाव बढ़ गया। अंत में सेंसेक्स 125.56 अंक गिरकर 73,123.83 और निफ्टी 87.66 अंक टूटकर लगभग 22,600 पर बंद हुआ। रुपया भी कमजोर होकर 94.93 प्रति डॉलर पर आ गया। बाजारों के ?विशेषज्ञों के मुता?बिक वैश्विक अनिश्चितता, महंगे कच्चे तेल और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने सप्ताहभर बाजार की धारणा कमजोर रखी। आने वाले दिनों में निवेशकों की नजर कच्चे तेल की कीमतों, कंपनियों के नतीजों और वैश्विक घटनाक्रम पर रहेगी।

टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख टायर निर्माता कंपनी जेके टायर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और कंटेनर ढुलाई महंगी होने के कारण कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। कंपनी के अ?धिकारी ने बताया कि तीसरी तिमाही में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की योजना है। इससे पहले पहली तिमाही में कंपनी ने कीमतें 5 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7 प्रतिशत बढ़ाई थीं। कंपनी के मुताबिक, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कारोबारी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कच्चे माल की लागत लगातार ऊंची बनी हुई है, जबकि सप्लाई चेन में बाधाओं और कंटेनर फ्रेट की बढ़ी हुई दरों से भी कंपनी पर लागत का दबाव पड़ रहा है।

आरबीआई-रीपो रेट में कटौती नहीं, महंगाई बढ़ने पर बढ़ सकती हैं दरें

नई **दिल्ली। एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट कर दिया है कि निकट भविष्य में रीपो रेट में कटौती की कोई संभावना नहीं है। इसके बजाय, यदि महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो ब्याज दरें और भी बढ़ाई जा सकती हैं। हाल ही में जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अक्टूबर 2026 की बैठक के ब्योरे से यह जानकारी सामने आई है, जिसमें समिति के सदस्यों ने बढ़ती महंगाई को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। एमपीसी सदस्यों ने विशेष रूप से चिंता व्यक्त की है कि महंगाई अब केवल खाने-पीने की चीजों और ईंधन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका प्रभाव अन्य वस्तुओं और सेवाओं तक भी फैल रहा है। आरबीआई का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) के बीच खुदरा महंगाई बढ़कर 6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो केंद्रीय बैंक की ऊपरी सहनशीलता सीमा है। देश में खुदरा महंगाई जुलाई के 4.5 फीसदी से बढ़कर अगस्त में 4.8 फीसदी हो गई थी, और कोर महंगाई भी 4.2 फीसदी तक पहुंच गई है। समिति ने इस बात पर भी गौर किया कि थोक स्तर पर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतें लगभग 9 फीसदी बढ़ रही हैं, जिससे कंपनियां लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं। अक्टूबर की बैठक में, एमपीसी के सभी छह सदस्यों ने रीपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.50 फीसदी करने के पक्ष में मतदान किया था। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि मौद्रिक नीति का रुख बदलने का उद्देश्य यह साफ संदेश देना है कि निकट भविष्य में रीपो रेट में कटौती नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अब केवल दो ही विकल्प हैं- या तो ब्याज दरें बढ़ाई जाएं या उन्हें मौजूदा स्तर पर बनाए रखा जाए। ब्याज दरों में कितनी बढ़ोतरी होगी और सख्ती कब तक जारी रहेगी, यह पूरी तरह से महंगाई की स्थिति पर निर्भर करेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज आप पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ अपने कामों को आगे बढ़ाएंगे। सेहत थोड़ी परेशान कर सकती है, लेकिन आपका उत्साह कम नहीं होगा। संतान के भविष्य को लेकर मन में गंभीर विचार आ सकते हैं और आप उसके लिए किसी बड़े निवेश की योजना भी बना सकते हैं। कोई करीबी रिश्तेदार धन निवेश का आकर्षक प्रस्ताव दे सकता है, लेकिन केवल भरोसे के आधार पर फैसला न लें। हर पहलू की अच्छी तरह जांच करना जरूरी होगा।

वृषभ राशि- आज भाग्य आपका साथ देता नजर आएगा और रिश्तों में भी खुशियां लौट सकती हैं। जीवनसाथी के साथ अगर कुछ समय से दूरियां महसूस हो रही थीं, तो उन्हें कम करने का अच्छा अवसर मिलेगा। साथ में कहीं घूमने जाने या सुकून भरे पल बिताने की योजना बन सकती है। घर में किसी अतिथि के आने से रौनक बढ़ेगी और माहौल खुशनुमा रहेगा। माता-पिता की भावनाओं का सम्मान करें और छोटी-छोटी बातों पर बहस करने से बचें। आज आपका ध्यान जितना अपने लक्ष्य और जिम्मेदारियों पर रहेगा, उतने ही अच्छे परिणाम मिलने की संभावना बढ़ेगी।

मिथुन राशि- आज कामकाज की व्यस्तता आपको दिनभर दौड़भाग में रख सकती है, लेकिन इसी बीच कोई अच्छी खबर आपका मन खुश कर देगी। लंबे समय से मन में बसी कोई इच्छा पूरी होने से आपको संतोष मिलेगा। काम के सिलसिले में यात्रा भी करनी पड़ सकती है। संतान की पढ़ाई या भविष्य को लेकर कुछ चिंता रह सकती है, इसलिए उसे सही मार्गदर्शन देना आपके लिए महत्वपूर्ण होगा।

कर्क राशि- आज आपको अपने बजट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी, क्योंकि खर्च आमदनी से ज्यादा बढ़ सकते हैं। आर्थिक दबाव महसूस हो तो घबराने के बजाय जरूरी और गैरजरूरी खर्चों में अंतर करें। अच्छी बात यह है कि दोस्तों और सहकर्मियों का सहयोग कई मुश्किल काम आसान बना सकता है। आय बढ़ाने के नए अवसरों पर नजर रखें और अपनी मेहनत पर भरोसा बनाए रखें।

सिंह राशि - आज धन से जुड़े मामलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतना आपके लिए जरूरी होगा। किसी को पैसा देने या लेन-देन करने से पहले सभी बातों को स्पष्ट कर लें। ससुराल पक्ष के किसी सदस्य के साथ मनमुटाव चल रहा है, तो बातचीत के जरिए रिश्तों में सुधार आ सकता है। घर में पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन की योजना बन सकती है, जिससे परिवार में सकारात्मक माहौल रहेगा।

कन्या राशि - आज का दिन आपको संतोष और स्थिरता का एहसास करा सकता है। आय में बढ़ोतरी के संकेत मिलने से आर्थिक स्थिति को लेकर आपका भरोसा मजबूत होगा। घर-परिवार में प्रेम और आपसी तालमेल बना रहेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके विचार और सुझाव वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी मेहनत की सराहना होने से आगे बढ़ने का उत्साह भी मिलेगा।

तुला राशि - आज आर्थिक मामलों में भाग्य का अच्छा साथ मिल सकता है और लंबे समय से अधूरे पड़े काम पूरे होने की राह खुल सकती है। किसी शुभ समारोह या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे मन खुश रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा फैसला लेने से पहले उसके परिणामों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

वृश्चिक- आज आपके व्यक्तित्व और बातचीत का अंदाज लोगों को प्रभावित कर सकता है। राजनीति, समाज सेवा या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को नई पहचान मिलने और सम्मान बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। लोग आपकी बातों को गंभीरता से सुनेंगे और आपके विचारों को महत्व देंगे। संतान की किसी इच्छा को पूरा करने का अवसर मिलने से मन विशेष रूप से प्रसन्न रहेगा।

धनु - आज आमदनी में बढ़ोतरी या आर्थिक लाभ की खबर आपका मूड अच्छा कर सकती है। परिवार के साथ मनोरंजन और खुशियों से भरे पल बिताने का अवसर मिलेगा, जो रोजमर्रा की व्यस्तता से राहत देगा। किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिले तो अपनी क्षमता के अनुसार जरूर आगे आएं। इससे किसी दूसरे को सहारा मिलेगा और आपको भी मन की शांति मिलेगी।

मकर - आज आपकी मेहनत और लगातार किए जा रहे प्रयास सफलता की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। लंबे समय से अटका कोई सरकारी काम पूरा होने की संभावना है, जिससे मन को राहत मिलेगी। रुका हुआ पैसा वापस मिलने के संकेत भी हैं और इससे आर्थिक दबाव कम हो सकता है। हालांकि, खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखना जरूरी होगा। बिना योजना के खरीदारी या अतिरिक्त खर्च करने से बचें।

कुंभ - आज का दिन आपके लिए सकारात्मक संभावनाएं लेकर आ सकता है। आर्थिक मामलों में लाभ की उम्मीद रहेगी, लेकिन आमदनी और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। बच्चों के लिए कोई उपहार या उनकी जरूरत की वस्तु खरीदने की योजना बन सकती है। व्यापार में लाभ के अच्छे संकेत हैं और यदि आप निवेश करने की सोच रहे हैं, तो किसी जानकार की सलाह लेकर आगे बढ़ना बेहतर रहेगा।

मीन - आज का दिन आपके लिए लाभ और नए अवसर लेकर आ सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई अच्छा प्रस्ताव सामने आ सकता है, जो भविष्य में फायदेमंद साबित हो। हालांकि, किसी भी सौदे को अंतिम रूप देने से पहले जरूरी कागजात और शर्तों की अच्छी तरह जांच कर लें। भाई-बहनों का सहयोग आपको आगे बढ़ने का हौसला देगा। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना और उनकी बातों को महत्व देना रिश्ते में प्रेम और विश्वास बढ़ाएगा।

शब्दजाल - 8430

सा	म	प	कु	क	या	म	त	ला	नी	क
ए	रा	र	ज	इं	डे	ने	ह	क	जं	प
क	त	दे	अ	म	न	इ	दि	न	ग	म
हि	म	शी	मा	ज	ल	स	वा	प	प	धा
व्रू	म	या	थ	त	न	उ	बा	ख	ठी	त
स्ता	जे	बु	र	रा	द	बी	म	ल	इ	सा
नी	मा	दे	सो	व	जा	स	स्ता	पी	ख	न
रा	दे	श	बा	च	प	जी	बा	इ	भ	क
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	त
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	अ	ग्नि	व	र्षा	स	म

शब्दजाल में रवीना टंडन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

कयामत, एक हिन्दूस्तानी, सोच, अग्निवर्षा, घात, जंग, अजनबी, राजाजी, परदेशी बाबु, दिवाना मस्ताना

शब्दजाल - 8429 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7364

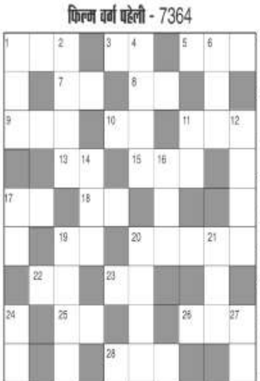

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरे कैसानी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरुद्दीनशाह, जैकी, रामा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आपेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलरॉय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्रॉफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-४
१५. दक्षिण की फिल्म 'बेंबर मगर' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'कौन' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'मलाहो' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं आँचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेंद्र, अदिति, नसीरुद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'इक तो ये मेरी सजन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-१
१२. 'मुर्गी रे झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, महिमा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरु' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7363

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8888

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रुई का पौधा-3
17.आरोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8887 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 298 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास आश्विन पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 11.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 19.22 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 17.22 बजे को समाप्त।
करण वणिज 11.57 बजे तदनन्तर विष्टि 22.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 02'
सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872873
जूलियन दिन 2461338.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलअव्वल तारीख 13
विशेष शरद पूर्णिमा, कोजागर व्रत, महाराज दमघोष व कृपालु महाराज जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.47 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	10.03 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	12.08 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.55 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.28 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.58 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.38 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.36 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.50 बजे से
		सिंह	01.06 बजे से
		कन्या	03.18 बजे से
		तुला	05.28 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। e.Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: प्रार्थना के बीच में

एक सेठ एक साधु से मिलने आया। साधु को प्रणाम करके उसने कहा, 'बाबा, मैं प्रार्थना करना चाहता हूं, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद नहीं कर पाता। जब भी मैं ध्यान लगाने की कोशिश करता हूं तभी मेरे आगे दुनियावी चीजें आ खड़ी होती हैं। धन कमाने और पारिवारिक तनाव के बारे में सोचने लग जाता हूं। आप ही बताइए मुझे प्रार्थना में मन लगाने के लिए क्या करना चाहिए?' यह सुनकर साधु महाराज सेठ को एक ऐसे कमरे में ले गए जिसकी खिड़कियों में शीशे लगे हुए थे। साधु ने सेठ को कांच के पार बाहर का नजारा दिखाया। शीशों से पेड़, उस पर चहकते पक्षी व दूसरी कई चीजें नजर आ रही थीं। यह देखकर सेठ प्रसन्न हो गया। उसके बाद साधु उसे एक दूसरे कमरे में लेकर गए। वहां कमरों की खिड़कियों पर चांदी की चमकीली परत लगी हुई थी। साधु बोले, 'सेठ जी, जरा देखो तो इस चांदी की चमकीली परत के पार आप क्या देख पाते हैं?' सेठ चांदी की चमकीली परत के पास गया तो उसे अपने चेहरे के सिवाय और कुछ नहीं दिखा। बाहर के मनोरम दृश्य उस परत में खो गए थे। यह देखकर सेठ बोला, 'बाबा, यहां तो बाहर की दुनिया ही गायब है। चांदी की चमकीली परत में तो मुझे सिवाय अपने चेहरे के कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता जबकि कांच में से मुझे बाहर के मनोरम दृश्य दिखाई पड़ रहे थे।' सेठ की बात सुनकर साधु बोले, 'बिल्कुल सही कहा तुमने। इसी तरह तुम भी प्रार्थना करते समय अपने ऊपर चांदी की परत चढ़ाए रखते हो इसलिए उसमें तुम्हें अपनी शक्ल और अहं के अलावा कुछ और नजर नहीं आता। यदि तुम स्वयं को कांच की तरह पारदर्शी और स्वच्छ बनाओगे तो तुम्हारा प्रार्थना में ध्यान सहज ही लग जाएगा।' सेठ को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसने उसी क्षण निश्चय किया कि अब वह बेमतलब की चीजों को प्रार्थना के बीच में नहीं आने देगा।

सूडोकु नवताल- 7673

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7672 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

किसानों के आंदोलन की चेतावनी का असर, कलेक्टर के निर्देश पर सिंगोला नहर के टेल तक पहुंचा पानी

15 दिनों से सिंचाई के लिए परेशान थे किसान, अब खेतों में शुरू हुई सिंचाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। धान की पकने को तैयार फसल, सूखते खेत और सिंचाई के लिए पानी की आस लगाए बैठे किसानों की परेशानी आखिरकार रंग लाई। सिंगोला वितरक नहर में 15 दिनों से पर्याप्त पानी नहीं मिलने की शिकायत और दो दिन में जलापूर्ति नहीं होने पर चक्काजाम व जन आंदोलन की चेतावनी के बाद अब नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंच गया है। बाघ आरबीसी की सिंगोला वितरक नहर के चैन क्रमांक 310 के टेल भाग तक पानी पहुंचने से किसानों ने राहत की सांस ली है और खेतों में सिंचाई भी शुरू हो गई है। जिस पानी के लिए किसान अधिकारियों को आवेदन देने और आंदोलन की चेतावनी देने को मजबूर थे, उसकी उपलब्धता अब प्रशासनिक स्तर पर किए गए प्रयासों के बाद सुनिश्चित हुई है। किसानों की समस्या सामने आने के बाद जल संसाधन विभाग की सक्रियता से फिलहाल फसल को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। फिलहाल सिंगोला वितरक नहर के टेल भाग तक पानी पहुंचने और सिंचाई शुरू होने से किसानों को राहत मिली है। अब किसानों की अपेक्षा है कि फसल की आवश्यकता के अनुरूप पानी की आपूर्ति आगे भी सुचारु बनी रहे, ताकि अंतिम समय में उनकी मेहनत और लागत से तैयार धान की फसल को नुकसान से बचाया जा सके।

कलेक्टर के निर्देश पर टेल तक पानी पहुंचाने के प्रयास

जिले की लांजी तहसील अंतर्गत सिंगोला वितरक नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने के लिए कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देश पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों द्वारा विशेष प्रयास किए गए। विभाग ने नहर के टेल क्षेत्र तक पानी पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि अंतिम छोर पर स्थित किसानों को भी सिंचाई के लिए पानी मिल सके। इसके बाद चैन क्रमांक 310 के टेल भाग तक पानी पहुंचने से संबंधित किसानों के खेतों में सिंचाई शुरू हो गई है।

किसानों ने आवेदन देकर बताई थी समस्या

गौरतलब है कि ग्राम सिंगोला के किसानों ने नहर में पर्याप्त पानी नहीं मिलने की समस्या को लेकर अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन विभाग, लांजी को सामूहिक आवेदन सौंपा था। किसानों का कहना था कि पिछले 15 दिनों से पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण धान की फसल प्रभावित होने का खतरा बढ़ रहा है। खरीफ सीजन में पहले ही कीट-व्याधियों और बढ़ती कृषि लागत से परेशान किसान अब फसल के अंतिम चरण में सिंचाई के लिए पानी की कमी से जूझ रहे थे। किसानों ने प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर नहर में पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की थी। साथ ही दो दिन के भीतर पानी नहीं मिलने पर 24 अक्टूबर को सिंगोला नहर के समीप लांजी-आमगांव मार्ग पर चक्काजाम कर जन आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी। इस संबंध में जिला प्रशासन, जल संसाधन विभाग, राजस्व अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराया गया था।

टेल के किसानों तक पानी पहुंचना बनी राहत की वजह

नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचने से उन किसानों को राहत मिली है, जिनकी फसल सिंचाई के अभाव में प्रभावित होने की आशंका थी। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि नहर के शुरुआती हिस्सों के साथ-साथ टेल क्षेत्र के किसानों तक भी पर्याप्त पानी पहुंचाना आवश्यक है। सिंचाई व्यवस्था की सफलता तभी मानी जाएगी, जब नहर के अंतिम छोर पर स्थित खेतों को भी समय पर पानी उपलब्ध हो।

बिजली कटौती से आम जनता, किसान-व्यापारी परेशान

लांजी युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष मनीष जुझार ने व्यवस्था सुधारने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में बिजली कटौती ने आम जनता, व्यापारियों और किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। मेंटेनेंस के नाम पर आठ से दस घंटे तक बिजली बंद रखी जा रही है, वहीं दिन में तीन से चार बार और कभी-कभी पांच बार तक बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली गुल हो जाती है। विद्युत विभाग की इस अनियमित कार्यप्रणाली के चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर व्यापारी बिजली के अभाव में अपना कारोबार सुचारू रूप से नहीं चला पा रहे हैं, तो दूसरी ओर सूखे और पानी की कमी से जूझ रहे किसानों के सामने अपनी धान की फसल बचाने की चुनौती खड़ी है। ऐसे समय में जब क्षेत्र को नियमित बिजली आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तब बार-बार बिजली बंद होने से लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। लांजी युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष मनीष जुझार ने विज्ञप्ति जारी कर विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। मेंटेनेंस के नाम पर घंटों बिजली बंद रखी जाती है। इसकी सूचना जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों को दी जाती है, लेकिन दिन में कई बार होने वाली अतिरिक्त कटौती की कोई सूचना नहीं दी जाती। इससे स्थानीय व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठान संचालित करने में कठिनाइयां होती हैं और आम उपभोक्ताओं को भी अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है।

बिजली के अभाव में सूख रही किसानों की उम्मीदें

लांजी क्षेत्र पूरी तरह धान उत्पादन पर निर्भर है। वर्तमान में बारिश की कमी और पानी के संकट से किसान पहले ही परेशान हैं। ऐसे हालात में खेतों की सिंचाई के लिए थ्री-फेज बिजली की नियमित उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। लेकिन बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण किसान समय पर सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। मेहनत और लागत लगाकर तैयार की गई फसल को बचाने के लिए किसानों को संघर्ष करना पड़ रहा है। यदि समय पर सिंचाई की व्यवस्था नहीं हुई, तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विद्युत विभाग तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करे

मनीष जुझार ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार अधिकारियों से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने विद्युत विभाग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन गंभीरता से करने, अनावश्यक बिजली कटौती बंद करने तथा मेंटेनेंस के दौरान बिजली बंद रखने की पूर्व सूचना देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति में लापरवाही का खामियाजा आम जनता, व्यापारियों और किसानों को भुगतना पड़ रहा है। विभाग को जनहित और किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि व्यापारियों का कामकाज प्रभावित न हो और किसान अपनी फसलों को सूखने से बचा सकें।

सड़क हादसे में महिला की दर्दनाक मौत, अज्ञात पिकअप वाहन ठोकर मारकर फरार

लोढ़ामा के छपरा नाला के पास हादसा, पति और तीन मासूम बच्चे घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की घटनाएं लगातार लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रही हैं। ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लोढ़ामा के छपरा नाला के पास शनिवार, 24 अक्टूबर की शाम सामने आया, जहां अज्ञात पिकअप वाहन की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पति और तीन मासूम बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनेश मातरे (35 वर्ष) अपनी पत्नी बबीता मातरे और तीन बच्चों अहंश (9 माह), जिगर (4 वर्ष) एवं प्राची (7 वर्ष) के साथ मोटरसाइकिल से अपने गृहग्राम बेलगांव जा रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 6 से 6:30 बजे के बीच ग्राम लोढ़ामा के छपरा नाला के पास एक अज्ञात पिकअप वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल सवार दंपति और बच्चे सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में बबीता मातरे के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके चलते उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, दिनेश मातरे और उनके तीनों बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, दिनेश मातरे को हल्की चोटें आई हैं, जबकि 9 माह के मासूम अहंश के चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट लगी है। वहीं, सात वर्षीय प्राची के दाहिने पैर में फ्रैक्चर होने की जानकारी सामने आई है। चार वर्षीय जिगर को भी हादसे में चोटें आई हैं। परिवार पर अचानक आई इस विपदा से क्षेत्र में शोक का माहौल है इधर, बबीता मातरे के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मर्चुरी में रखा गया है। चिकित्सकों द्वारा रविवार, 25 अक्टूबर की सुबह पोस्टमार्टम किए जाने की जानकारी दी गई है। घटना की सूचना लांजी थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा फरार पिकअप वाहन और उसके चालक का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी।

मोहझरी ने बेलगांव को 4 अंकों से हराकर जीता कबड्डी का खिताब

तीन दिवसीय पंचायती कबड्डी प्रतियोगिता का समापन, विजेता टीम को 5001 और उपविजेता को मिले 2501 रुपए

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम मोहझरी के बाजार चौक में आयोजित तीन दिवसीय पंचायती कबड्डी प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।
प्रतियोगिता के
फाइनल मुकाबले में मेजबान मोहझरी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेलगांव की टीम को 4 अंकों से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। तीन दिनों तक चले इस खेल आयोजन में खिला?ियों ने अपनी फुर्ती, दमखम और बेहतरीन खेल कौशल का परिचय दिया।
फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला,
लेकिन मोहझरी के खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल और रणनीति के दम पर जीत हासिल की। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के छिपिया ग्राम की टीम ने तीसरा, जबकि ग्राम बड़गांव की टीम ने चौथा स्थान प्राप्त किया। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता ने ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर दिया। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता के समापन पर आयोजन समिति ने सभी टीमों, खिलाड़ियों, अतिथियों और सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला....

फाइनल मुकाबले में जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं अतिथि उपस्थित रहे। इस दौरान अजय अवसरे ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराने की है। कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल युवाओं में साहस, अनुशासन, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल में जीत और हार दोनों महत्वपूर्ण हैं। विजेता टीम को अपनी उपलब्धि पर गर्व करना चाहिए, वहीं उपविजेता सहित अन्य टीमों को भी निराश होने के बजाय अपनी कमियों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल को खेल भावना से खेलें, मेहनत और अनुशासन को अपना आधार बनाएं तथा अपने गांव और क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने आयोजन समिति को ग्रामीण स्तर पर इस प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए बधाई भी दी।

विजेता और उपविजेता टीम को मिला नकद पुरस्कार

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में मोहझरी की विजेता टीम को जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे की ओर से 5001 रुपये प्रदान किए गए। द्वितीय पुरस्कार बेलगांव की उपविजेता टीम को स्वर्गीय राधेश्याम नाकतोड़े की स्मृति में 2501 रुपये दिए गए। तृतीय पुरस्कार महाराष्ट्र के छिपिया ग्राम की टीम को राजा भूते की ओर से 1201 रुपये तथा चतुर्थ पुरस्कार ग्राम बड़गांव की टीम को मोहझरी के सोम्या मेडिकल स्टोर्स की ओर से 666 रुपये प्रदान किए गए।

अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ आयोजन

फाइनल मुकाबले के दौरान मनीषा संतोष नाकतोड़े, भुनेश्वर रावते, तुकड़या डोहरे, जमादार अवसरे, रोशन नखाते, सुरेश भगत, मुरलीधर नखाते, गोरेलाल नखाते, गणेश काड़े, गिरीश पारधी, तपेश ठाकुड़े, जनार्दन रावते, युगलकिशोर नाकतोड़े और धर्मराज अवसरे सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष प्रकाश रावते, उपाध्यक्ष विजय नखाते, कोषाध्यक्ष नरेंद्र बागड़े और सचिव दुर्गेश अवसरे सहित समस्त पदाधिकारियों एवं सहयोगकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। व्यवस्थापक संतोष देशमुख और सुरेंद्र भागड़कर ने भी आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया।

भानेगांव में आज निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

पद्मेश न्यूज। लांजी। जन्मदिन को सेवा और जनकल्याण से जोड़ते हुए दिव्यांग जन कल्याण संघ मध्यप्रदेश के लाइफलाइन अध्यक्ष तन्मय मिश्रा के 28वें जन्मदिन पर रविवार, 25 अक्टूबर को भानेगांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। दिव्यांग जन कल्याण संघ मध्यप्रदेश और होप हार्ट हॉस्पिटल गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच कर परामर्श देंगे। शिविर दोपहर 12 बजे से ग्राम स्वराज भवन, भानेगांव में शुरू होगा। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। शिविर में हृदय रोग, मनोरोग, अस्थि रोग, बाल रोग, स्त्री रोग सहित सामान्य बीमारियों से संबंधित समस्याओं की जांच और परामर्श की व्यवस्था रहेगी। आयोजकों ने क्षेत्र के नागरिकों से शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है।

छह विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे सेवाएं

शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेश अनिरुद्ध गायधने (एमबीबीएस, एमडी, डीएम कार्डियोलॉजी), मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. लोकेश चिरवतकर (एमबीबीएस, एमडी साइकियाट्री), अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियेश जायसवाल (एमएस ऑर्थो), बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश चिखलोंडे (एमबीबीएस, एमडी पीडियाट्रिक्स), स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्विटी नागपुरे चिखलोंडे (एमबीबीएस, एमडी गायनेकोलॉजी) तथा सामान्य चिकित्सक डॉ. अविदास नंदु चौव्हारे (बीएएमएस) अपनी सेवाएं देंगे। विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी से ग्रामीणों को अलग-अलग बीमारियों के संबंध में एक ही स्थान पर परामर्श प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। खासकर हृदय रोग, बच्चों के स्वास्थ्य, महिलाओं से जुड़ी समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में शिविर उपयोगी साबित हो सकता है।

विधायक राजकुमार करहि होंगे मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार करहि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विशेष अतिथियों में मानवता मतीमंद शाला आमगांव के संचालक प्रणय तावड़े, कॉमेडियन एवं यूट्यूबर गोविंद बरघाटी, ग्राम पंचायत हिर्री की सरपंच विनिता राजेंद्र पारासर, नगर परिषद लांजी की अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, समाजसेवी सत्यभामा अशोक बिसेन, जनपद पंचायत लांजी के महिला एवं बाल विकास सभापति रेवाजी करहाटकरे, आशीष मिश्रा, आदि शामिल होंगे।

सेवा संकल्प दिवस के रूप में आयोजन

दिव्यांग जन कल्याण संघ मध्यप्रदेश दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से कार्यरत है। संघ के इस आयोजन में स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देते हुए जन्मदिन को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम के संयोजक राम देवीचरण ठाकरे हैं, जबकि प्रेरक के रूप में जगदीश मिश्रा की भूमिका रहेगी। संघ के अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा ने नागरिकों से शिविर में सहभागिता की अपील की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

शराबबंदी के लिए महिलाओं का एल्गार

पांच गांवों में निकाली रैली - गांव में शराब बिक्री बंद करने की मांग

पदमेश न्यूज, गोंदिया. सड़क अर्जुनी के तहसील के राजगुड़ा ग्राम पंचायत अंतर्गत आने वाले राजगुड़ा, सलंगटोला, मंदीटोला, बड़ा मोगरा और छोटा मोगरा इन पांच गांवों में शराबबंदी के लिए महिलाओं ने एकजुट होकर जनजागरण अभियान चलाया. महिला बचत समूहों की सदस्यों, ग्राम पंचायत पदाधिकारियों और ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी में भव्य रैली निकाली गई. इस दौरान शराबबंदी के विरोध में नारे लगाकर नागरिकों से नशे से दूर रहने और गांव में शराब बिक्री बंद करने की अपील की गई.

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, इन पांच गांवों की कुल आबादी करीब दो हजार है. गांवों में कुछ दुकानदारों द्वारा शराब बेचे जाने की पृष्ठभूमि में महिलाओं ने यह पहल की. शराब की लत से होने वाली घरेलू हिंसा, आर्थिक परेशानियों और सामाजिक समस्याओं पर अंकुश लगाकर गांवों में शांतिपूर्ण वातावरण बनाना इस अभियान का उद्देश्य है. मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान 2026-27 के तहत यह उपक्रम चलाया गया. ग्राम पंचायत पदाधिकारी लेखलाल टेकाम ने कहा कि गांव के कई युवाओं की शादी की उम्र हो गई है और परिवारों में लड़के-लड़कियों के रिश्ते तलाशने की प्रक्रिया शुरू है. ऐसे में यदि युवा अभी से शराब के आदी हो गए, तो उनके विवाह और भविष्य पर भी असर पड़ सकता है. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज सहित अन्य समाजों के युवाओं को भी नशे से दूर रखना जरूरी है. टेकाम ने दावा किया कि गांव में नौ लोग शराब बेचते हैं और उनसे शराब बिक्री बंद करने की अपील की. इस अवसर पर शांता संयम, अरुण लेदे , वर्षा लाडे, अनिता लेदे, देवानंद गेडाम, रंजू पटने, पुष्पमाला पंचभाई, शिल्पा मेश्राम, सीमा घासले, पुरणलाल कोडापे, डी. एच. पटने, सरपंच सुषमा मरस्कोल्हे, उपसरपंच लेखलाल टेकाम, संघपाल वैद्य, लिकुताई मडावी, लता कडपते, कुंदा पटने, सीमा पटने सहित ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

गांव के युवाओं की शादी की उम्र हो गई है. अब परिवारों में लड़के-लड़कियों के रिश्ते तलाशे जा रहे हैं. ऐसे में यदि युवा अभी से शराब के आदी हो जाएंगे, तो उन्हें शादी के लिए लड़कियां कौन देगा? आदिवासी समाज सहित अन्य समाजों के युवाओं का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए शराबबंदी जरूरी है. गांव में नौ लोग शराब बेच रहे हैं. उन्हें शराब की बिक्री बंद करनी चाहिए.

लेखलाल टेकाम, सरपंच

शराब पीकर पुरुष घर आते हैं और शराब पीने के लिए पैसे नहीं होने पर घर की जरूरी वस्तुएं तक बेच देते हैं. नशे में पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट की जाती है. इससे परिवार बिखर रहे हैं और महिलाओं व बच्चों को परेशानी झेलनी पड़ रही है. इस स्थिति को बदलने के लिए उमेद समूह और ग्रामस्थ महिलाओं ने एकजुट होकर रैली निकाली और गांवों में शराबबंदी के लिए पहल की।

रेखा लेदे, उमेद ग्राम सखी

टक्कर की टक्कर से बाइक सवार घायल

पदमेश न्यूज, गोंदिया. शहर थाने के तहत गणेशनगर निवासी फिर्यादी धर्मराज दामाजी चुटे (60) अपनी मोटरसाइकिल से गुरुनानक कॉलोनी रोड़ से गणेशनगर जा रहा था. इसी बीच गुरुनानक कॉलोनी शिवमंदिर के बाजू में आगे से वाहन आने से मोटरसाइकिल सड़क के बाजू में खड़ी की. इसी बीच पीछे से आ रहे ट्रैक्टर के चालक ने अपना ट्रैक्टर लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें फिर्यादी घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर गोरेगांव तहसील के चिचगांव आरोपी विलास राणे (35) के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार योगेश बिसेन कर रहे हैं.

चाबी से मारकर किया घायल

पदमेश न्यूज, गोंदिया. गोरेगांव थाने के तहत गोरेगांव निवासी फिर्यादी लोकेश शंकर वरखाडे (39) के घर पर गोंदिया के मुर्री निवासी आरोपी उमेश कपाट (40), नवीन बाजार चौक, गोरेगांव निवासी धीरज कपाट (25), दीपक कपाट (23) व दर्शन कपाट (20) आए व तेरा भतीजा मेरी बहन को फोन करता है, ऐसा कहते हुए फिर्यादी के साथ लात-घुसों से मारपीट कर चाबी से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. साथ ही गालीगलौज कर आगे देख लेने की धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक आगासे कर रहे हैं.

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल

पदमेश न्यूज, गोंदिया. गोंदिया के मरारटोली निवासी कुणाल रामभाऊ शेंडे (27) की मोटरसाइकिल को अज्ञात वाहन चालक ने मुरदोली जंगल परिसर में टक्कर मार दी. जिसमें कुणाल शेंडे घायल हो गया. फिर्यादी हरिष हलमारे (30) की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार देवेंद्र काटेंगे कर रहे हैं.

तबीयत बिगड़ने से युवती की मौत

पदमेश न्यूज, गोंदिया. आमगांव थाने के तहत महारीटोला निवासी स्वाती नरेश खैरे (16) की अचानक तबीयत खराब हो गई. उसे ग्रामीण अस्पताल आमगांव ले जाया गया. जहां चिकित्सा अधिकारी ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया. फिर्यादी बजलाल खैरे (65) की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बर्वे कर रहे हैं.

खेत के पानी में गिरने से वृद्ध की मौत

पदमेश न्यूज, गोंदिया. डुग्गीपार थाने के तहत राका/पलसगांव निवासी धनीराम वकटू दोनोडे (65) अपने खेत में निरीक्षण करने के लिए साइकिल से गया था. लेकिन वह शाम तक घर नहीं लौटा. उसकी तलाश करने पर वह खेत के पानी में गिरकर मृत अवस्था में मिला. फिर्यादी नितेश दोनोडे (25) की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार कठाने कर रहे हैं.

अवैध शराब बिक्री के मामले में एक माह के लिए तड़ीपार

देवरी, आमगांव व सालेकसा तहसील की सीमा में प्रवेश पर प्रतिबंध

पदमेश न्यूज, गोंदिया. अवैध शराब बिक्री के मामले में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए चिचगढ़ पुलिस ने सिंदीबिरी निवासी जगदीश डोमा करांडे (33) के खिलाफ जारी तड़ीपारी आदेश पर अमल किया है. आदेश के अनुसार उसे देवरी, आमगांव व सालेकसा इन तीन तहसीलों की सीमा से एक माह के लिए तड़ीपार किया गया है. चिचगढ़ पुलिस ने आदेश की तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर छोड़ा। क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री सहित अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से विभिन्न प्रतिबंधात्मक उपाय किए जा रहे हैं. कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है. इसी क्रम में जगदीश करांडे के खिलाफ तड़ीपारी का आदेश जारी होने के बाद चिचगढ़ पुलिस ने इसकी अमलदारी की. आदेश के तहत वह एक माह तक देवरी, आमगांव और सालेकसा तहसीलों की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेगा. पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए प्रतिबंधात्मक कदम उठाए जाने की बात सामने आई है. नागरिकों ने भी अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन से ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रखने की अपेक्षा जताई है।

1.21 लाख के माल सहित आरोपी गिरफ्तार

वेस्ट बंगाल का शातिर अपराधी - एक फरार

पदमेश न्यूज, गोंदिया. डुग्गीपार पुलिस ने जाल बिछाकर एक शातिर अपराधी को लाखों के माल सहित धर दबोच लिया है. लेकिन इस कार्रवाई में एक आरोपी फरार होने में कामयाब हो गया, जिस आरोपी को गिरफ्तार किया गया है वह वेस्ट बंगाल के जिला दिनाजपुर के शाहजपुर निवासी रासल दिलवार शेख (22) है. पुलिस ने आरोपी को भंडारा जिले के लाखनी पुलिस थाने को सौंप दिया है.

डुग्गीपार पुलिस ने बताया कि हवलदार दीपक खोटेले को दो युवक दोपहिया वाहन से संदिग्ध अवस्था में घूमने की गुप्त जानकारी दी गई. दीपक खोटेले ने पुलिस निरीक्षक कमलेश सोनटक्के को जानकारी दी. जिसके बाद हवलदार अमित नेवारे, महेंद्र चौधरी, बलिराम वाघाडे व पुलिस बल ने जाल बिछाते हुए दोपहिया वाहन को रोका, जिसमें आरोपी रासल शेख गिरफ्तार हुआ. वहीं उसका साथी घटनास्थल से फरार होने में कामयाब हो गया. जब गिरफ्तार आरोपी की तलाशी ली गई तो कपड़े की थैली में सोने-चांदी के आभूषण, दोपहिया क्र. एमएच 13 - डीजे 5517 मिली. 1 लाख 21 हजार रु. का माल जब्त किया गया. पीतल की समई पर भंडारा जिले के लाखनी क्षेत्र का नाम उल्लेखित होने से संभावना जताई गई कि आरोपियों ने लाखनी क्षेत्र में चोरी की घटना को अंजाम दिया. जिसके बाद लाखनी पुलिस थाने से संपर्क करने पर बताया गया कि क्षेत्र में चोरी की घटना हुई है. जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को लाखनी पुलिस थाने के हवाले कर दिया. अनुमान लगाया जा रहा है कि आरोपी से भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर जिले में चोरी की घटनाओं का पर्दाफाश हो सकता है.

पुलिस ने 50 गुम मोबाइल खोजकर लौटाए

पदमेश न्यूज, गोंदिया. शहर पुलिस ने तकनीकी जांच और सूझबूझ का परिचय देते हुए पिछले चार महीनों में गुम हुए 50 मोबाइल फोन खोजकर उनके मूल मालिकों को वापस लौटाए. बरामद मोबाइलों की कीमत 20 लाख रु. बताई गई है. शनिवार, 24 अक्टूबर को पुलिस अधिकारियों के हाथों मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे गए. लंबे समय बाद अपना खोया मोबाइल वापस मिलने से नागरिकों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी.शहर पुलिस थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से विभिन्न कंपनियों के एंड्रॉयड मोबाइल गुम होने की शिकायतें दर्ज कराई गई थीं. इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी व पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे ने गुम मोबाइलों की तलाश करने के निर्देश दिए, इसके बाद अपराध प्रकटीकरण शाखा के पुलिस कर्मचारी अशोक रहांगडाले ने केंद्र सरकार के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल पर गुम मोबाइलों से संबंधित आवेदन अपलोड किए. शहर पुलिस के डीबी दल की सहायता से तकनीकी जांच और सूझबूझ के आधार पर इन मोबाइलों का पता लगाया गया. 24 अक्टूबर को उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश शुक्ला, पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे, सहायक पुलिस निरीक्षक मडावी और महिला पुलिस

उपनिरीक्षक बैस की उपस्थिति में मोबाइल उनके मूल मालिकों को लौटाए गए. अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने पर नागरिकों ने राहत और संतोष व्यक्त किया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे व उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश शुक्ला के मार्गदर्शन में की गई।

चिचगढ़ पुलिस ने 14 मवेशियों को बचाया

जपकसा-लेंडीजोब के जंगल में कार्रवाई

पदमेश न्यूज, गोंदिया. छत्तीसगढ़ सीमा से सटे चिचगढ़ थाना क्षेत्र के जपकसा-लेंडीजोब जंगल परिसर में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 14 मवेशियों को बचाया. इन मवेशियों को बूचड़खाने ले जाने के लिए जंगल में बांधकर रखे जाने की गोपनीय सूचना पुलिस को मिली थी.

जानकारी के अनुसार, पशुओं के लिए चारा-पानी की व्यवस्था किए बिना उन्हें बांधकर रखा गया था. सूचना मिलते ही चिचगढ़ पुलिस की टीम ने संबंधित जंगल परिसर में तलाशी अभियान चलाया. इस दौरान 14 मवेशियां मिले. पुलिस ने पंचनामा तैयार कर सभी पशुओं को अपने कब्जे में लिया. यह कार्रवाई सहायक पुलिस निरीक्षक जनार्दन हेगडकर के नेतृत्व में पुलिस उपनिरीक्षक वासुदेव, सहायक फौजदार ज्ञानिराम राऊत, हवलदार गाते, शहारे व सिपाही भिसे ने की।

जिले में जलजीवन मिशन की 604 योजनाएं अधूरी

1047 में से सिर्फ 443 काम पूरे - गर्मी से पहले जलसंकट की आशंका

पदमेश न्यूज, गोंदिया. जिले में भूजल स्तर लगातार गिरने और कई ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के बंद होने से आगामी दिनों में गंभीर जलसंकट की आशंका बढ़ गई है. अक्टूबर महीने में ही ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या सामने आने लगी है. ऐसे में ग्रामीणों को घर तक नल से पानी पहुंचाने वाली केंद्र सरकार की 'जलजीवन मिशन' योजना के अधूरे काम चिंता बढ़ा रहे हैं. जिले में स्वीकृत 1047 कार्यों में से अब तक केवल 443 कार्य पूरे हुए हैं, जबकि शेष कार्य अधूरे हैं.

जलजीवन मिशन के तहत जिले में कुल 1047 कार्यों को मंजूरी दी गई थी. इनमें से 443 कार्य यानी लगभग 42.31 प्रश. ही पूरे हो पाए हैं. आधे से अधिक कार्य विभिन्न कारणों से लंबित हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की जरूरत बढ़ने के बीच इन योजनाओं के समय पर पूरा नहीं होने से 'हर घर जल' का लक्ष्य प्रभावित हो रहा है.

700 करोड़ का प्रावधान, 300 करोड़ खर्च

जिले में जलजीवन मिशन के लिए कुल 700 करोड़ रु. का आराखड़ा मंजूर किया गया था. इसमें से अब तक विभिन्न कार्यों पर लगभग 300 करोड़ रु. खर्च किए जा चुके हैं. शेष कार्यों को पूरा करने के लिए करीब 400 करोड़ रु. की आवश्यकता बताई गई है. लंबित कार्यों को गति देने और ग्रामीणों तक नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आगे की कार्यवाही महत्वपूर्ण होगी.

किस चरण में कितने कार्य?

जिले में लंबित योजनाओं की प्रगति अलग-अलग स्तर पर है. 70 कार्य 25 प्रश. तक पूरे हुए हैं. 158 कार्य 50 प्रश. तक पूरे हुए हैं. 204 कार्य 75 प्रश., 171 कार्य 75 प्रश. से अधिक पूरे हुए हैं.

जलसंकट से पहले काम पूरा करने की चुनौती

भूजल स्तर में गिरावट और जलापूर्ति योजनाओं के बंद होने से ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या गंभीर होने की आशंका है. ऐसे में जलजीवन मिशन के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करना जरूरी है. योजनाओं में देरी जारी रहने पर ग्रामीणों को आगामी गर्मी में पानी के लिए अधिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

राइस उद्योग की समस्याओं व धान उत्पादक किसानों के समाधान के लिए सदैव तत्पर - सांसद राजेंद्र जैन

पदमेश न्यूज, गोंदिया. गोंदिया एवं भंडारा दोनों जिलों में बड़े पैमाने पर धान का उत्पादन होता है। इसी कारण इस क्षेत्र में राइस मिलिंग उद्योग का व्यापक विकास हुआ है। धान उत्पादक किसानों के हितों के साथ-साथ राइस उद्योग की प्रगति और उन्नति को ध्यान में रखते हुए सांसद श्री प्रफुल पटेलजी ने सदैव प्रयास किए हैं। राइस मिलर्स की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए आगे भी शासन स्तर पर निरंतर प्रयास किया जायेगा यह प्रतिपादन सांसद श्री राजेंद्र जैन ने किया।

गोंदिया के स्वागत लॉन, पार्किंग ग्राउंड, घाट रोड में आयोजित चावल एवं दाल उद्योगों की मशीनरी एक्सपो में सांसद श्री राजेंद्र जैन प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोंदिया एवं भंडारा जिले की अर्थव्यवस्था में धान उत्पादन और राइस मिलिंग उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान है। किसानों द्वारा उत्पादित धान की खरीदी और विपणन की प्रक्रिया में राइस मिलर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि धान उत्पादक किसानों के हितों की रक्षा करना और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य के लिये शासन सजग हैं । इसके साथ ही राइस मिलर्स को उद्योग संचालन के दौरान आने वाली समस्याओं का समाधान व उद्योगों को प्रोत्साहन मिलने से क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सांसद श्री राजेंद्र जैन ने आश्वस्त किया कि धान उत्पादक किसानों एवं राइस मिलर्स की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके निराकरण के लिए शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए जाएंगे। क्षेत्र के कृषि आधारित उद्योगों की प्रगति और विकास के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक श्री राजकुमार बडोले, विधायक श्री विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक श्री गोपाल अग्रवाल, श्री सुनीलभाऊ फुंडे, श्री केशव मानकर, श्री अशोक अग्रवाल, श्री रवी अग्रवाल, श्री नरेश माहेश्वरी, श्री कैलास अग्रवाल, श्री गोपाल एच अग्रवाल, श्री आकाश अग्रवाल, श्री राहुल अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल, श्री सचिन गहाणे, श्री सुरेशबाबू असाटी सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

पुरानी पेंशन के लिए दिल्ली मोर्चे में शामिल होंगे कर्मचारी

पदमेश न्यूज, गोंदिया. पुरानी पेंशन योजना दोबारा लागू करने और पीएफआरडीए कानून रद्द करने की मांग को लेकर जिले के कर्मचारी 12 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित मोर्चे में शामिल होंगे. इसकी तैयारी को लेकर जिला परिषद कर्मचारी महासंघ कार्यालय में विशेष बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक मध्यवर्ती कर्मचारी संगठन के महासचिव लीलाधर पातोड़े, जिला परिषद कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष प्रल्हाद सहारे व उपाध्यक्ष कमलेश बिसेन के नेतृत्व में हुई. इसमें पेंशन बचाओ आंदोलन को मजबूत करने तथा कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई. कमलेश बिसेन ने बताया कि जिले से 103 ग्राम पंचायत अधिकारी, अन्य विभागों के 12 कर्मचारी और पशु चिकित्सा विभाग के 15 कर्मचारी मोर्चे में शामिल होंगे. बैठक में कर्मचारियों से पुरानी पेंशन के लिए एकजुट होकर आंदोलन में सक्रिय रुप से हिस्सा लेने का आह्वान किया गया. वक्ताओं ने कहा कि पेंशन कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है. इस अवसर पर संतोष तोमर, सौरभ अग्रवाल, सुभाष खत्री, संतोष तुरकर, रमेश नामपल्लीवार, महेश राठोड़ समेत अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. मोर्चे में शामिल होने का आह्वान किया गया है।

AISF के आंदोलन के आगे झुका प्रशासन

नर्सिंग छात्राओं की समस्याएं डेढ़ महीने में सुलझाने का आश्वासन : 100 से अधिक छात्राओं ने अधिष्ठाता कार्यालय में दिया धरना

पदमेश न्यूज, गोंदिया. शासकीय महाविद्यालय की छात्राओं के छात्रावास सहित विभिन्न शैक्षणिक और बुनियादी समस्याओं को लेकर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (AISF) के नेतृत्व में शनिवार, 24 अक्टूबर को 100 से अधिक बीएससी नर्सिंग छात्राओं ने शासकीय मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता कार्यालय में धरना दिया. संगठन का आरोप है कि अल्टीमेटम देने के बावजूद प्रशासन ने समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए. आंदोलन के दौरान पुलिस और संबंधित अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया. अंततः अधिष्ठाता ने डेढ़ महीने के भीतर विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद AISF ने आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया।

AISF की ओर से 8 अक्टूबर को छात्रावास और शैक्षणिक समस्याओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था. संगठन का कहना है कि इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. आरोप है कि समस्याओं का समाधान करने के बजाय एमबीबीएस की छात्राओं को छात्राओं के छात्रावास में भेजकर नर्सिंग छात्राओं से कमरे खाली करने को कहा गया. इस व्यवस्था के कारण दोनों विद्यार्थी समूहों के बीच तनाव की स्थिति बनने की बात भी संगठन ने कही. इस मामले में इस्फ्र ने 23 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक व संबंधित पुलिस थाने के निरीक्षक से शिकायत की थी. संगठन ने छात्राओं के निवास से जुड़े संवेदनशील मुद्दे को उचित तरीके से हल करने के बजाय तनावपूर्ण स्थिति बनने को प्रशासनिक नियोजन की गंभीर कमी बताया. समस्याओं पर ध्यान नहीं दिए जाने के विरोध में शनिवार को 100 से अधिक नर्सिंग छात्राएं अधिष्ठाता कार्यालय पहुंचीं और धरना दिया. इसके बाद पुलिस विभाग और संबंधित अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर विद्यार्थी प्रतिनिधियों, संगठन के पदाधिकारियों और कॉलेज प्रशासन के बीच चर्चा कराई. बैठक में छात्रावास के मुद्दे के साथ ही शैक्षणिक और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई. अधिष्ठाता ने डेढ़ महीने के भीतर सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया. इसके बाद संगठन ने आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया. इस्फ्र ने स्पष्ट किया कि आंदोलन की वास्तविक सफलता प्रशासन द्वारा आश्वासन पर अमल करने और विद्यार्थियों की समस्याओं का ठोस समाधान करने में ही है.

छात्रों को बुनियादी सुविधाएं देने की मांग

AISF ने छात्रावास, कक्षाओं, स्वच्छतागृहों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, योग्य व अनुभवी प्राध्यापकों, नियमित प्रायोगिक कक्षाओं और मेस जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है. संगठन का कहना है कि ये मुद्दे केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक अधिकारों से भी जुड़े हैं. बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय छात्राओं पर कमरे खाली करने का दबाव डालना स्वीकार नहीं किया जाएगा.

तिलक और नीतीश की साझेदारी से दूसरे टी20 में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया

क्राइस्टचर्च। तिलक वर्मा और नीतीश रेड्डी के बीच हुई शानदार साझेदारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए दूसरे टी20 मुकाबले में भी न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने पहला मैच भी चार विकेट से जीता था। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कीवी टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 180 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले 181 रनों के लक्ष्य को 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारतीय टीम की ओर से तिलक ने 26 गेंदों पर 6 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 51 रन जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने मात्र 13 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाये। इन दोनों के बीच महज 30 गेंदों में 69 रन की अहम साझेदारी हुई। जिससे मैच पलट गया।

वहीं इससे पहले लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम को संजू सैमसन 14 रन और अभिषेक शर्मा 27 रन ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़े पर इनके आउट होने के बीच के विकेट तेजी से गिर गये जिससे भारतीय टीम दबाव में आ गयी। ईशान किशन की जगह टीम में शामिल वैभव सूर्यवंशी 8 गेंदों में 4 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर 11 गेंदों में र 7 रनों पर ही आउट हो गये। अक्षर पटेल भी 11 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। नमन धीर ने 17 गेंदों में 31 रनों की तेज पारी खेली पर उनके आउट होते ही एक बार फिर मेजबान टीम के गेंदबाज हावी हो गये। कीवी स्पिनर मिचेल सैंटनर ने 4 ओवर में मात्र 21 रन देकर 4 विकेट लेकर रनों पर अंकुश लगा दिया था भारतीय टीम ने और भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया। भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में ही 112 रनों पर 6 विकेट खो दिये थे पर इसके बाद तिलक और नीतीश ने अपनी साझेदारी से मेजबान टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टिम सीफर्ट केवल 7 रन, डेरिल मिचेल 6 रन और फिन एलन 16 रन ही बना पाये। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी बनाकर पारी को संभाल। फिलिप्स ने केवल 43 गेंदों पर 70 रनों की तेज पारी खेली, वहीं, जैकब्स ने 46 गेंदों में 58 रन बनाये। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए, जबकि भुवनेश्वर कुमार, प्रिंस यादव और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक विकेट लिया। नीतीश ने बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी में भी एक अहम विकेट लेकर ऑलराउंड प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड-ए ने पहली पारी में इंडिया-ए को 113 रनों पर समेटा

लिंकन। स्टार बल्लेबाजों के विफल होने से यहां खेले जा रहे पहले अनाधिकृत क्रिकेट टेस्ट मैच में इंडिया-ए की टीम पहले दिन के खेल में ही अपनी पहली पारी में 113 रनों पर ही आउट हो गयी। इंडिया-ए में शामिल केएल राहुल, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी मैच में अपना खाता नहीं खोल पाये। इससे विदेशी धरती पर इंडिया ए की बल्लेबाजी की पोल भी खुल गयी। टीम के 7 बल्लेबाज तो दो अंकों का आंकड़ा भी पा सके। केवल यश राठौड़ ने ही संघर्ष करते हुए 44 रन बनाकर टीम को सौ रनों तक पहुंचाया। वहीं न्यूजीलैंड-ए की ओर से साइमन कीन ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के 43 रन बनाकर मैच में अपनी पकड़ बना ली।

इससे पहले आज सुबह इस मुकाबले में न्यूजीलैंड-ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जो सही साबित हुआ। इंडिया ए की ओर से यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने आए केएल राहुल महज 8 गेंद खेलकर एक भी रन बनाये बिनास पवेलियन लौट गए। इसके बाद यशस्वी 17 रन और देवदत्त पाडिक्कल के बीच 30 रनों की साझेदारी हुई, यशस्वी के आउट होने के बाद चौथे नंबर पर आए साई

सुदर्शन को साइमन कीन ने शून्य पर ही आउट कर दिया। कप्तान ध्रुव जुरेल भी केवल 1 रन ही बना पाये।

एक समय ऐसा लग रहा था कि इंडिया-ए की पूरी टीम 70-80 रनों के भीतर सिमट जाएगी, लेकिन युवा बल्लेबाज यश ने एक छोर पर डटकर संघर्ष किया। उन्होंने 3 छक्के और 3 चौकों की मदद से नाबाद 44 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से किसी भी बल्लेबाज का खास साथ नहीं मिला। वॉशिंगटन सुंदर भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए, जबकि अंशुल कंबोज ने 10 रन बनाये। इस तरह बल्लेबाजी क्रम में केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये।

वहीं निचले क्रम के बल्लेबाजों में आकिब नबी ने 5 रन बनाए जबकि आकाश दीप और मुकेश चौधरी अपना खाता खोले बिना ही साइमन कीन के शिकार बने। मेजबानों की ओर से कीन ने अपनी शानदार गेंदबाजी से कुल 5 विकेट लिए। अन्य गेंदबाजों ने भी दबाव बनाये रखा।

पहेले दिन का खेल खत्म होने तक मेजबान न्यूजीलैंड-ए ने अपनी पहली पारी में बिना कोई विकेट खोए 43 रन बना लिए थे। उनके सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और आसानी से रन बनाये। इस तरह, पहले ही दिन न्यूजीलैंड ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है और अब उसका लक्ष्य बड़ा स्कोर बनाना रहेगा।

एशियाई पैरा खेलों 2026 में भारत ने 114 पदकों के साथ ही अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

नगोया। जापान में हुए एशियाई पैरा खेलों में भारत ने 114 पदक जीतकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारतीय खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए इस बार 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक हासिल किये। ये अब तक का इन खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हैं। इसने पिछले सभी रिकॉर्डों को तोड़ दिया हैं। इससे पहले, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले संस्करण में देखने को मिला था। तब चीन के हांगझू पैरा एशियाई खेलों में भारत ने 27 स्वर्ण सहित कुल 108 पदक जीते थे। इस बार 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ भारत ने उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। यह सफलता भारत में पैरा-खेलों के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को दिखाता है।

पदक तालिका में भारत 30 स्वर्ण पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा। इस सूची में चीन 204 स्वर्ण, 115 रजत और 108 कांस्य पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा जबकि मेजबाल जापान 63 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। उज्बेकिस्तान ने 45 स्वर्ण पदकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय दल ने शीर्ष तीन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए अपनी ताकत दिखायी है। इसमें भी पैरा एथलीट को सबसे बड़ी भूमिका रही। पैरा एथलीटों ने सर्वाधिक 22 स्वर्ण, 19 रजत और 24 कांस्य सहित कुल 65 पदक हासिल किये जो कुल पदकों का एक बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, पैरा तीरंदाजी और पैरा बैडमिंटन में भी भारतीय खिलाड़ियों को अच्छी खासी सफलता मिली। इन दोनो ही खेलों में उसे 3-3 स्वर्ण पदक मिले। पैरा निशानेबाजी में 2 स्वर्ण पदक जबकि पैरा तैराकी में 3 रजत और 8 कांस्य पदक हासिल हुए। पैरा टेबल टेनिस में 7 कांस्य, पैरा जूडो में एक रजत और एक कांस्य, और पैरा पॉवरलिफ्टिंग में दो रजत पदक मिले। यह दिखाता है कि भारत की पैरा-खेल प्रतिभा विभिन्न विधाओं में निखर रही है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि में मोना अग्रवाल, शीतल देवी, सुमित अंतिल, नितेश कुमार, नवीन शिवकुमार, शैलेंद्र कुमार, दिलीप गावित और सोलैराज धर्मराज जैसे कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। अवनि लेखरा, प्रमोद भगत, कोकिला और प्रीति पाल जैसे जाने-माने खिलाड़ियों ने भी रजत पदक अपने नाम किए। कपिल परमार, आयुष वर्मा, सोनलबेन पटेल, भाविना पटेल और प्राची पांडे जैसे खिलाड़ियों ने कांस्य पदकों के साथ अपनी छाप छोड़ी।

भारतीय महिला क्रिकेटर मेघना ने सभी प्रारुपों से संन्यास लिया

मुम्बई । भारतीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रहीं सबनेनी मेघना ने खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया है। 30 साल की मेघना ने कहा कि खेल से उनका जुड़ाव आगे भी बना रहेगा और वह अब आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार करने में अपना योगदान देना चाहती हैं। उनका यह फैसला क्रिकेट के मैदान पर एक अध्याय के समापन के साथ ही एक नई पारी की शुरुआत का प्रतीक है।सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में मेघना ने कहा कि एक खिलाड़ी के रूप में सभी प्रारूपों से संन्यास लेते समय उनका दिल कृतज्ञता से भरा हुआ है। उन्होंने क्रिकेट के मैदान को अपना दूसरा घर बताया, जहां उन्हें न केवल खेल की बारीकियों को सीखने का मौका मिला, बल्कि कई ऐसे अच्छे दोस्त और अनुभव भी मिले जो जीवन भर उनके साथ रहेंगे। मेघना ने भावुक होते हुए लिखा कि क्रिकेट के मैदान ने ही उन्हें कठिन हालातों में जमे रहने की ताकत दी है, विनम्रता का पाठ पढ़ाया है और अविस्मरणीय यादों का एक ऐसा संग्रह दिया है जिसे वह हमेशा संजोकर रखेंगी। यह अनुभव उनके लिए किसी भी उपलब्धि से बढ़कर है।

30 साल की उम्र में संन्यास का यह फैसला एक खिलाड़ी के लिए बड़ा होता है, लेकिन मेघना ने अपने इस कदम के साथ ही खेल के प्रति अपने अटूट प्रेम और समर्पण को एक नए रूप में परिभाषित किया है। उन्होंने

साफ किया कि हालांकि उनका खेल का सफर बतौर खिलाड़ी समाप्त हो गया है, पर क्रिकेट से उनका भावनात्मक और पेशेवर जुड़ाव हमेशा बना रहेगा। उनका अगला लक्ष्य अब खेल को कुछ वापस देना और नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों का मार्गदर्शन करना होगा, ताकि वे भारतीय क्रिकेट के लिए नए सितारे बनकर उभर सकें। मेघना युवा खिलाड़ियों को अपने अनुभव साझा कर, उन्हें मानसिक रूप से मजबूत कर और तकनीकी रूप से निखारकर भारतीय महिला क्रिकेट को और सशक्त बनाने की दिशा में काम करना चाहती हैं।

मेघना 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक विजेता भारतीय टीम में भी शामिल रही थीं। वह महिला प्रीमियर लीग 2024 का खिताब जीतने वाली आरसीबी टीम की भी सदस्य थीं।

करियर की बात करें तो मेघना ने साल 2016 में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने करियर के दौरान कुल मिलाकर सिर्फ 20 अंतरराष्ट्रीयमैच खेलने का मौका मिला, जिसमें 3 एकदिवसीय और 17 टी20 मैच शामिल हैं। हालांकि कम मौके मिलने के बावजूद उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सभी को काफी प्रभावित किया। एकदिवीसय मैचों में उन्होंने एक अर्धशतक की मदद से 114 रन बनाए, जबकि टी20 प्रारुप में भी एक अर्धशतक की बदौलत 258 रन अपने नाम किए। इसके अलावा में वह 2024 में विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की भी सदस्य रही थीं।

डायमंड लीग के 18 वें संस्करण की शुरुआत दोहा से होगी

दोहा। विश्व एथलेटिक्स की इस प्रतिष्ठित ट्रैक एंड फील्ड सीरीज डायमंड लीग का 18वां संस्करण अगले साल 7 मई से कतर की राजधानी दोहा में शुरु होगा। इस लीग में विश्व के अधिकतर शीर्ष एथलीट शामिल होंगे। दोहा के बाद सीरीज के मुकाबले एशिया के अन्य शहरों शंघाई/केकियाओ और शियामेन में होंगे। शुरुआती मुकाबलों में एथलीटों को नए सत्र में अपनी लय और फॉर्म साबित करने का अवसर मिलेगा।

डायमंड लीग के के मुकाबले इसके बाद 3 जुलाई को अमेरिका के यूजीन, ओरेगन में प्रीफॉन्टेन क्लासिक के नाम से होंगे। इसके बाद सीरीज एक बार फिर यूरोप लौटेगी, जहां कई अहम प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।अमेरिका में मुकाबले के बाद डायमंड लीग का आयोजन मोनाको, लुसाने, लंदन, सिलेसिया और ब्रुसेल्स में होगा। इन प्रतियोगिताओं में एथलीटों के पास बेहतर अंक हासिल कर फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। लीग का फाइनल 25 और 26 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में सीजन के शीर्ष एथलीट डायमंड लीग ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। फाइनल के साथ ही इस प्रतिष्ठित सीरीज के विजेताओं का फैसला होगा। इस सीरीज से खिलाड़ियों को लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा।

ईशान किशन के कवर के तौर पर कुमार कुशाग्र भारतीय टीम में शामिल

क्राइस्टचर्च। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन के चोटिल होने से युवा खिलाड़ी कुमार कुशाग्र को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज कुशाग्र को शामिल किया जाना इसलिए भी हैरानी भरा है क्योंकि इस क्रिकेटर ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से पहले कुशाग्र को कवर के तौर पर रखा गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बात की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि किशन को सीरीज के पहले मैच के दौरान दाएं पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट लग गई थी।

बीसीसीआई की ओर से कहा गया, 'न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ईशान के दाएं पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट लगी थी। इस कारण वह दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से भी बाहर हो गये थे।' इसके बाद ही कुशाग्र को टीम के साथ जुड़ने का निर्देश दिया है। कुशाग्र यहां भारत 'ए' टीम के साथ दौरे पर आये हैं।बोर्ड ने साथ ही कहा कि ईशान की चोट पर भी उसकी नजरें बनी हुई हैं।'

गौरतलब है कि यह पहली बार है जब कुमार कुशाग्र को भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चुना गया है, जो उनके करियर का एक बेहद महत्वपूर्ण पड़ाव है। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले युवा गुजरात टाइटंस के इस बल्लेबाज को इससे पहले एकदिवसीय सीरीज के चौथे और पांचवें मैच के लिए भी भारतीय 'ए' टीम में शामिल किया गया था।

मेदवेदेव, सितसिपास अल्माटी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

अल्माटी। रूस के शीर्ष वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव और यूनान के स्टेफानोस सितसिपास जीत के साथ ही कजाकिस्तान में जारी अल्माटी ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं।

मेदवेदेव ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के टेरेंस एटमाने को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। उन्होंने पूरे मुकाबले में शानदार सर्विस के साथ ही विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। मेदवेदेव अब इस सत्र में पना चौथा खिताब जीतने की ओर बढ़ रहे हैं।अल्माटी में जीत से एटीपी फाइनल्स में क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं। अब सेमीफाइनल में उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक या पांचवीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव में से किसी एक से हो सकता है।

वहीं एक अन्य मुकाबले में सितसिपास ने ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ को 6-3, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह फरवरी 2025 के बाद से ही हार्ड कोर्ट पर उनका पहला सेमीफाइनल मुकाबला था। सेमीफाइनल में सितसिपास का मुकाबला अब जॉर्जिया के क्वालीफायर निकोलोज बासिलाशविली से होगा, जिन्होंने एड्रियन मनारिनो को 6-3, 6-1 से हराकर सभी को हैरान किया था।

पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के तहत 2028 टी20 महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा

लाहौर । पाकिस्तान ने कहा है कि वह हाइब्रिड मॉडल के तहत ही साल 2028 में होने वाले बहुप्रतीक्षित महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईससी) ने कहा था कि विश्वकप 7 सितंबर से 1 अक्टूबर 2028 तक पाकिस्तान में खेला जाएगा। साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक संबंधों को देखते हुए इसमें भारतीय टीम से जुड़े सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। यह हाइब्रिड मॉडल एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत जब भी भारत या पाकिस्तान में से कोई देश आईसीसी या एशियाई टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा तो दूसरा देश अपनी टीम के मैच किसी तटस्थ स्थल पर खेल सकता है। इस व्यवस्था का सफल परीक्षण पहले ही 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में हुआ था जिसकी मेजबानी भी पाकिस्तान ने ही की थी। यह मॉडल दोनों देशों को एक ही टूर्नामेंट में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है।

उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने अपने सभी मुकाबले यूएई में खेले थे और दुबई में फाइनल जीतकर खिताब भी अपने नाम किया था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के 15 में से 10 मैचों की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी, जिसमें लाहौर में खेला गया एक सेमीफाइनल भी शामिल था, हालांकि उसमें भारतीय टीम शामिल नहीं थी। यह स्पष्ट करता है कि यह मॉडल बड़े टूर्नामेंटों के सफल आयोजन में सहायक हो सकता है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है कि उनका देश महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि पीसीबी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनाए गए इसी हाइब्रिड मॉडल को महिला विश्व कप में भी लागू करने की मांग करेगा। अधिकारी ने स्पष्ट किया, हम दोनों ग्रुप के मैचों और उन नॉकआउट मुकाबलों की मेजबानी करना चाहेंगे, जिनमें भारतीय टीम शामिल नहीं होगी। उन्होंने यूएई को भारत के मैचों के लिए पसंदीदा तटस्थ स्थल बताया। इसके पीछे मुख्य कारण दुबई से पाकिस्तान की कम यात्रा दूरी, जिससे परिचालन लागत में कमी आती है और लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन भी आसान हो जाता है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक क्वालिफायर के कार्यक्रम में हुआ बदलाव

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक क्वालिफायर 2028 के लिए होने वाले क्वालीफायर मुकाबलों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। आईसीसी ने अपने नए ग्लोबल इवेंट कैलेंडर की घोषणा करते हुए कहा है कि अब पुरुष और महिला क्रिकेट क्वालिफायर मुकाबले साल 2027 की जगह पर जनवरी और फरवरी 2028 में आयोजित होंगे। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल 8 से 12 जून 2029 तक इंग्लैंड में खेला जाएगा। अक्टूबर में दुबई में हुई बैठकों के बाद आईसीसी के सदस्य बोर्डों के साथ साझा किए गए इस विस्तृत कैलेंडर में, 2027 और 2031 के एकदिवीसय विश्व कप के बीच पुरुषों के 12, महिलाओं के 7 और अंडर-19 के 5 महत्वपूर्ण इवेंट शामिल हैं।

गौरतलब है कि क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी 1904 के बाद पहली बार हो रही है। इन खेलों के लिए क्वालिफायर, जो पहले 2027 में होने थे, अब ओलंपिक खेलों से छह महीने से भी कम समय पहले, 2028 की शुरुआत के लिए टाल दिए गए हैं। आईसीसी ने छह टीमों वाली पुरुष और महिला ओलंपिक प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन संरचना तय की है।

महिला वर्ग में, भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन ने सीधे क्वालिफाई किया है। इन टीमों का चयन 2023 की शुरुआत में हुए टी20 विश्वकप में उनके प्रदर्शन और अपने-अपने महाद्वीपों में सर्वोच्च रैंकिंग वाली योग्य टीम होने के आधार पर किया गया है। मेज़बान के तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) भी दोनों इवेंट्स में हिस्सा लेने के लिए योग्य है, बशर्ते वह आईसीसी के रैंकिंग मानदंडों को पूरा करे। अमेरिकी पुरुष टीम वर्तमान में 13वें स्थान पर है और 31 दिसंबर 2026 तक की आईसीसी टी20 रैंकिंग के अनुसार टॉप 15 में रहने की शर्त को पूरा करने की राह पर है, जिससे उन्हें अफ्रीका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया की सर्वोच्च रैंकिंग वाली योग्य टीमों के साथ सीधा क्वालिफिकेशन मिलेगा।

वहीं, अमेरिकी महिला टीम अभी 19वें स्थान पर है, और नए नियमों के तहत उसके सीधे क्वालिफाई करने का मौका गंवाने का खतरा है। पहले आईसीसी ने कहा था कि यदि अमेरिकी महिला टीम रैंकिंग की शर्त पूरी नहीं कर पाती है, तो 1 मार्च 2027 की टी20ड्ड रैंकिंग के आधार पर एक अतिरिक्त ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन स्पॉट दिया जाएगा। हालांकि, नए नियमों के अनुसार, अब यह अतिरिक्त स्पॉट फरवरी 2027 में भारत में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी से जुड़ा होगा।

प्रत्येक ओलंपिक क्वालिफायर टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें शामिल होंगी, जिनमें सीधे क्वालिफाई करने वाली टीमों के अलावा सबसे ऊंची रैंकिंग वाली सात टीमें और कैरेबियन क्षेत्रीय क्वालीफायर की विजेता टीम शामिल होगी।

अनाहत सिंह सिलिकॉन वैली ओपन 2026 सेमीफाइनल में हारी

रेडवुड सिटी। भारतीय महिला स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह अमेरिका में जारी सिलिकॉन वैली ओपन 2026 में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। अनाहत को सेमीफाइनल में मलेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त शिवसंगरी सुब्रमण्यम के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस टूर्नामेंट में अनाहत का प्रदर्शन असाधारण रहा, जहां उन्होंने दुनिया की नंबर तीन खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्र क नूर अल शेरबिनी जैसी दिग्गजों को हराकर अपनी प्रतिभा को साबित किया। सेमीफाइनल मुकाबले में अनाहत ने बेहतरनी शुरुआत की और पहला गेम 11-5 से जीतकर उम्मीदें जगा दी पर शिवसंगरी ने अगले तीन गेम 11-6, 11-4 और 11-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह दूसरी बार है जब शिवसंगरी ने अनाहत को हराया है। इससे पहले जापान में एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक मुकाबले में उसे अनाहत को पराजित किया था। सेमीफाइनल में हार के बाद भी, रेडवुड सिटी में अनाहत का यह टूर्नामेंट उनके करियर के लिए अहम रहा। इसमें उन्होंने मिस्र की दो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ यादगार जीत दर्ज कीं। सबसे पहले, उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए आठ बार की विश्व चैंपियन और दुनिया की नंबर तीन खिलाड़ी नूर अल शेरबिनी को सीधे गेमों में 11-8, 11-8, 11-7 से हराकर सभी को हैरान कर दिया। यह जीत अनाहत की क्षमता और बड़े मैचों में दबाव संभालने की उनकी क्षमता का प्रमाण थी। वहीं इसके बाद, छठी वरीयता प्राप्त सलमा हनी के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में भी अनाहत ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से मैच जीता। अंतिम दो गेमों में उन्होंने जिस तरह से अपने खेल का स्तर बढ़ाया और निर्णायक क्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन किया, वह वाकई काबिले तारीफ था और उनके मानसिक दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद अनाहत ने स्वीकार किया था कि उन्हें स्क्वैश की इतनी बड़ी दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ इतने सीधे मैच की उम्मीद नहीं थी।

कौशल विकास यात्रा पहुंची बालाघाट, विद्यार्थियों को बताए रोजगार और एआई के अवसर

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा, रोजगार के अवसरों और आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित कौशल विकास यात्रा 2026 शनिवार, 24 अक्टूबर को बालाघाट पहुंची। इस अवसर पर सरस्वती नगर स्थित डॉ. एस. राधाकृष्णन हायर सेकेंडरी स्कूल में जागरूकता एवं विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सैकड़ों विद्यार्थियों ने सहभागिता कर कौशल विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आईसेक्ट की शैक्षणिक पहल के बारे में जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा, करियर निर्माण, रोजगार की संभावनाओं और बदलती तकनीक के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। यात्रा के साथ चल रहे विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार शैक्षणिक विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया।

39 वर्षों से शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में सक्रिय है आईसेक्ट

पजानकारी के अनुसार, आईसेक्ट पिछले 39 वर्षों से कौशल विकास और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता तथा कौशल विकास एवं एआई जैसे आधुनिक क्षेत्रों की जानकारी युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह देशव्यापी यात्रा आयोजित की जा रही है। यात्रा 5 सितंबर से शुरू होकर 5 नवंबर 2026 तक देशभर के 20 राज्यों के 300 जिलों में संचालित की जा रही है।अभियान के अंतर्गत लगभग 500 स्कूलों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचने के साथ करीब एक हजार आईसेक्ट स्किल नॉलेज प्रोवाइडर्स (एसकेपी) एवं केंद्रों को शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कौशल ही रोजगार पाने का प्रमुख माध्यम

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि साई कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट, बालाघाट के डायरेक्टर आशीष मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि रोहित गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कौशल विकास रोजगार प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत सरकार भी युवाओं को कौशल विकास और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रति जागरूक कर रही है। ऐसे में विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल हासिल कर अपने भविष्य की दिशा तय करनी चाहिए.उन्होंने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से युवा अपने करियर को बेहतर बनाने के साथ देश की प्रगति में भी योगदान दे सकते हैं।

विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुरूप अवसरों की जानकारी

संस्था के प्राचार्य एस. आर. पांडेय की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में आईसेक्ट के प्रतिनिधि निशांत श्रीवास्तव (स्टेट कोऑर्डिनेटर), याचेंद्र राहंगडाले (जिला समन्वयक) एवं सुनील सोनी (आरएमओ, जबलपुर) ने भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि कौशल विकास यात्रा केवल एक शैक्षणिक अभियान नहीं, बल्कि युवाओं को उभरती तकनीकों, कौशल आधारित शिक्षा और करियर से जुड़े अवसरों से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है.कार्यक्रम में संस्था के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों ने विद्यार्थियों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकसित करने और उपलब्ध शैक्षणिक एवं रोजगारपरक अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

मप्र में जहरीली शराब का कहर, तीन महीने में तीसरी घटना

देवास में जहरीली शराब से 20 मौतें

भोपाल । मध्य प्रदेश में जहरीली और मिलावटी शराब का कारोबार एक बार फिर गंभीर चिंता का विषय बन गया है। पिछले तीन महीने में जहरीली शराब से मौतों की तीसरी घटना सामने आने के दावे ने शराब माफिया पर नियंत्रण और सरकारी निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। देवास जिले में जहरीली शराब से 20 लोगों की मौत होने की खबर ने पूरे प्रदेश में चिंता बढ़ा दी है।

हर घटना के बाद सरकार की ओर से जांच, छापेमारी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही जाती है। इसके बावजूद यदि जहरीली शराब के कारण बार-बार लोगों की जान जा रही है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है, अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लग पा रही है।

जहरीली शराब का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर संकट है। अवैध शराब में मिलाए जाने वाले जहरीले रसायन कुछ ही समय में लोगों की जान ले लेते हैं। इसका सबसे अधिक खामियाजा आर्थिक रूप से कमजोर तबकों को भुगतना पड़ता है।

लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बीच सरकार और आबकारी विभाग की जवाबदेही तय करने की मांग उठने लगी है। जरूरत केवल घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि अवैध शराब की आपूर्ति शृंखला तोड़ने, नियमित निगरानी, दोषियों को सजा दिलाने और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की है।

सवाल यह है, हर हादसे के बाद कार्रवाई का भरोसा देने के बजाय ऐसी व्यवस्था कब बनेगी.जिससे जहरीली शराब के कारण होने वाली मौतों को रोका जा सके?

ट्रेलर की टक्कर से आयशर ट्रक पलटा

पदमेश न्यूज, गोंदिया. सड़क अर्जुनी तहसील के सौंदड़ रेलवे क्रॉसिंग फ्लाईओवर के सामने बने ब्रेकर के पास शनिवार, 24 अक्टूबर की सुबह करीब 4 बजे ट्रेलर ने पीछे से आयशर ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि आयशर ट्रक मौके पर ही पलट गया. दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए, ट्रेलर चालक के पैर में फैक्चर होने के कारण उसे आगे के उपचार के लिए गोंदिया रेफर किया गया, जबकि आयशर ट्रक के चालक को मामूली चोटें आई हैं.

जानकारी के अनुसार, आयशर ट्रक क्र. एमएच 40 - एके 4084 सौंदड़ रेलवे क्रॉसिंग फ्लाईओवर के सामने बने ब्रेकर के पास था. इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रेलर क्र. सीजी 12 - बीएच 6192 ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. दुर्घटना में मुंबई निवासी ट्रेलर चालक नवीन प्रतापसिंग कालीरामन (32) के पैर में फैक्चर हुआ है. उसे उपचार के लिए गोंदिया के अस्पताल में रेफर किया गया. वहीं, नागपुर के पारडी निवासी आयशर ट्रक चालक ऋषभ जनार्दन मडावी (26) को मामूली चोटें आई हैं. उसका उपचार सौंदड़ के अस्पताल में जारी है. फ्लाईओवर पर एकतरफा यातायात जारी रहने और घटनास्थल पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं होने के बीच ब्रेकर के पास हुए इस हादसे ने वाहन चालकों की सुरक्षा का मुद्दा फिर से सामने ला दिया है. इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को ब्रेकर के पास गति नियंत्रित रखने और सावधानी से वाहन चलाने की जरूरत है.

शरद पूर्णिमा पर दो चाँद, गुरु अवतरण दिवस महोत्सव का भव्य आयोजन 24 से 26 अक्टूबर तक

मुनिश्री 108 विराटसागर जी महाराज एवं मुनिश्री 108 निस्संगसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में होंगे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस के पावन अवसर पर शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय गुरु अवतरण दिवस महोत्सव का भव्य आयोजन 24 से 26 अक्टूबर 2026 तक महावीर भवन, बालाघाट में किया जाएगा। श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी, बालाघाट एवं श्री सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित होगी।महोत्सव में मुनिश्री 108 विराटसागर जी महाराज एवं मुनिश्री 108 निस्संगसागर जी महाराज का मंगल सानिध्य प्राप्त होगा। आयोजन का उद्देश्य गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा, धार्मिक संस्कारों का प्रसार तथा समाज में सेवा, समर्पण और सद्भाव की भावना को प्रोत्साहित करना है। उपयुक्त जानकारी अमन सिंघई ने देते हुए बताया कि महोत्सव के प्रथम दिन प्रात: 7:30 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा पूजन, 8:45 बजे आचार्य श्री की पूजन तथा 9 बजे पूज्य मुनिश्री के प्रवचन के पश्चात आहारचर्या होगी। शाम को भक्ति एवं धार्मिक कार्यक्रमों के साथ महाआरती और आचार्य ज्ञानसागर पाठशाला के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।

25 अक्टूबर को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

रविवार, 25 अक्टूबर को प्रात: 7:30 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा पूजन के पश्चात सुबह 8 बजे महापात्र की स्थापना तथा 8:30 बजे आचार्य भगवान की भव्य पूजन होगी। सुबह 9:15 बजे शरद पूर्णिमा के विशेष अवसर पर महावीर भवन से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: महावीर भवन पहुंचेगी। शोभायात्रा के दौरान आकर्षक झांकियां एवं अन्य धार्मिक गतिविधियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। दिनभर धार्मिक कार्यक्रम, आहारचर्या, गोद भराई एवं सायंकालीन भक्ति कार्यक्रम आयोजित होंगे।

26 अक्टूबर को होंगे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन

सोमवार, 26 अक्टूबर को प्रात: 7 बजे अभिषेक, शांतिधारा एवं आचार्य श्री की पूजन होगी। इसके पश्चात धार्मिक प्रभावना, प्रवचन, आहारचर्या, भक्ति एवं शंका समाधान सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रात्रि में बालिका मंडल द्वारा संस्कारमय प्रस्तुतियां, बालकों का पालन-पोषण, नामकरण संस्कार, बाल क्रीड़ा एवं गुरु भक्ति जैसे विषयों पर कार्यक्रम होंगे। पाठशाला एवं बालिका मंडल के प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

वात्सल्य भोज एवं सामाजिक सहभागिता

महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था रहेगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के विभिन्न परिवारों, महिला मंडलों, पाठशाला के सदस्यों एवं धर्मप्रेमियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। आयोजकों ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं एवं बहनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने तथा महोत्सव को सफल बनाने की अपील सह सचिव अमन सिंघई जी द्वारा की गई की है।

महिलाओं के हुनर को उड़ान, आत्मनिर्भरता को नई पहचान

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। महिलाओं के हुनर को पहचान दिलाने, उनके स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने और आत्मनिर्भरता की राह मजबूत बनाने के उद्देश्य से जीतो लेडिस विंग बालाघाट द्वारा 'उड़ान 2.0' का आयोजन किया गया है। 23 अक्टूबर से शहर मुख्यालय स्थित एक निजी लॉन में शुरू हुए इस आयोजन में खरीदारी, महिला उद्यमिता और सांस्कृतिक विविधता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। जिले के साथ अन्य जिलों और प्रदेशों से आए स्टॉलों में बड़ी संख्या में ऐसे स्टॉल शामिल हैं, जिनका संचालन महिलाएं कर रही हैं और जिनके उत्पाद भी उनके अपने हुनर की पहचान हैं।आयोजन के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। ज्वेलरी, कपड़े, साड़ियां, कुर्ती सहित विभिन्न आकर्षक उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं। दूसरे जिलों और राज्यों से भी स्टॉल आमंत्रित किए गए हैं, ताकि ग्राहकों को एक ही स्थान पर अलग-अलग तरह के उत्पाद मिल सकें और महिला उद्यमियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अवसर मिले।

राजस्थान के कलाकार बिखेर रहे कला के रंग

उड़ान 2.0 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी विशेष स्थान दिया गया है। राजस्थान से पांच कलाकारों को आमंत्रित किया गया है, जो अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। आयोजन में खरीदारी के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद भी लिया जा सकता है। महिलाओं के हुनर, उद्यमिता और सांस्कृतिक परंपराओं को एक मंच पर लाने वाला यह आयोजन स्थानीय महिला प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

नई कार्यकारिणी को मिली जिम्मेदारी

जीतो लेडिस विंग की दो वर्षीय कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें स्वीटी वैद्य को अध्यक्ष, रोमा जैन और सीमा जैन को उपाध्यक्ष, स्मिता जैन एवं रुचिका चौरडिया को मुख्य सचिव तथा वासु खजांची को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने, उनकी प्रतिभा को अवसर देने और सामाजिक सहभागिता बढ़ाने के प्रयासों को आगे बढ़ाने का संकल्प है।

महिला सशक्तीकरण के साथ सामाजिक एकता का संदेश-रश्मि वैद्य

आयोजन समिति की पदाधिकारियों रश्मि वैद्य और स्वीटी वैद्य ने बताया कि उड़ान का आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। करीब दो वर्ष पूर्व भी इस तरह का आयोजन किया गया था। इस बार उड़ान 2.0 के माध्यम से सभी समाजों की महिलाओं को जोड़ने और उनकी प्रतिभा को मंच देने का प्रयास किया गया है। आयोजन में सामाजिक संस्कृति, पारंपरिक परिधानों और विविध कलाओं को प्रस्तुत करने के लिए भी कार्यक्रम रखे गए हैं, जिससे विभिन्न समाजों की सांस्कृतिक पहचान सामने आ सके।

एट्रॉसिटी मामलों की जांच में तेजी सराहनीय, दोषसिद्धि बढ़ाने पर जोर = अपर जिलाधिकारी घोरपड़े

पदमेश न्यूज, गोंदिया. जिले में एट्रॉसिटी (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम) के मामलों की जांच में आई तेजी सराहनीय है. हालांकि, मामलों में दोषसिद्धि का प्रतिशत बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों को आने वाली बाधाओं को प्राथमिकता से दूर करना चाहिए, यह निर्देश अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े ने दिए.

जिलाधिकारी कार्यालय के सभागृह में गुरुवार को जिला सतर्कता व नियंत्रण समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में अपर जिलाधिकारी घोरपड़े ने कहा कि जिले में एट्रॉसिटी के मामलों की पुलिस जांच प्रक्रिया में स्थानीय अपराध शाखा के स्तर पर तेजी आई है, जो सराहनीय है. लेकिन मामलों में दोषसिद्धि का प्रमाण कम दिखाई दे रहा है. इसे बढ़ाने के लिए पुलिस विभाग को अधिक संवेदनशीलता के साथ जांच करनी चाहिए. बैठक में समाज कल्याण सहायक आयुक्त किशोर भोयर, पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि, जिला सूचना अधिकारी अंजु कांबले-निमसरकर, विधि अधिकारी मिलिंद चवरे तथा नागरिक अधिकार संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि उपस्थित थे. समिति के सदस्य सचिव व समाज कल्याण सहायक आयुक्त किशोर भोयर ने सितंबर 2026 के अंत तक प्राप्त मामलों की स्थिति प्रस्तुत की. इसमें पुलिस जांच के अधीन मामले, पुलिस की अंतिम रिपोर्ट वाले प्रकरण, न्यायालय में लंबित मामले तथा आर्थिक सहायता के लिए लंबित प्रकरणों की जानकारी दी गई. वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर 2026 के अंत तक जिले में एट्रॉसिटी के कुल 27 मामले दर्ज हुए, इनमें हत्या के 4, दुष्कर्म के 3, छेड़छाड़ के 2, मारपीट अथवा गंभीर चोट के 2, जातिसूचक गालीगलौज के 10 और अन्य 6 मामले शामिल हैं. हत्या के प्रयास और आगजनी का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ. कुल मामलों में 18 अनुसूचित जाति और 9 अनुसूचित जनजाति से संबंधित हैं. बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार, 7 मामले पुलिस जांच के अधीन हैं, जबकि एक मामले में पुलिस की अंतिम रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी दी गई. इसके अलावा 19 मामले न्यायालय में दाखिल होने तथा 19 मामलों के न्यायालय में लंबित होने की जानकारी प्रस्तुत की गई. बैठक में मामलों की जांच के साथ-साथ दोषसिद्धि की दर बढ़ाने और पीड़ितों को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया.

सहारनपुर में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में आक्रोश

सहारनपुर । उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के ग्राम लखनौती में डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। अंबेडकर पार्क में मौजूद प्रतिमा टूटी हुई और एक तरफ गिरी मिलने से ग्रामीणों में नाराजगी है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों के मुताबिक, गांव में अंबेडकर पार्क के लिए जगह आवंटित की गई है, जहां बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित थी। आरोप है कि अज्ञात शरारती तत्वों ने प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद ग्रामीणों ने इसकी कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पार्क में जल्द से जल्द नई प्रतिमा स्थापित कराएं।

26 साल पहले की घटना दोहराई, अब धमाके में 6 की गई जान

सीवान। बिहार के सीवान जिले के आलमापुर गांव में पटाखा विस्फोट ने एक परिवार की पुरानी त्रासदी को फिर से उजागर कर दिया है। जिस मकान में हुए धमाके में छह लोगों की मौत हुई, वहां करीब 26 साल पहले भी विस्फोट हुआ था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उस हादसे में मकान मालिक अमीरुद्दीन मियां के बेटे अमुरात और बिहारी महतो की मौत हो गई थी, जबकि अमीरुद्दीन खुद घायल हुए थे। इसके बावजूद घर में पटाखे बनाने का काम बंद नहीं हुआ। ग्रामीणों का दावा है कि यहां करीब 40 वर्षों से पटाखों का निर्माण किया जा रहा था।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पुराने हादसे के बावजूद इस मकान में पटाखे बनाने का काम जारी रहा। अब ताजा विस्फोट के बाद पटाखा निर्माण की वैधता और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि मकान में पटाखे बनाने का लाइसेंस था या नहीं और संबंधित विभागों को इस गतिविधि की जानकारी थी या नहीं। साथ ही, लंबे समय से चल रहे पटाखा निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जा रही है।

ताजा हादसे में 72 वर्षीय अमीरुद्दीन मियां, 22 वर्षीय मुस्कान खातून, 20 वर्षीय सिमरन खातून और 18 वर्षीय इशरत खातून की मौत की जानकारी सामने आई है। मृतकों में फिरोज आलम का सात वर्षीय बेटा और सदरपुर गांव का मजदूर भोला भी शामिल हैं, जो पटाखा बनाने के काम में लगा था। एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत से गांव में शोक का माहौल है। हादसे ने पटाखा निर्माण में बरती जाने वाली सावधानियों और काम करने वालों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

क्रिप्टो से एआई तक, अर्थव्यवस्था के 46 मुद्दों की पड़ताल करेगी संसद की समिति

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बैंकिंग, टैक्स सुधार और डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़े अहम सवाल अब संसद की जांच के दायरे में होंगे। संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान विस्तृत अध्ययन और रिपोर्ट तैयार करने के लिए 46 विषय चुने हैं। इनमें वित्तीय क्षेत्र में ,ड्ड के इस्तेमाल और उससे पैदा होने वाली चुनौतियों से लेकर वर्चुअल डिजिटल एसेट्स के नियमन और भविष्य की दिशा तक शामिल है।

समिति का दायरा केवल नई तकनीकों तक सीमित नहीं है। बैंकिंग, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों, वस्तु एवं सेवा कर, प्रत्यक्ष कर, छोटी बचत योजनाओं और सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्तियों के मौद्रिकरण जैसे विषयों की भी समीक्षा की जाएगी। इन अध्ययनों के जरिए वित्तीय व्यवस्था, नियामकीय ढांचे और आर्थिक नीतियों से जुड़े मुद्दों पर संसदीय निगरानी की जाएगी।

एआई और क्रिप्टो पर फोकस

डिजिटल तकनीक और वित्तीय सेवाओं के तेजी से बदलते स्वरूप ने नियामकों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। वित्तीय क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल जोखिम का आकलन करने, धोखाधड़ी पहचानने, ग्राहकों को सेवाएं बेहतर बनाने और कर्ज संबंधी फैसलों में किया जा सकता है। लेकिन इसके साथ डेटा की सुरक्षा, एल्गोरिदम में पक्षपात, जवाबदेही और गलत निर्णयों की जिम्मेदारी जैसे सवाल भी जुड़े हैं। संसदीय समिति वित्तीय क्षेत्र में एआई से जुड़े नए मुद्दों और संभावनाओं का अध्ययन करेगी। इससे यह समझने का अवसर मिलेगा कि तकनीक के इस्तेमाल से पैदा होने वाले जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए मौजूदा नियामकीय व्यवस्था पर्याप्त है या उसमें बदलाव की जरूरत है। क्रिप्टो परिसंपत्तियों के लेनदेन, निवेशकों की सुरक्षा, वित्तीय पारदर्शिता और नियमों के अनुपालन से जुड़े सवाल इस क्षेत्र की नीति निर्धारण प्रक्रिया में अहम हैं। समिति इस विषय की समीक्षा कर आगे की राह पर विचार करेगी।

आरबीआई और सेबी की भूमिका भी जांच के दायरे में

समिति बदलते व्यापक आर्थिक परिदृश्य में भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के कामकाज की भी समीक्षा करेगी। इसके साथ वित्तीय क्षेत्र में नियामकीय तंत्र और उसकी प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाएगा। आरबीआई मौद्रिक नीति, बैंकिंग व्यवस्था और वित्तीय स्थिरता से जुड़े अहम काम करता है, जबकि सेबी प्रतिभूति बाजार के नियमन और निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। वित्तीय उत्पादों और डिजिटल सेवाओं के विस्तार के बीच नियामकों के सामने नए जोखिमों की पहचान और उन पर समय रहते कार्रवाई की चुनौती बनी रहती है। समिति का अध्ययन इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि वित्तीय क्षेत्र में नियमों का उद्देश्य केवल जोखिम को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि पारदर्शिता, उपभोक्ता संरक्षण और बाजार में भरोसा बनाए रखना भी है।

बैंकिंग, पेंशन और बीमा की भी समीक्षा

स्थायी समिति बैंकिंग, पेंशन और स्वास्थ्य बीमा क्षेत्रों का अध्ययन करेगी। इसके अलावा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के क्षेत्र में मौजूद नियामकीय कमियों की पड़ताल भी उसके एजेंडे में शामिल है। बैंकिंग और एनबीएफसी क्षेत्र में कर्ज की उपलब्धता, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय स्थिरता जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। पेंशन और स्वास्थ्य बीमा की समीक्षा सामाजिक सुरक्षा के व्यापक सवालों से जुड़ी है।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

घर में घुसा मुरुम से भरा डंपर दीवार गिरने से एक ही परिवार के सात लोग घायल

डोंगरिया में तड़के हुआ हादसा, घर में सो रहे परिवार पर गिरीं ईंटें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरिया में शुक्रवार की सुबह एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर मकान की दीवार से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दीवार ढह गई और उसके मलबे में दबकर घर में सो रहे एक ही परिवार के सात लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से शासकीय अस्पताल खैरलांजी पहुंचाया गया जहां उनका उपचार किया गया। मामले में खैरलांजी पुलिस ने डंपर चालक के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में सो रहा था पूरा परिवार तभी हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम डोंगरिया निवासी रूपेंद्र नगपुरे 47 वर्ष खेती-किसानी करते हैं। 23 अक्टूबर को सुबह करीब 4:30 बजे रूपेंद्र अपने परिवार के सदस्यों के साथ घर के अंदर सो रहे थे। इसी दौरान मुरुम से भरा डंपर क्रमांक एमएच 35 एजे 5725 उनके मकान की दीवार से टकरा गया। टक्कर के कारण दीवार भरभराकर गिर गई और उसकी ईंटें घर के अंदर सो रहे लोगों पर जा गिरीं इस हादसे में रूपेंद्र नगपुरे, उनकी पत्नी श्यामा बाई, बेटी रेखा नगपुरे, दामाद सुशील नगपुरे, नाती समर नगपुरे, नातिन नेहा नगपुरे तथा रूपेंद्र के ससुर पन्नालाल कुतराहे ईंटों और मलबे में दबकर घायल हो गए। घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सभी को मलबे से बाहर निकाला।

मकान की दीवार गिरने से हुआ नुकसान

हादसे के बाद परिवार के सदस्यों ने देखा कि मुरुम से भरा डंपर मकान की दीवार से टकराने के बाद उसके अंदर तक घुस गया था। दीवार गिरने से रूपेंद्र नगपुरे के मकान को भी काफी नुकसान पहुंचा है। घटना के संबंध में रूपेंद्र नगपुरे ने खैरलांजी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज

खैरलांजी पुलिस ने डंपर क्रमांक एमएच 35 एजे 5725 के चालक के विरुद्ध तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 एवं 125(ए) के तहत अपराध दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि डंपर ग्राम डोंगरिया के ही किसी व्यक्ति का है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धान पंजीयन के लिए किसानों ने सीएम हेल्पलाइन में की शिकायत

शिकायत वापस लेने के लिए विभाग पर दबाव बनाने का आरोप, जिले के हजारों किसान अब भी पंजीयन से वंचित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ सीजन की प्रमुख फसल धान अब खेतों में पककर तैयार हो चुकी है और जिले के कुछ क्षेत्रों में किसानों ने कटाई भी शुरू कर दी है। ऐसे समय में किसानों के सामने अपनी उपज को सरकारी समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए पंजीयन नहीं हो पाने की समस्या खड़ी हो गई है। जिले में एक ओर जहां एक लाख से अधिक किसान धान विक्रय के लिए पंजीयन करा चुके हैं, वहीं सरकारी आंकड़ों के अनुसार अनुमानित 25 से 30 हजार किसान अब भी पंजीयन से वंचित बताए जा रहे हैं। पंजीयन की निर्धारित अंतिम तिथि समाप्त होने और पोर्टल बंद होने के कारण इन किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि उनकी धान का पंजीयन नहीं हुआ तो उन्हें सरकारी समर्थन मूल्य का लाभ नहीं मिल पाएगा और मजबूरी में बिचौलियों को कम कीमत पर उपज बेचनी पड़ सकती है। इससे खेती में लगाया गया पैसा निकालना भी मुश्किल हो सकता है। अब किसान शासन से पंजीयन की तारीख बढ़ाने और छूटे हुए किसानों को एक और अवसर देने की मांग कर रहे हैं। जिला मुख्यालय से लगे भटेरा, कुम्हारी और पाथरवाड़ा सहित अन्य क्षेत्रों में पंजीयन नहीं होने की समस्या सामने आ रही है। कुछ किसानों ने अपनी परेशानी विभाग तक पहुंचाने के बाद सीएम हेल्पलाइन नंबर 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, किसानों ने आरोप लगाया है कि उनकी समस्या का समाधान करने के बजाय विभागीय अधिकारी-कर्मचारी शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बना रहे हैं। पाथरवाड़ा निवासी किसान वासुदेव के अनुसार, धान का पंजीयन नहीं होने पर उन्होंने पहले संबंधित विभाग में अपनी समस्या रखी और फिर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि शिकायत के बाद भी पंजीयन कराने का रास्ता निकालने के बजाय उनसे शिकायत वापस लेने के लिए कहा जा रहा है। किसान का कहना है कि जब सरकारी व्यवस्था में शिकायत दर्ज कराकर समस्या के समाधान की उम्मीद की जाती है, तो संबंधित विभाग को किसानों की परेशानी दूर करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाना चाहिए। किसान धनेन्द्र ने बताया कि उनके पास करीब दो से ढाई एकड़ जमीन है और धान की बुवाई से लेकर कटाई तक प्रति एकड़ लगभग 25 हजार रुपये खर्च हो जाते हैं। खाद, बीज, मजदूरी और अन्य कृषि लागत के बाद यदि उपज सरकारी समर्थन मूल्य पर नहीं बिकती है, तो उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। वहीं किसान सुभाष लिल्हारे ने बताया कि उनके पास करीब 12 एकड़ जमीन है। पहले परिवार का खाता सम्मिलित था, लेकिन बाद में खाते अलग-अलग होने के कारण परिवार के कुछ सदस्यों का ही पंजीयन हो पाया, जबकि अलग हुए अन्य सदस्यों के नाम से पंजीयन नहीं हो सका। ऐसे में उनकी जमीन पर पैदा होने वाली पूरी धान को सरकारी समर्थन मूल्य पर बेच पाना मुश्किल हो सकता है। किसानों का कहना है कि पंजीयन की अंतिम तिथि समाप्त हो जाने के कारण उन्हें अपनी ही उपज बेचने के लिए परेशानी झेलनी पड़ रही है। उनका सवाल है कि जब फसल खेतों में तैयार है और किसान सरकारी खरीदी का लाभ लेना चाहते हैं, तो पंजीयन की प्रक्रिया से छूट गए किसानों को एक और अवसर क्यों नहीं दिया जा रहा है। किसानों ने शासन और जिले के जनप्रतिनिधियों से इस मामले में हस्तक्षेप कर पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग की है, ताकि तकनीकी, खाते संबंधी या अन्य कारणों से पंजीयन नहीं करा पाए किसानों को राहत मिल सके। उनका कहना है कि खेती में पहले ही लागत लगातार बढ़ रही है और यदि उपज कम कीमत पर बेचनी पड़ी तो परिवार का आर्थिक बजट बिगड़ सकता है। दूसरी ओर, विभागीय अधिकारियों का कहना है कि निर्धारित तारीख समाप्त होने के कारण पंजीयन पोर्टल बंद हो गया है। ऐसे में अब किसानों की निगाहें शासन के निर्णय पर टिकी हैं। सवाल यह है कि क्या पंजीयन से छूट गए हजारों किसानों को राहत देने के लिए सरकार तारीख बढ़ाएगी, या फिर उन्हें अपनी मेहनत से तैयार की गई धान बेचने के लिए कम कीमत स्वीकार करने की मजबूरी झेलनी पड़ेगी?

चरित्र पर शक कर पत्नी का सिर फर्श पर पटका ऱ्पति पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम मिरगपुर में चरित्र पर शक को लेकर पति द्वारा पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। घायल महिला को कटंगी अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी अनुसार चित्ररेखा पटले 35 वर्ष मिरगपुर निवासी घरेलू कार्य करती है। उसके पति भीमप्रसाद पटले द्वारा उसके चरित्र पर शक करते हुए आए दिन विवाद किया जाता था। 23 अक्टूबर को दोपहर करीब 4.30 बजे पति ने घरेलू बात को लेकर चित्ररेखा को गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। जब महिला ने गाली देने से मना किया तो आरोपी आवेश में आ गया और हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगा। इसी दौरान उसने महिला के सिर को फर्श पर पटक दिया जिससे सिर फट गया और खून बहने लगा। आरोप है कि इसके बाद पति ने जान से मारने की धमकी भी दी। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया। इसके बाद घायल महिला थाने पहुंची। तिरोड़ी पुलिस ने महिला को इलाज के लिए कटंगी अस्पताल भिजवाया और उसकी रिपोर्ट पर आरोपी भीमप्रसाद पटले पिता रेखचंद पटले निवासी मिरगपुर के विरुद्ध अपराध क्र. 266/26 धारा- 352, 115(2), 351(3) बी.एन.एस. के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट